खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 28 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-298

पीएम मोदी ने देशवासियों को डिजिटल अरेस्ट जैसे फ्रॉड के प्रति किया आगाह

फ्रॉड कॉल आने पर रुको सोचो और फिर एक्शन लो

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मन की बात के रविवार को 115वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार पटेल और बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाने की बात कही। साथ ही उन्होंने डिजिटल अरेस्ट जैसे फ्रॉड से बचने के लिए तीन स्टेप रुको, सोचो और एक्शन लो अपनाने की बात कही। उन्होंने आम जनता को साइबर फ्रॉड के प्रति आगाह करते हुए कहा कि इससे निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर काम कर रही हैं। श्री मोदी ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई व्यवस्था कानून में नहीं है। यह सिर्फ धोखाधड़ी, फरेब और झूठ है।

उन्होंने कहा कि यह बदमाशों का गिरोह है और ऐसा करने वाले समाज के दुश्मन हैं । डिजिटल अरेस्ट के नाम पर जो फरेब चल रहा है, उससे निपटने के लिए तमाम जांच एजेंसियां, राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। इन एजेंसियों में तालमेल बनाने के लिए राष्ट्रीय साइबर कॉर्डिनेशन सेंटर की स्थापना की गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एजेंसियां काम कर रही हैं, लेकिन डिजिटल अरेस्ट के नाम पर हो रही धोखाधड़ी से बचने के लिए हर किसी को जागरूक रहना जरूरी है। जो भी लोग इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार होते हैं, उन्हें ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को इसके बारे में बताना चाहिए। उन्होंने कहा, आप जागरूकता के लिए हैशटैग सेफ़डिजिटलइंडिया का प्रयोग कर सकते हैं। मैं स्कूलों और कॉलेजों को भी कहूंगा कि साइबर अपराध के खिलाफ मुहिम में छात्रों को भी जोड़ें। समाज में सबके प्रयासों से ही हम इस चुनौती का ▶10पर

आत्मनिर्भरता हमारी नीति नहीं बल्कि जुनून बन गया है: मोदी

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के दौरान लोगों से इस त्योहारी सीजन में आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा, आत्मनिर्भरता न केवल हमारी नीति बन गई है, बल्कि यह हमारा जुनून बन गया है। यह बहुत पहले की बात नहीं है, सिर्फ 10 साल पहले की बात है, जब अगर कोई कहता था कि भारत में कोई जटिल तकनीक विकसित की जा रही है, तो कई लोग इस पर विश्वास नहीं करते थे और कई लोग इसका उपहास करते थे। उन्होंने कहा, लेकिन आज वही लोग देश की सफलता को देखकर चकित हैं। आत्मनिर्भर बन रहा भारत हर क्षेत्र में चमत्कार कर रहा है। उन्होंने लद्दाख के हानले गांव में मेजर एटमॉस्फेरिक चेरेनकोव एक्सपेरीमेंट (एमएसीई) वेधशाला के बारे में बात करते हुए देश की तकनीकी और ▶10पर

एनिमेशन की दुनिया में भारत नई क्रांति करने की राह पर: पीएम

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत के एनिमेशन से तैयार सामग्री दुनिया भर में पसंद की जा रही है और एनिमेशन की दुनिया में भारत नई क्रांति करने की राह पर है। श्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में रविवार को कहा, आपको वह दिन जरूर याद होंगे जब छोटा भीम टीवी पर आना शुरू हुआ था। बच्चे तो इसे कभी भूल नहीं सकते, कितना उत्साह था छोटा भीम को लेकर। आपको हैरानी होगी कि आज ढोलकपुर का ढोल, सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दूसरे देश के बच्चों को भी खूब आकर्षित करता है। इसी तरह, हमारे दूसरे एनिमेटेड सीरियल, कृष्णा, हनुमान, मोटू-पतलू के चाहने वाले भी दुनियाभर में हैं । ▶10पर

विपक्ष को भारत के मुख्य न्यायाधीश का करारा जवाब

सरकार के मुखिया से मिलने का मतलब डील होना नहीं

वे न्यायपालिका के लिए बजट देते हैं, अगर लेटर पर निर्भर रहेंगे तो काम नहीं होगा

हमें डेमोक्रेटिक गवर्नेंस के अपने सिस्टम पर भरोसा करना चाहिए

जिस संस्था को हमने ही बनाया है उसकी आलोचना करना बहुत आसान है

पुणे, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सरकार के प्रमुख जब हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस से मिलते हैं तो इन मुलाकातों में राजनीतिक परिपक्वता होती है। मुंबई के एक कार्यक्रम में सीजेआई ने कहा- हम राज्य या केंद्र सरकार के मुखिया से मिलते हैं तो इसका अर्थ यह नहीं है कि कोई डील हो गई।

चीफ जस्टिस ने ये भी कहा कि हमें राज्य के सीएम के साथ बातचीत करनी होती है, क्योंकि वे न्यायपालिका के लिए बजट देते हैं। यदि मुलाकात न करके केवल लेटर्स पर निर्भर रहें तो काम नहीं होगा। ये मीटिंग पॉलिटिकल मेच्योरिटी का एक साइन है। मेरे करियर में ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी सीएम ने कभी भी मुलाकात के दौरान किसी लंबित केस के बारे में कुछ कहा हो। सीजेआई ने कहा- कोर्ट और सरकार के बीच का एडमिनिस्ट्रेटिव रिलेशन, ज्यूडिशियरी के काम से अलग है। सीएम या चीफ जस्टिस त्योहारों या शोक में एक-दूसरे से मिलते हैं। यह हमारे काम पर कोई असर नहीं डालता।

अदालतों में छुट्टियों को लेकर उठने वाले सवालों पर सीजेआई ने कहा- लोगों को यह समझना चाहिए कि जजों पर काम का बहुत बोझ है। उन्हें सोचने-विचारने का भी समय चाहिए होता है, क्योंकि उनके फैसले समाज का भविष्य तय करते हैं। उन्होंने कहा- मैं खुद रात 3:30 बजे उठता हूं और सुबह 6:00 बजे से अपना काम शुरू कर देता हूं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट एक साल में 181 केस निपटाता है, जबकि भारतीय सुप्रीम कोर्ट में इतने केस तो एक ही दिन में निपटाए जाते हैं। हमारा सुप्रीम कोर्ट हर साल 50,000 केस निपटाता है।

उन्होंने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम एक यूनियन सिस्टम है, जहां जिम्मेदारियां अलग-अलग लेवल पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार और ज्यूडिशियरी में बंटी हैं। इसमें आम सहमति बनती है, लेकिन कभी-कभी ऐसा भी होता है जब सहमति नहीं बन पाती। ऐसे में ज्यूडिशियरी के अलग अलग लेवल पर और सरकारों के अलग-अलग लेवल पर मेच्योरिटी के साथ निपटाया जाता है।

मैं चाहता हूं कि हम एक आम सहमति बनाने में सक्षम हों। हर संस्थान में सुधार किया जा सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसमें बुनियादी तौर पर कुछ गड़बड़ है। जिस संस्था को हमने ही बनाया है, उसकी आलोचना करना बहुत आसान है। हर संस्था में बेहतरी का स्कोप होता है, लेकिन हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि बुनियादी तौर पर कुछ गड़बड़ है। ये संस्थाएं 75 साल से चल रही हैं। हमें डेमोक्रेटिक गवर्नेंस के हमारे सिस्टम पर भरोसा करना चाहिए, ज्यूडिशियरी भी इसी का एक भाग है।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के कारण फैसला सुनाने में पूरी दुनिया की न्यायपालिकाओं में बदलाव आया है।

▶10पर

सीमा पार घुसपैठ रुकने पर ही बंगाल में आ सकती है शांति : अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने पेट्रोपोल भू-पत्तन पर नए यात्री टर्मिनल का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश से सीमा पार घुसपैठ बंद होने पर ही पश्चिम बंगाल में शांति स्थापित हो सकती है। शाह ने दावा किया कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2026 में पश्चिम बंगाल में सत्ता में आई तो पड़ोसी देश से अवैध आव्रजन रोका जाएगा। अमित शाह ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर पेट्रोपोल भू-पत्तन पर नए यात्री टर्मिनल और एक मैत्री द्वार का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में ये बात कही।

अमित शाह ने कहा कि क्षेत्र में शांति स्थापित करने में भू पत्तन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब सीमा पार लोगों की वैध आवाजाही की कोई गुंजाइश नहीं होती है, तो आवाजाही के अवैध तरीके सामने आते हैं, जिसका असर देश की शांति पर पड़ता है।

मैं बंगाल के लोगों से आग्रह करता हूं कि 2026 में परिवर्तन लाएं और हम घुसपैठ रोकेंगे तथा शांति स्थापित करेंगे। शाह ने कहा, घुसपैठ रुकने पर ही बंगाल में शांति आ सकती है। दोनों देशों के बीच संबंध तथा संपर्क सुधारने में भूमि बंदरगाह महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध भी बढ़ाते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार देर रात कोलकाता पहुंचे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। जिस भू-पत्तन टर्मिनल का केंद्रीय गृह मंत्री ने उद्घाटन किया है, उसमें वीआईपी लाउंज, ड्यूटी फ्री दुकान, बुनियादी चिकित्सा सुविधा जैसी विभिन्न आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। रोजाना 20,000 यात्रियों की क्षमता वाला यह नया टर्मिनल 59,800 वर्ग मीटर में बना है।

▶10पर

कोई न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं : धनखड़

दोनों शब्दों और हमारी सोच में बदलाव होना चाहिए

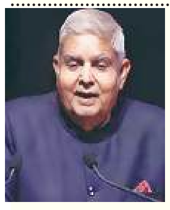

जयपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका को देश का सबसे महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा है कि इसमें सबऑर्डिनेट शब्द की कोई जगह नहीं है और कोई भी न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं है, प्रचलित शब्दों में बदलाव होना चाहिए। श्री धनखड़ रविवार को जयपुर में एआईआर पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ता संघ को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी न्याय प्रणाली के सबसे महत्वपूर्ण अंग को हम सबआर्डिनेट क्यों कहते हैं। दोनों शब्दों में बदलाव होना चाहिए, और ऐसा ही बदलाव सोच में भी होना चाहिए, कोई भी अदालत सबआर्डिनेट नहीं है। उन्होंने कहा कि जब एक मजिस्ट्रेट या जिला जज कोई ▶10पर

जयशंकर की आतंकवाद पर दो टूक

मुंबई भारत और दुनिया के लिए आतंकवाद-विरोध का प्रतीक है

मुंबई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई थी, लेकिन यदि ऐसी घटना दोबारा हुई तो अब ऐसा नहीं होगा। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, मुंबई में जो हुआ, उसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए कि यहां आतंकवादी हमला हुआ और कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। उन्होंने कहा, मुंबई भारत और दुनिया के लिए आतंकवाद-विरोध का प्रतीक है।

26/11 हमले के बाद भारत ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी, लेकिन अब मिलेगा माकूल जवाब

विकसित भारत लक्ष्य को हासिल करने के लिए विकसित महाराष्ट्र जरूरी

जयशंकर ने कहा कि जब भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य था, तब वह आतंकवाद-निरोधक समिति की अध्यक्षता कर रहा था। उन्होंने कहा, हमने आतंकवाद-निरोधक समिति की बैठक उसी होटल में की थी, जिस पर आतंकी हमला हुआ था। उन्होंने कहा, लोग जानते हैं कि भारत आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। हम आज आतंकवाद से लड़ने में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा, जब हम आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की बात करते हैं, ▶10पर

तेलंगाना विशेष पुलिस के 39 कर्मी कदाचार के आरोप में निलंबित

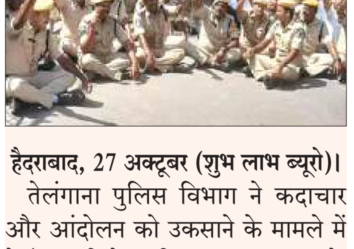

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना पुलिस विभाग ने कदाचार और आंदोलन को उकसाने के मामले में तेलंगाना विशेष पुलिस (टीजीएसपी) के 39 कर्मियों को निलंबित कर दिया है। विभाग ने शनिवार मध्यरात्रि को एक बयान जारी बताया कि हाल के दिनों में, तेलंगाना स्पेशल पुलिस (टीजीएसपी) के कुछ कर्मी बटालियन परिसर के साथ-साथ हैदराबाद सहित विभिन्न स्थानों पर सड़कों पर आंदोलन में शामिल हुए हैं।

तेलंगाना विशेष पुलिस के अनुशासन और अखंडता को बनाए रखने के क्रम में कदाचार में शामिल 39 कर्मियों को बटालियन कर्मियों के बीच आंदोलन को उकसाने सहित सरकारी कर्मचारियों के साथ अभद्र आचरण के लिए निलंबित कर दिया गया है।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 21°

राजधानी में बिगड़ते जा रहे हालात

दिवाली से पहले धुआं-धुआं हुई दिल्ली

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इन दिनों दिल्लीवासियों की सांसों पर प्रदूषण का खतरा मंडरा रहा है। राजधानी की हवा इस कदर खराब हो चली है कि सांस लेना मुश्किल हो रहा है। दिल्ली के आनंद विहार के आसपास वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार 405 दर्ज किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार इसे गंभीर श्रेणी में रखा गया है। वहीं, सीपीसीबी के अनुसार, आज सुबह अक्षरधाम मंदिर का एक्यूआई 361 दर्ज किया गया। बवाना में 392, रोहिणी 380, आईटीओ 357, द्वारका सेक्टर-8 335, मुंडका 356 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

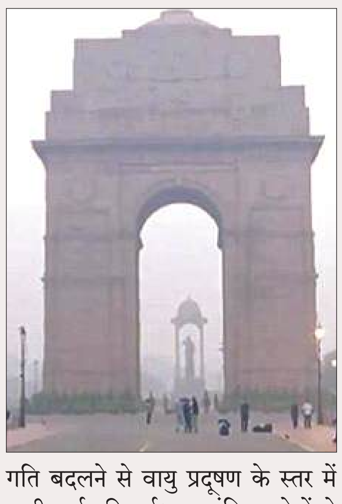

वहीं, शनिवार को हवा की दिशा व गति बदलने से वायु प्रदूषण के स्तर में कमी दर्ज की गई। हालांकि, लोगों ने खराब हवा में सांस ली। दिल्ली का एक्यूआई 255 दर्ज किया गया। यह शुक्रवार की तुलना में 15 सूचकांक कम है। आनंद विहार, रोहिणी, द्वारका, मुंडका और बवाना सहित 11 इलाकों में एक्यूआई 300 के पार रहा। यह बेहद खराब श्रेणी में हवा है, जबकि डीटीयू, अशोक विहार, आईटीओ समेत 20 इलाकों में हवा खराब श्रेणी में रही। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, शनिवार को हवा पश्चिम से उत्तर-पूर्व दिशा से चली। इस दौरान हवा की गति 8 से 12 किलोमीटर प्रतिघंटा रही। रविवार को हवा पूर्व से उत्तर-पश्चिम से पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। इस दौरान हवा की गति छह से 10 किलोमीटर प्रतिघंटे से चलेगी। बता दें कि राजधानी में रविवार से अगले छह दिन तक लोगों को बेहद खराब हवा में सांस लेने को मजबूर होना पड़ेगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूर्वानुमान है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार रह सकता है। ऐसे में लोगों को वायु प्रदूषण और परेशान करेगा। दिल्ली में दिन के समय लोगों को गर्मी परेशान कर रही है। ▶10पर

भाजपा ने यमुना नदी की सफाई को लेकर आपा पर बोला हमला

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने यमुना नदी की सफाई को लेकर आम आदमी पार्टी (आपा) और प्रदेश सरकार पर हमला बोला है और कहा है कि छठ पूजा नजदीक है और हमारी माताएं और बहनें यमुना जी में भगवान सूर्य की आराधना करने या अर्घ्य देने आएंगी, वो यमुना जी में कैसे डुबकी लगा पाएंगी।श्री सचदेवा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने मेरे स्वास्थ्य की कामना की है। मैं उनका धन्यवाद देता हूं, लेकिन मैं उनसे कहना चाहता हूं कि मेरे लिए मेरे स्वास्थ्य से ▶10पर

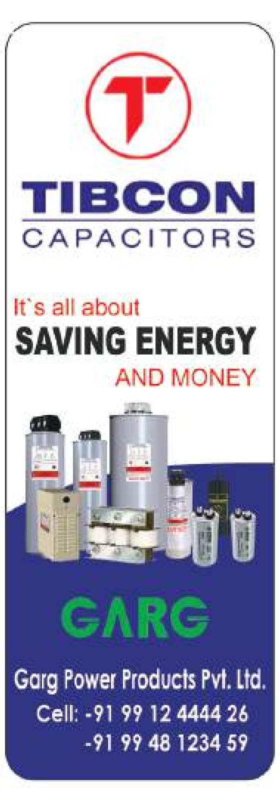

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव : ट्रम्प के व्यवहार और मानसिक गिरावट को क्यों किया जा रहा नजरअंदाज

वॉशिंगटन, 27 अक्टूबर (एजेंसियां) ।
अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव नजदीक आते ही प्रचार अभियान तेज हो गया है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस एक-दूसरे तीखे बाण छोड़ रहें हैं। मिशिगन में कमला हैरिस के लिए प्रचार करने पहुंची पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा ने ट्रम्प पर निशाना साधा। उन्होंने इस चुनाव में डबल स्टैंडर्ड की आलोचना करते हुए कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि यह दौड़ इतनी करीबी क्यों है मैं रात में जागकर सोचती हूं कि आखिर हो क्या रहा है। हैरिस का समर्थन करते हुए मिशेल ने कहा कि ट्रम्प की अयोग्यता पर सवाल नहीं उठाए जा रहे हैं, जबकि कमला हैरिस से हर जगह परफेक्शन की उम्मीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर मैं नाराज हूं कि कुछ लोग ट्रम्प के अस्थिर व्यवहार और मानसिक गिरावट को नजरअंदाज कर रहे हैं, तो मुझे माफ करिएगा।

मिशेल ओबामा की ये टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सर्वेक्षणों में हैरिस और ट्रम्प के बीच करीबी मुकाबला टक्कर का दिखाया गया है। मिशेल ने यह उम्मीद जताई कि ट्रम्प के समर्थक और वोटिंग से दूर रहने वाले लोग जागरूक होकर फैसला लेंगे। मिशिगन में मिशेल ओबामा की यह हैरिस के लिए पहली प्रचार रैली थी। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी जॉर्जिया में हैरिस के साथ प्रचार कर चुके हैं। आगामी राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होना है।

पेंसिलवेनिया में एक चुनावी रैली में ट्रम्प ने हैरिस पर आरोप लगाया कि अगर उन्हें राष्ट्रपति चुना गया तो वे अमेरिका को तीसरे विश्व युद्ध में धकेल देंगी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जैसे वैश्विक नेताओं से निपटने में सक्षम नहीं होंगी। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रम्प ने कहा कि हैरिस को राष्ट्रपति बनाना लाखों लोगों की जान के साथ जुआ खेलने जैसा है। वह इस काम के लिए अक्षम हैं और इसीलिए हमारे बेटे-बेटियों को किसी अनजान देश में युद्ध के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका कभी भी तीसरे विश्व युद्ध के इतने करीब नहीं था।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका की चेतावनी को दरकिनार कर भड़का ईरान बोला- इजराइल को नहीं छोड़ेंगे

वॉशिंगटन। इजरायल और ईरान के बीच चल रही तनातनी फिलहाल कम होती नजर नहीं आ रही है। एक दूसरे पर हमला करके बदला लेने की बात करते हैं। दोनो ही देश अमेरिका की चेतावनी को भी नजर अंदाज करते हुए अपनी मनमानी कर रहे हैं। ईरान के ऊपर अमेरिका और अन्य देशों की चेतावनी का असर पड़ता नजर नहीं आ रहा है। वह इजरायल से बदला लेने पर अड़ा हुआ है। ईरान का कहना है कि वह अपनी रक्षा करने के लिए जरूरी कदम उठाएगा। ईरान के मुताबिक इजरायली हमले में उसके चार सैनिक मारे गए हैं। ईरान की धमकी के बाद मिडिल ईस्ट में बड़े पैमाने पर युद्ध का खतरा मंडराने लगा था। धमकी के बाद इजरायल ने कहा था कि अगर उसने हमलों का जवाब देने के बारे में सोचा भी तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसके बाद अमेरिका, जर्मनी और ब्रिटेन ने भी ईरान से कहा है कि वह संघर्ष को आगे न बढ़ाए। वहीं, ईरान ने जोर देकर कहा है कि उसे अपनी आत्मरक्षा का अधिकार है। ईरान का लेबनानी साथी हिजबुल्लाह भी उसके साथ सुर मिलाने लगा है।हिजबुल्लाह ने कहा है कि उसने पहले ही उत्तरी इजरायल में पांच आवासीय इलाकों पर रॉकेट लांच कर दिया है। इजरायली सेना का कहना है कि शनिवार को सीमा पर 80 प्रोजेक्टाइल फायर किए गए। हिजबुल्लाह ने बाद में इजरायल के एक दर्जन इलाकों को खाली कराने की चेतावनी जारी की। वहीं, इजरायली सेना ने दक्षिण बेरुत को लेकर भी ऐसी ही चेतावनी जारी की है। इस बीच ईरान पर इजरायल के हमले की कुछ सैटेलाइट तस्वीरें सामने आई हैं। इनमें नजर आ रहा है कि हमलों के दौरान ईरान के उन ठिकानों को निशाना बनाया गया, जहां वह बैलिस्टिक मिसाइल के लिए सॉलिड फ्यूल की मिक्सिंग करता है। यह बातें दो अमेरिकी शोधकर्ताओं के हवाले से कही गई हैं।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस को 6 माह की अतिरिक्त जेल

दुबई। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की मुश्किलें बढ़ने वाली है। उन्हें ईरान के

अधिकारियों ने 6 माह की अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई है। इस पर मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस के लिए अभियान चलाने वाले समूह फ्री नगरिस गठबंधन का बयान सामने आया है। संगठन ने कहा कि मोहम्मदी को 19 अक्टूबर को आदेशों की अवहेलना और विरोध करने के आरोप में 6 माह की अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई गई थी। शांति पुरस्कार जीतने वाली 19वीं महिला नरगिस नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली 19वीं महिला हैं, और 2003 में मानवाधिकार कार्यकर्ता शिरीन एबादी के बाद नरगिस दूसरी ईरानी महिला हैं। नरगिस ने ईरानी अधिकारियों की ओर से सलाखों और गिरफ्तारियों के पीछे सालों रहने के बावजूद अपनी सक्रियता जारी रखी है। फिलहाल उन्हें ईरान की एविन जेल में रखा गया है। बता दें कि इस जेल में राजनीतिक कैदी और पश्चिमी देशों से संबंध रखने वाले लोग रहते हैं, इसमें वे पहले से ही 30 महीने की सजा काट रही थीं, जिसमें जनवरी के 15 और महीने जोड़े गए थे। दरअसल नरगिस को 2021 में तब हिरासत में लिया गया था, जब उन्होंने गैसोलीन की कीमतों में वृद्धि के कारण 2019 में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन में मारे गए एक व्यक्ति के स्मारक में जाने की कोशिश की थी। सलाखों के पीछे रहने के बावजूद नरगिस का हौसला नहीं टूटा और उन्होंने एक अंग्रेजी अखबार के लिए एक ओपिनियन लिखा। उन्होंने अपने लेखों के दम पर ईरान सरकार को कई बार चुनौतियां दी हैं।

लिक्टमैन ने की भविष्यवाणी कहा- 2024 में कमला हैरिस बनेंगी राष्ट्रपति

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों की सटीक भविष्यवाणी करने के लिए प्रसिद्ध इतिहासकार एलन लिक्टमैन ने एक बार फिर 2024 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अपनी राय दी है। उनके अनुसार, इस बार कमला हैरिस चुनाव में विजेता बनकर उभरेंगी, भले ही डोनाल्ड ट्रम्प की लोकप्रियता में मजबूती बनी हुई है। लिक्टमैन ने कहा कि उनकी यह भविष्यवाणी द कीज टू द व्हाइट हाउस नामक प्रणाली पर आधारित है, जिसे उन्होंने 1981 में गणितज्ञ व्लादिमीर केलिस-बोरोक के साथ मिलकर विकसित किया था। इस पद्धति में 13 प्रमुख कारकों का विश्लेषण किया जाता है, जिनमें कांग्रेस में पार्टी की स्थिति, अर्थव्यवस्था की मजबूती, घोटाले, सामाजिक अस्थिरता और उम्मीदवार का करिश्मा शामिल है। लिक्टमैन के अनुसार, मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में आठ प्रमुख कारक हैरिस के पक्ष में हैं, जो उनकी जीत की संभावना को मजबूती से स्थापित करते हैं।

इजराइली हमलों में मिसाइल प्रोडक्शन यूनिट बर्बाद, ईरान बना पंगु

अगर ईरान जवाब देता है तो अमेरिका करेगा इजराइल का बचाव

तेहरान,27 अक्टूबर (एजेंसियां) ।
इजराइल ने शनिवार को ईरान पर हमला कर दिया। इजराइली सेना ने कहा कि उसने ईरान के मिलिट्री ठिकानों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया है। इजराइली हवाई हमलों ने ईरान की मिसाइल प्रोडक्शन यूनिट बर्बाद कर दिया है जो ईरान के लिए एक बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुतरबिक शनिवार सुबह ईरान के खिलाफ इजराइल के हमलों ने ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम की एक अहम यूनिट को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। रिपोर्ट में इजराइली सूत्रों ने बताया कि इजराइल ने लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए ठोस ईंधन का उत्पादन करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 12 प्लेनेटरी मिक्सर को ध्वस्त कर दिया, जो ईरान के मिसाइल शस्त्रागार का बड़ा हिस्सा बनाते हैं। ये मिक्सर बेहद एडवांस्ड उपकरण हैं जिन्हें ईरान खुद नहीं बनाता बल्कि ये चीन से खरीदे जाते हैं। इन इंडस्ट्रियल मिक्सर को बनाना और इन्हें निर्यात करना बहुत कठिन है। ईरान ने पिछले कुछ सालों में भारी कीमत पर कई मिक्सर आयात किए हैं। इजरायल ने कहा कि उसके हमले सटीक थे और उसका मकसद पूरा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इन हमलों से ईरान के मिसाइल भंडार को रिन्यू करने की क्षमता क्षतिग्रस्त हो गई है। रिपोर्ट में एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की है कि इजराइली हमले ने ईरान की मिसाइल उत्पादन क्षमता बर्बाद कर दी गई है। इजराइल के मुताबिक उसने ईरान के मिलिट्री ठिकानों पर हमले किए, पॉवर प्लांट को निशाना बनाया और ऑयल रिफायनरी पर भी धावा बोला है। इजराइली सेना ने दावा किया कि सारे हमलों को अंजाम देने के बाद उसके सभी विमान सुरक्षित लौट आए। हमलों के दौरान न सिर्फ इजराइल बल्कि अमेरिका ने भी ईरान को धमकी दी है। इजराइल ने कहा कि अगर ईरान जवाब देता है तो उसके पास अपने नागरिकों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। वह हमले और बचाव दोनों के लिए तैयार है। वहीं अमेरिका ने भी कहा कि वह स्थिति पर नजर रख रहा है ।

चकमा देने का बनाया प्लानः अब हमास चीफ की हत्या करना नहीं होगा आसान

तेल अवीव। इजरायल ने हमास के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई को तेज कर दिया है, और हाल के दिनों में उसने हमास के शीर्ष कमांडरों को निशाना बनाते हुए कई सफल हमले किए हैं। इस क्रम में इजरायली सेना (आईडीएफ) ने हमास के सुप्रीम लीडर याह्या सिनवार को भी मार गिराया है। सिनवार की हत्या के बाद, हमास के लिए नए नेता को चुनने की चुनौती सामने आ गई है। हमास ने एक नई रणनीति अपनाई है, जिससे इजराइल उनके नए नेता को पहचान न सके। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हमास में नए प्रमुख के चयन को लेकर चर्चा चल रही है। इसमें पांच प्रमुख उम्मीदवारों के नाम सामने आए हैं, जिनमें मोहम्मद दरवेश, खलील अल-हेया, मोहम्मद नज्जल और खालिद मेशाल शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि संगठन के भीतर अगला नेता नाम गुप्त रखने पर सहमति बनती जा रही है, ताकि नए नेता को इजरायल की नज़र से बचने का अधिक अवसर मिल सके। यह निर्णय इस उद्देश्य से लिया गया है कि हमास के नए नेता को काम करने का मौका मिले, बिना इजराइल के खतरों का सामना किए। इस्माइल हानिया की मौत के बाद, याह्या सिनवार को हमास का राजनीतिक प्रमुख नियुक्त किया गया था। हानिया की हत्या जुलाई में ईरान में हुई थी, जब वह एक समारोह में शामिल हुए थे। इजरायल के अनुसार, सिनवार 7 अक्टूबर 2022 को हुए हमले का मुख्य योजनाकार था, जिसमें लगभग 1200 लोग मारे गए और 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था। इजरायली रक्षा बलों ने सिनवार की मौत की आधिकारिक घोषणा की, जिसमें बताया गया कि वह दक्षिण गाजा के राफा में एक हमले में मारा गया। हमले के बाद इजरायल ने हमास के खिलाफ युद्ध की घोषणा की, और गाजा पट्टी पर हवाई हमले शुरू कर दिए।

चीन में बगैर कार्ड और मोबाइल के हथेली दिखाकर होने लगा भुगतान

बीजिंग, 27 अक्टूबर (एजेंसियां) ।
चीन में भुगतान प्रक्रिया और सहज हो गई है। यदि मोबाइल और कार्ड घर में रह गया तो भी आप भुगतान कर सकते हैं। इसके लिए केवल अपनी हथेली का उपयोग करना होगा। इस तरह का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ये वीडियो चीन के झुझौउ शहर का बताया जा रहा है। पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर राणा हमजा सैफ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इंस्टाग्राम वीडियो में दिख रहा है कि चीन ने कैसे हथेली लगाने भर से पेमेंट का सिस्टम डेवलप कर लिया है। इस क्लिप को झुझौउ में फिल्माया गया है। इसमें दिखता है कि सैफ और उसके दोस्त किराने की दुकान से खरीदारी करने के बाद अपनी हथेलियों का इस्तेमाल करते हुए पेमेंट कर रहे हैं। इस दौरान वे सभी हैरान रह जाते हैं और कहते हैं कि चीन तो 2050 में पहुंच गया है।

वीडियो क्रिएटर्स किराने की दुकान के अंदर जाते हैं। वहां से कुछ सामान लेते हैं और उनमें से एक शख्स पेमेंट के लिए अपने हथेली का इस्तेमाल करता है। डिवाइस पर हथेली रखते ही पेमेंट हो जाता है जिसमें ओके लिखकर भी आता है। साथ ही, दुकानदार इशारे में बोलता है कि पैसे मिल चुके हैं। ये देखकर सभी हैरान रह जाते हैं। एक और व्यक्ति इसी डिवाइस के जरिए पेमेंट करता है और उसके भी हथेली रखते ही भुगतान हो जाता है। यह देखकर क्रिएटर्स बड़े रोमांचिक होते हैं और चीन की इस मॉडर्न टेक्नोलॉजी की जमकर तारीफ करते हैं। वीडियो में दिख रहा है कि रात का वक्त है। सैफ बताते हैं कि रात के 2 बज रहे हैं और वे लोग इस वक्त चीन के झुझौउ शहर में हैं। सैफ के साथ 4-5 और लोग नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि वे यहां पर हथेली के जरिए होने वाला पेमेंट सिस्टम देखने आए हैं। इसके लिए आपको किसी कार्ड की जरूरत नहीं होती। अगर आप अपना मोबाइल भूल हो गए हों तो भी पेमेंट किया जा सकता है। हालांकि, उसके लिए आपको अपनी हथेली का प्रिंट पहले से रजिस्टर्ड कराना पड़ता है। यह सिस्टम आपको पूरे चीन में मिल जाएगा।

मेक्सिको में हादसा, बस ने पीछे से ट्रैक्टर ट्रेलर को टक्कर मारी,19 की मौत

मैक्सिको, 27 अक्टूबर ।
अंधी रफ्तार से जा रही बस ने ट्रैक्टर ट्रेलर में टक्कर मार दी। इस हादस में 19 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि मेक्सिको के केंद्रीय राज्य जकाटेकास में शनिवार को एक बस हाईवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

यह हादसा सुबह उस समय हुआ जब पीड़ितों को ले जा रही बस मक्का ले जा रहे एक ट्रैक्टर-ट्रेलर के पिछले हिस्से से जा टकराई। यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और ट्रैक्टर दोनों ही वाहन खाई में जा गिरे।

जकाटेकास के गवर्नर डेविड मोनरियल ने शुरुआती जानकारी में पहले 24 लोगों की मौत की सूचना दी थी, लेकिन राज्य के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने बाद में एक बयान में इस संख्या को संशोधित किया और बताया कि 19 लोगों की मौत हुई है जबकि 6 लोग घायल हैं। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि वह ट्रैक्टर-ट्रेलर के ड्राइवर को गिरफ्तार करने के प्रयास में जुटा है।

एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि शनिवार की सुबह हादसे के बाद खाई में गिरे कुछ शवों को निकालने के प्रयास जारी थे। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के अनुसार हादसे का शिकार हुई बस सिउदाद जुआरेज़ जा रही थी, जो अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर चिहुआहुआ राज्य में स्थित एक शहर है। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने यह भी बताया कि पीड़ितों में प्रवासी शामिल नहीं थे। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों में बचाव दल को घटनास्थल पर शवों को निकालते हुए दिखाया गया है।

तुवालू मात्र 12 किमी लंबा और 200 मीटर चौड़ा देश, अस्तित्व बचाने के लिए कर रहा संघर्ष

बढ़ता समुद्री जलस्तर तुवालू के लिए बड़ा संकट बनकर उभरा

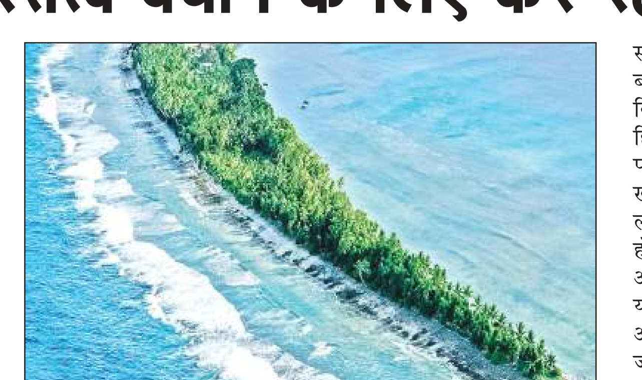

पर्थ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां) ।
प्रशांत महासागर में हवाई और ऑस्ट्रेलिया के बीच स्थित पोलिनेशियाई द्वीपीय देश तुवालू दुनिया में एक खास पहचान रखता है। इस देश की कुल लंबाई मात्र 12 किमी है और चौड़ाई 200 मीटर है। आपको यह जानकार हैरानी होगी कि यहां पर मात्र एक एयरपोर्ट, हॉस्पिटल और पुलिस थाना है। इस देश की राजधानी फनाफुटि है। यहां पर तुवालुआन और ऑस्ट्रेलियाई डॉलर करेंसी के रूप में चलते हैं। इसके पड़ोसी देश किरिबाती और फिजी हैं। यहां की कुल आबादी 12,373 है। तुवालू की खोज 1568 ईस्वी में हुई थी। बाद में ब्रिटेन ने इसके ऊपर अपना दावा पेश किया। एक अक्टूबर 1978 में तुवालू को यूनाइटेड किंगडम से आजादी मिली। यहां पर संसदीय लोकतंत्र और संवैधानिक राजशाही है। यह अभी भी ब्रिटिश शासन के तहत आता है और यहां पर गवर्नर जनरल का शासन चलता है। अगर कुल क्षेत्रफल की बात करें तो तुवालू मात्र 26 वर्गकिमी में फैला है। विश्व बैंक के मुताबिक 2016 में तुवालू की कुल जनसंख्या 11,097 थी। पर करीब 91 फीसदी लोग नास्तिक हैं और अन्य ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। समुद्र में समा रहा है तुवालू साल 2021 में नौ नवंबर को यहां के तत्कालीन विदेश मंत्री सिमोन कोफे ने घुटने तक पानी में खड़े होकर स्पीच दी थी। इसके साथ ही उन्होंने तुवालू के समुद्र में समाने के दर्द को सामने रखा था। यह देश कुल नौ छोटे-छोटे आइलैंड्स से मिलकर बना है। बढ़ता समुद्री जलस्तर तुवालू के लिए बड़ा संकट बढ़ता समुद्री जलस्तर तुवालू के लिए सबसे बड़ा संकट है। नासा का अनुमान है कि साल 2050 तक यहां के कई हिस्से ज्वार में डूब जाएंगे। समुद्री पानी के चलते अब यहां पर फसलें खराब होने लगी हैं। इसके चलते लोगों के सामने खाने का संकट पैदा होने लगा है। इसके लिए यहां पर अलग इंतजाम किया जा रहा है। खेती योग्य जमीन को बढ़ाया जा रहा है और इसके लिए समुद्री दीवारें बनाई जा रही हैं। तुवालू के लिए सबसे बड़ी आशा की किरण ऑस्ट्रेलिया है जो उसके लिए प्रवास का रास्ता बना रहा है। मनमोह लेती है यहां की खूबसूरती प्राकृतिक नजारों और चारों ओर से घिरे समुद्र की खूबसूरती मन को मोहने वाली है। इसके बावजूद यहां पर टूरिस्ट बहुत कम ही आ पाते हैं। हर साल औसतन 2000 टूरिस्ट तुवालू देश पहुंचते हैं। यहां कम लोगों के आने की सबसे बड़ी वजह है यहां पर ताजे पानी की कमी। ताजे पानी का सबसे बड़ा स्रोत यहां पर बरसात है।

कोलेस्ट्रॉल को कुछ मायनों में माना जाता है विलेन, एलडीएल का बढ़ना माना जाता है अच्छा

वॉशिंगटन,24 अक्टूबर (एजेंसियां) ।
हेल्थ एक्सपटर्स की माने तो कोलेस्ट्रॉल लिवर और आंत को सुचारु रूप से चलाने के लिए रसायनों का उत्पादन करता है। शरीर में इतने महत्वपूर्ण काम करने के बावजूद कोलेस्ट्रॉल को कुछ मायनों में विलेन माना जाता है। दरअसल कोलेस्ट्रॉल वसा का एक प्रकार है जिसे लाइपोप्रोटीन कहते हैं। लाइपोप्रोटीन दो तरह के होते हैं-लो डेंसिटी लाइपोप्रोटीन और हाई डेंसिटी लाइपोप्रोटीन । एक तरफ एलडीएल का बढ़ना अच्छा माना जाता है तो वहीं दूसरी तरफ एचडीएल का बढ़ना हमारे शरीर के लिए बहुत बुरा माना जाता है। एचडीएल को ही विलेन या बैड कोलेस्ट्रॉल माना जाता है। एलडीएल ज्यादा होने पर खून की धमनियों में जमा होने लगता है जिससे हार्ट की बीमारी का जोखिम बढ़ जाता है। तो आइए जानते हैं कि व्यक्ति में एचडीएल या एलडीएल कितना होना चाहिए।माइ क्लेवलैंडक्लिनिकके मुताबिक उम्र और लिंग के हिसाब से कोलेस्ट्रॉल का स्तर उपर नीचे हो सकता है। एक सामान्य व्यक्ति जिसकी उम्र 19 साल से कम है उसमें टोटल कोलेस्ट्रॉल का सामान्य स्तर 170 से नीचे होना चाहिए। वहीं ऐसे व्यक्ति में नॉन- एचडीएल 120 से नीचे, एलडीएल 110 से नीचे और एचडीएल 45 से ज्यादा होना चाहिए। लेकिन अगर व्यक्ति की उम्र 20 साल से ज्यादा है तो टोटल कोलेस्ट्रॉल 125 से 200 के बीच, नॉन-एचडीएल 120 से नीचे, एलडीएल 100 से नीचे होना चाहिए। वहीं एचडीएल 60 या इससे ज्यादा होना चाहिए। जन्म के समय बेबी गर्ल को बेबी ब्यॉय की तुलना में गुड कोलेस्ट्रॉल की अधिक आवश्यकता होती है। बेबी ब्यॉय को जहां एचडीएल की 40 से अधिक की जरूरत होती है वहीं बेबी गर्ल को 50 से अधिक गुड कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है। कोलेस्ट्रॉल के स्तर को मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर में मापा जाता है। एक सामान्य व्यक्ति में अगर टोटल कोलेस्ट्रॉल का स्तर 240 या इससे ज्यादा हो तो यह बेहद खतरनाक माना जाता है। जहां तरह यदि गुड कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल पुरुषों में 40 से कम हो जाता है और महिलाओं में 50 से कम तो यह बहुत खतरनाक संकेत हो सकता है। डॉक्टरों के मुताबिक टोटल कोलेस्ट्रॉल का स्तर अगर 200 से 239 के बीच है तो यह जोखिमपूर्ण संकेत है। वहीं एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर यदि 100 से 159 के बीच है तो समझना चाहिए कि यह किसी बीमारी के खतरे की घंटी है। एक सामान्य पुरुष में यदि गुड कोलेस्ट्रॉल या एचडीएल का स्तर 40 से 59 के बीच हो और महिलाओं में 50 से 59 के बीच हो तो यह भी जोखिमपूर्ण है। यानी आप हाई रिस्क में हैं। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। कोलेस्ट्रॉल शरीर में पाए जाने वाली वसा है जो कई हार्मोन को बनाती है। कोलेस्ट्रॉल शरीर में कैल्शियम का अवशोषण भी करता है। अगर कोलेस्ट्रॉल शरीर में न रहे तो हम ज्यादा दिनों तक जिंदा ही नहीं रह पाएंगे। कोलेस्ट्रॉल शरीर में टेस्टोस्टेरोन, एस्ट्रोजेन हार्मोन सहित कई हार्मोन को बनाता है।

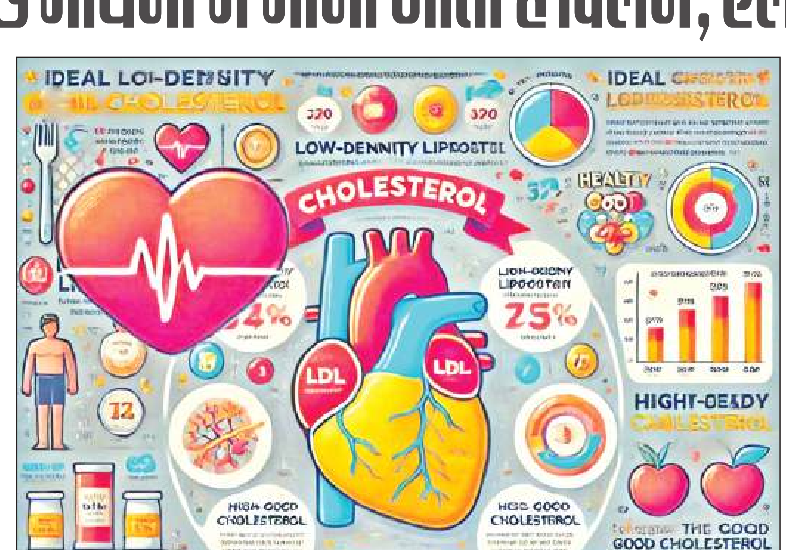

जम्मू कश्मीर का हाल

10 महीने में मारे गए 52 आतंकी 53 सुरक्षाकर्मी व नागरिक मरे

पिछले साल इस अवधि में आतंकी ज्यादा मरे थे, नागरिक कम

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 27 अक्टूबर। पिछले 10 महीनों में जम्मू कश्मीर में कुल मारे गए 106 लोगों में अगर 52 आतंकी थे तो उतने ही सुरक्षाकर्मी और नागरिक भी शामिल थे। यह 25 अक्टूबर तक का आंकड़ा है। जबकि पिछले साल इसी अवधि में कुल 108 लोग मारे गए थे।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस साल जो 52 आतंकी मारे गए उनमें से 23 को जून और जुलाई में ही ढेर किया गया है। इनमें से 11 को जून तथा 12 को जुलाई में मार गिराया गया है। अधिकतर को घुसपैठ करते समय मारा गया था। अगर पिछले साल का आंकड़ा भी देखें तो सबसे अधिक आतंकी जून और जुलाई में ही मारे गए थे। आंकड़ों के बकौल, पिछले साल जून में 14 और जुलाई में 9 आतंकी मारे गए थे। अधिकारियों का कहना था कि इन दो महीनों में अधिकतर आतंकी इसलिए मारे जाते रहे हैं क्योंकि पाक सेना की ओर से घुसपैठ के प्रयासों में तेजी लाई जाती रही है जिस कारण उन्हें एलओसी पर ही मार दिया जाता रहा है।

इस साल अभी तक 25 सुरक्षाकर्मी भी शहीद हुए हैं। पिछले साल से यह आंकड़ा ज्यादा है जब 10 महीनों में 11 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे। जबकि इस साल नागरिकों पर हमले भी बढ़े हैं जिस कारण 27 अक्टूबर तक की अवधि में 28 नागरिकों को आतंकियों ने मार डाला जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 11 था। जम्मू कश्मीर में इस साल जुलाइ महीने में सबसे अधिक आतंकी हमले भी हुए हैं जिसमें सबसे अधिक सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं।

इस जुलाई में सबसे ज्यादा हमले हुए

जम्मू 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस साल जुलाई महीने में सबसे ज्यादा आतंकी हमले हुए। 23 जुलाई को पुंछ में एनकाउंटर में एक जवान शहीद हुआ। जम्मू कश्मीर के पुंछ में एलओसी के पास बट्टाल सेक्टर में मंगलवार 23 जुलाई को सुबह करीब 3 बजे सेना और आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें लांस नायक सुभाष कुमार घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

22 जुलाई को शौर्य चक्र विजेता के घर आतंकी हमला, एक आतंकी ढेर हुआ। जम्मू के राजौरी के घोंधा में आतंकियों ने एक शौर्य चक्र विजेता के घर पर हमला किया। घटना सुबह 3.10 बजे हुई। हमले की खबर लगते ही 63 आरआर आर्मी कैंप से आई टुकड़ी ने जवाबी कार्रवाई की और एक आतंकी को मार गिराया।

18 जुलाई को कुपवाड़ा में सेना ने 2 आतंकियों को मार गिराया। कुपवाड़ा के केरन इलाके में सेना ने 2 आतंकियों को एनकाउंटर में मार गिराया। सेना को यहां कुछ आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली, जिसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसी दौरान आतंकियों-सेना के बीच मुठभेड़ शुरू हुई थी।

15 जुलाई को डोडा के डेसा इलाके में आतंकियों से मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन और पुलिसकर्मी समेत 5 जवान शहीद हो गए। डोडा के डेसा फोरेस्ट बेल्ट के कलां भाटा में रात 10.45 बजे और पंचान भाटा इलाके में रात 2 बजे फिर फायरिंग हुई थी।

14 जुलाई को एलओसी पर घुसपैठ के दौरान 3 आतंकी ढेर हुए।

कुपवाड़ा में एलओसी पर घुसपैठ के दौरान सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। इनके पास से पिस्तौल, गोला-बारूद बरामद किए गए। तीनों की पहचान का खुलासा नहीं किया गया।

8 जुलाई को कठुआ में आतंकी हमले में 5 जवान शहीद हुए। कठुआ जिले में आतंकियों के हमले में शहीद हुए पांचों जवान उत्तराखंड के थे। कठुआ में 8 जुलाई को आतंकियों के हमले में जूनियर कमीशंड ऑफिसर समेत 5 जवान शहीद हो गए। आतंकियों ने पहाड़ी से घात लगाकर सेना के ट्रक पर पहले ग्रेनेड फेंका, फिर स्नापर गन से फायरिंग की। सेना ने भी काउंटर फायरिंग की, लेकिन आतंकी जंगल में भाग गए।

7 जुलाई को राजौरी में सुरक्षा पोस्ट पर फायरिंग, आतंकी फरार: राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में आतंकियों ने एक आर्मी कैंप पर हमला कर दिया। इसमें एक जवान घायल हुआ था है। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद आतंकी घने जंगल के रास्ते भाग गए। सेना और पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

7 जुलाई को ही कुलगाम में 6 आतंकी ढेर हुए लेकिन 2 जवान भी शहीद हो गए। कुलगाम के मुदरघम और चिन्निगम फ्रिसल में एनकाउंटर में 6 आतंकी मारे गए। एनकाउंटर में दो जवान भी शहीद हुए। मुदरघम में एक-दो आतंकियों और चिन्निगम फ्रिसल में एक और आतंकी के छिपे होने की संभावना थी। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी ने बताया कि हमले में स्थानीय आतंकियों भी शामिल थे।

अमृतसर में 105 किलो हेरोइन व छह हथियारों समेत दो गिरफ्तार

अमृतसर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने तुर्की-आधारित ड्रग तस्कर नवप्रीत सिंह उर्फ नव भुल्लर के दो सहयोगियों को 105 किलो हेरोइन और पांच विदेशी पिस्तौल एवं एक देशी पिस्तौल समेत छह हथियारों के साथ गिरफ्तार करके सीमा पर तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान नवजोत सिंह निवासी बाबा बकाला, अमृतसर और लवप्रीत कुमार निवासी काला संघिया, कपूरथला के रूप में हुई है।श्री यादव ने बताया कि हेरोइन की बड़ी खेप बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से 31.93 किलो कैफीन एनहाइड्रस और 17 किलो डेक्स्ट्रोमेथॉर्फ़न (डीएमआर) सहित बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं भी बरामद की हैं। उन्होंने आगे कहा कि जांच में पता चला है कि आरोपी व्यक्ति हेरोइन की मात्रा को चार गुना बढ़ाने के लिए इन प्रतिबंधित दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। इस ऑपरेशन की जानकारी देते हुए

डीजीपी ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर की टीम को सूचना प्राप्त हुई थी कि विदेशी तस्कर नवप्रीत सिंह उर्फ नव भुल्लर अपने साथियों के जरिए पाकिस्तान आधारित सीमा पार से ड्रग तस्करी का रैकेट चला रहा है। यह भी पता चला था कि उसके साथी कोलोनी लेडी रोड, बाबा बकाला में किराए के मकान में रह रहे हैं। मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए बाबा बकाला इलाके में डीएसपी सीआई अमृतसर बलबीर सिंह की निगरानी में एक विशेष नाका लगाकर आरोपी नवजोत सिंह और लवप्रीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया और उनकी फॉक्सवैगन वर्टस कार (पीबी02-डीवाई-3031), जिसमें वे सफर कर रहे थे, से 7 किलो हेरोइन बरामद की और इसे भी जब्त कर लिया।

डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के बयानों के आधार पर पुलिस टीमों ने उनके किराए के निवास से बाकी 98 किलो हेरोइन सहित हथियार, कैफीन एनहाइड्रस और डीएमआर बरामद की। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों की खेप की तस्करी के लिए इस्तेमाल किए गए रूट की भी जांच की जा रही है। इस मामले में पिछले और अन्य संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है और पुलिस टीमों द्वारा नशे के कारोबार में शामिल अन्य अपराधियों को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अंतरराज्यीय नार्को तस्कर को पकड़ा

जम्मू, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को उधमपुर जिले में पोस्ता भूसी के साथ एक अंतरराज्यीय नार्को तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा, पुलिस टीम ने राउंडोमेल में नाका पॉइंट पर वाहन चेकिंग के दौरान एक ट्रक को रोका और तलाशी के दौरान, वाहन से 9.680 किलोग्राम पोस्ता भूसी वाला एक प्लास्टिक बैग बरामद किया। पुलिस ने बताया कि चालक की पहचान अवतार सिंह निवासी रामदास जिला, तहसील अमृतसर, पंजाब को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जनजाति समाज के क्रांतिकारियों का देश के अस्तित्व की रक्षा में अहम योगदान: यादव

इंदौर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजाति समाज के क्रांतिकारियों का देश के अस्तित्व की रक्षा में अहम योगदान रहा है। समाज के क्रांतिकारियों और महापुरूषों के व्यक्तित्व और कृतित्व को समाज में स्थापित किया जा रहा है।

डॉ. यादव आज यहां आयोजित भिलाला समाज समागम एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनजाति समाज की गतिविधियों के लिए जमीन उपलब्ध कराने और निर्मित की जा रही धर्मशाला के लिए 5 करोड़ रुपए दिये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारी टंट्या मामा की स्मृति में इंदौर संभाग में विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। जनजाति समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है इसके विकास के लिए कोई भी कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईमानदारी, कर्मठता, लगनशीलता एवं परिश्रम जनजाति समाज की विशेष पहचान है। इसी पहचान से समाज में अपना अलग स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज ने अपनी सांस्कृतिक विरासत एवं परंपराओं को सहज के रखा है। इस समाज ने जो प्राप्त है उसी को पर्याप्त मानकर आनंद से जीवन जीने की शैली अपनायी है। यह समाज कृषि एवं पशुपालन पर आधारित है। भोलापन भी इस समाज की विशेष पहचान रही है।

उन्होंने कहा कि वे इस भोलापन को कमजोरी नहीं बनने दें और किसी भी दुष्चक्र में नहीं आये। कुरीतियों से दूर रहें। अपनी सांस्कृतिक, विरासत और परम्परा को सहज कर रखें। बदलते दौर में इन्हें सुरक्षित जरूर रखें। जो समाज अपनी विरासत, परम्परा और संस्कृति से दूर होता है, वह कमजोर बन जाता है। जड़ों से जुड़े रहें, एक दूसरे को साथ लेकर आगे बढ़ें। आगे बढ़ने के लिए राज्य शासन द्वारा उन्हें हर संभव मदद दी जायेगी। डॉ यादव ने कहा कि जनजाति समाज के विकास के लिए बजट में बढ़ोतरी की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस समाज के समग्र विकास के लिए कारगर प्रयास किए जा रहे है। हाल ही में इंदौर-मनमाड़ रेल परियोजना स्वीकृत की गई है। यह परियोजना मालवा-निमाड़ क्षेत्र के चहुँमुखी विकास में बड़ी मददगार होगी। परियोजना जिन्दगी बदलने का माध्यम भी बनेगी। इस परियोजना से विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में बदला जाएगा। सिकलसेल जैसी घातक बीमारी से समाज को मुक्त करने के लिए पूरे प्रयास किए जा रहे है। समाज के शैक्षणिक और आर्थिक विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए अनेक योजनाएं और कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि समाज के लोग आगे आए और इन योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ लें। छात्रावासों की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे है। वे स्वयं भी छात्रावासों का दौरा कर व्यवस्थाओं को देखेंगे। डॉ यादव ने समाज के क्रांतिकारियों और महापुरूषों का जिक्र करते हुए कहा कि समाज में इनके कार्यों को जन-जन तक पहुंचाया जायेगा। आगामी 15 नवम्बर को बिरसा मुण्डा जंयती पर धार में विशाल कार्यक्रम होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा पूरी आस्था एवं हर्षोल्लास से की जायेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने समाज के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान भी किया। मुख्यमंत्री का स्वागत समाज की परंपरा के अनुरूप किया गया। उन्हें समाज के प्रतीक चिन्ह भी भेंट किए गए। डॉ यादव ने स्थानीय स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम स्थल पर लगे स्टाल से स्थानीय स्व-रोजगारी युवा से स्वेटर भी खरीदा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। इस समाज के विकास एवं कल्याण के साथ ही समाज की संस्कृति एवं परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भी लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

सत्ता के लिए इंडी गठबंधन के लोग गिद्धों की तरह लड़ रहे हैं : डॉ. रविंद्र राय

रांची, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रविंद्र राय ने कहा कि झारखंड में चुनाव अपने प्रारंभिक दौर के अंतिम छोर पर है और इस राज्य का निर्माण करने वाली भारतीय जनता पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरी है। श्री मरांडी ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि झारखंड को भाजपा ने बनाया है और झारखंड को भाजपा ही बचाएगी। इसका नवनिर्माण करेगी। एक तरह से भाजपा की राजनीतिक कोख से ही झारखंड का जन्म हुआ है। कुछ लोग आज भी यही कहते हैं और भ्रम फैलाते हैं कि झारखंड लड़कर लिया है। उन्होंने कहा कि जब तक झारखंड के लिए लड़ते रहे, तब तक झारखंड नहीं बना। झारखंड बनाने की जब सहमति हुई, तब झारखंड में लड़ाई समाप्त थी। उस वक्त झारखंड में आदिवासी, गैर आदिवासी

अगड़ा, पिछड़ा, दलित की सीमा बनाकर झामुमो और कांग्रेस ने भेदभाव पैदा किया। भाजपा ने उस भेदभाव की सीमा को मिटाकर राज्य में आम सहमति बनाई गई। उसके बाद झारखंड का निर्माण हुआ।

श्री राय ने कहा कि वैसे लोगों के दावे का खंडन करता हूं, जो कहते हैं लड़कर लिया झारखंड। भाजपा ने सहमति से झारखंड बनाया। आज भी उन सब प्रयोग से बिखराव और सामाजिक विभाजन की दुर्गंध निकलती है झारखंड में सामाजिक विभाजन के साथ किसी का अपमान नहीं किया जा सकता है भारतीय जनता पार्टी यहां पर समाज के सभी वर्ग सभी जाति समूह और हर वर्ग के अधिकार की रक्षा की बात करती है और सब के सम्मान की रक्षा करने की बात करती है। यह वादा करते हैं कि यहां इस राज्य में आदिवासी गैर आदिवासी दलित पिछड़ा वैसे यह स्वर्ण सभी के संवैधानिक अधिकार सबके सम्मान और सबकी रक्षा होगी। किसी के साथ कभी भी भेदभाव नहीं किया जा सकता है। झारखंड में यह वैमनस्य की भावना 2000 के पहले भी झामुमो और कांग्रेस करता था। यह लाल खंड तक की बात करते थे। खेत खलियान तक लूटते थे। उससे मुक्त करके भाजपा ने अटल जी के शासन में झारखंड का निर्माण कराया था।

डॉ राय ने कहा कि आज चुनाव के मौके पर झारखंड की जनता को संदेश देना चाहता हूं कि हमने झारखंड का निर्माण कराया है तो हमारी विशेष जिम्मेदारी जनता के प्रति है, इसका हमें एहसास है। उस जिमवारी का हम निर्वहन करना चाहते हैं। वर्तमान में जिस प्रकार के राजनीतिक विभाजन का काम हो रहा है, उससे राज्य को बचाने की जरूरत है। एक तरफ फिर से सांप्रदायिकता को बढ़ाने का काम कांग्रेस कर रही है। जातिवाद को फैलाने का काम आरजेडी कर रहा है। आदिवासी और गैर आदिवासी की भावना को भड़काने का काम झामुमो कर रहा है। झारखंड को झारखंडवासियों के लिए सुरक्षित रखने का काम करना चाहिए। सबके हितों की रक्षा करने की बात करनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। झारखंड में सबके मान सम्मान और अधिकार की सुरक्षा भारतीय जनता पार्टी करेगी। इसलिए समाज के सभी वर्ग के लोग भारतीय जनता पार्टी का दिल खोलकर कर साथ दें। उन्होंने दावे के साथ कहा कि झारखंड की जनता भाजपाई है। भाजपा झारखंड के लिए समर्पित है। दबे, कुचले और उपेक्षित लोग के लिए भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड अलग राज्य का निर्माण किया है। जो सपना भाजपा ने अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में देखा था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा कर रहे हैं। जब भी भाजपा का शासन यहां आया कानून व्यवस्था को कायम किया।

भारतीय सैन्य अधिकारियों के लिए आयोजित की गई अमरन की विशेष स्क्रीनिंग

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना के अधिकारियों और उनके परिवारों के लिए मेजर मुकुंद वरदराजन के जीवन पर आधारित आने वाली फिल्म अमरन की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई।

राष्ट्र के नायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए, फिल्म अमरन की टीम ने राजधानी दिल्ली में भारतीय सेना के

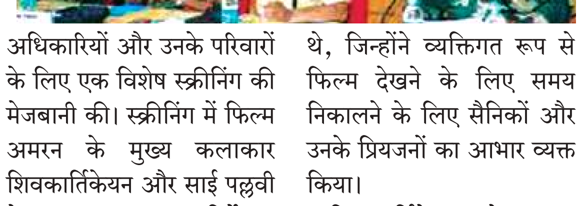

अधिकारियों और उनके परिवारों के लिए एक विशेष स्क्रीनिंग की मेजबानी की। स्क्रीनिंग में फिल्म अमरन के मुख्य कलाकार शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी के साथ-साथ निर्देशक राजकुमार पेरियासामी भी मौजूद थे, जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से फिल्म देखने के लिए समय निकालने के लिए सैनिकों और उनके प्रियजनों का आभार व्यक्त किया।

शिवकार्तिकेयन ने कहा, फिल्म अमरन भारतीय सेना में सभी को एक बड़ा सलाम है। मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि यह फिल्म सभी के लिए एक बड़ी श्रद्धांजलि होगी और यहां आने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। साई पल्लवी ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो आप सभी असली हीरो हैं, हम केवल आपके महान काम को बड़े दर्शकों तक पहुंचाने के साधन हैं। राजकुमार पेरियासामी ने कहा, अमरन मेरे लिए एक बहुत ही निजी फिल्म है। इसे देखना एक ऐसा अनुभव होगा जो हमेशा आपके साथ रहेगा। फिल्म अमरन का निर्माण दिग्गज अभिनेता कमल हासन ने आर. महेंद्रन और सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शन के साथ मिलकर किया है। राजकुमार पेरियासामी ने इसे लिखा और निर्देशित किया है। यह फिल्म फिल्म 31 अक्टूबर को दुनियाभर में रिलीज होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिला झुला रहेगा । कुछ कामों में रुकावटें आएंगी कुछ काम भी बनेंगे. मेहनत ज्यादा हो सकती है. जॉब बदलाव के योग बनेंगें , लेकिन सोच–समझकर फैसला लें. किसी काम या बात में जल्दबाजी करने से नुकसान हो सकता है. सेहत को लेकर सावधान रहें. आज कुछ नयी वस्तु खरीदारी के लिए बाजार जा सकते हैं पैसे सेविंग के लिए किसी ऐक्सपर्ट से सलाहमशवरा हो सकती हैं . निवेश या खर्चे को लेकर भी बातचीत हो सकती है. बच्चों का व्यवहार अच्छा रहेगा. दाम्पत्य जीवन मे मधुरता रहेगी

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

काफी समय से चल रही महनत आज रंग लाएगी नये कारखाने की नींव आप के हाथों से रखी जाएगी समझौते के रास्ते पर भविष्य में अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकते है. सामाजिक दायरे में सम्मान और प्रतिष्ठा हासिल करने के लिए दिन अनुकूल है. आपको योग्य लोगों के साथ संबंध स्थापित कर सकते हैं. पारिवारिक जीवन आरामदायक और शांतिपूर्ण रहेगा.आपको अपनी जीवन–शैली में सुधार करना चाहिए भविष्य मे संतुष्टि होगी .

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आप की अव्यवस्थित दिनचर्या और सुस्त और आलसी रवैया आप को सेहत संबंधी समस्या बना सकता हैं. आज दिनभर आप किसी न किसी मीटिंग में व्यस्त रहेंगे .आपके सुझावों को महत्त्व मिलेगा. और लाभकारी भी रहेंगे । आपके परिवार के प्रति आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी. कोई कोर्ट न्यायालय सम्बन्धित वाद–विवाद में आपकी विजय होगी. जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करेंगे.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज यात्रा का योग बन सकता हैं गुड़ धनिया का सेवन करके ही यात्रा पर प्रस्थान करें इससे आपको धन संबंधित फायदा हो सकता है. किसी काम की गति धीमी हो सकती है. इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ भी सकती है. परन्तु कार्य पूरे जरूर होंगे जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते बेहतर हो सकते हैं. दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्रोग्राम आपको कैंसिल करना पड़ सकता है. किसी के प्रति अपनी राय को अपने तक ही सीमित रखना चाहिए.. छोटे बच्चे को पार्क मे घूमने लेकर जाए खुशी का संचार होगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज सरकारी कामकाज मे दिक्कतें आ सकती हैं कोई पुरानी फाईल के काम मे अधिकारि आप का सहयोग नही करेंगे और आपको बिजनेस में सावधान रहना होगा. ऑफिस और बिजनेस में जो काम हाथ में लेंगे, उसमें सफलता की संभावना कम है. बिजनेस के मामलों में किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें. जल्दबाजी न करें. अकेलेपन से बचें. अधूरे काम पहले निपटाले में आज मिलने वाले पैसों को आने वाले समय के लिए बचा कर रखें.दाम्पत्य जीवन को अगर सुखी बनाना हो तो संयम बहुत जरूरी हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

काफी समय से चालू व्यापरिक गतिविधियों को मूर्त रुप देने का सही समय हैं पुश्तैनी जमीन जायदाद का झगड़ा सुलझ सकता हैं छात्रों को सफलता मिलेगी आर्थिक रूप से दिन समृद्ध है. आज आपकी मेहनत का फल आपको लाभ मिलेगा. आपका पारिवारिक–जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. रिश्तेदारों के साथ संबंध में काफी सुधार होगा. आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी राजनीति सफर भी सुखद रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज हनुमानजी को चमेली के तेल का चोला चढाए मनोकामना सिद्ध होंगी आपकी चिंता कम होगी और उसके कारण आपका मन खुश रहेगा. व्यावसायिक बाधाएं आएंगी. व्यापार मे प्रतिस्पर्धा बढेगी विवादो से दूर रहें आपका ध्यान परिवार और पैसे पर होगा. हर मौके का फायदा उठाने की कोशिश करें. आपके सारे काम आसानी से और समय पर निपट सकते हैं.पारिवारिक बातों को सोचकर ज्यादा संवेदनशील होने की आवश्यकता नही हैं यात्रा पर जाना चाहते हैं तो यात्रा फायदेमंद रहेगी.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपको धर्म के क्रियाकलापों मे समय व्यतीत करना चाहिए समय अनुकूल रहेगा. आप व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम कर सकते हैं. आपका कुछ अच्छा खाने का मन कर सकता है. घर–परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा. उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न हो सकते हैं. घर पर मेहमानों का आगमन हो सकता है. करियर में आपको कोई बड़ी सफलता हासिल हो सकती है. साथ ही आपका सकारात्मक रवैय्या करियर में आपको बेहतरी दिलायेगा.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप का स्वतंत्र व्यापार हैं , तो सोच विचार कर के ही निर्णय करें क्योंकि मुसीबतें आप का ही इन्तजार कर रही हैं नौकरीपेशा लोगों के काम में रुकावटें आ सकती है. कानूनी मामले उलझ सकते हैं. फालतू कामों में समय खराब होने के योग हैं. स्थान में बदलाव संबंधी कोई बात हो सकती है. कामकाज के सिलसिले में कहीं बाहर जाना पड़ सकता है अगर आप अविवाहित है तो विवाह सम्बन्ध के योग बनेंगे. सेहत के मामले में रिस्क नही लेना चाहिए .

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज पारिवारिक दृष्टि से और दाम्पत्य जीवन मे भी चीजें आप के प्रतिकूल होंगी परन्तु मित्रों और व्यापारिक प्रेम संबंध यथावत रहेंगे. समर्पित परिश्रम से आप वरिष्ठों को संतुष्ट कर सकते हैं. यदि आप अपना दृष्टिकोण बदल सकते हैं और ईमानदारी से काम कर सकते हैं तो. आपको आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है.योग और व्यायाम करें स्वास्थ्य ठीक रहेगा मौसमी बिमारियों से बचें रहेंगे अपने कार्यों मे गौ सेवा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप को वर्कलोड ज्यादा रहेगा जिससे दिमाग मे तनाव रहेगा स्वभाव मे झुंझलाहट रहेगी काम के बीच मे थोडा रैस्ट लेते रहें । नए काम को फिलहाल टाल दें लोगों के साथ आपका दुविधापूर्ण व्यवहार आपको मुश्किल में डाल सकता है. अपने जिद्दी स्वभाव को त्याग दें, नहीं तो किसी के साथ विवाद होने की संभावना है. आज आपको बेहतर मौके मिलेंगे खुद को स्वस्थ रखने के और फिजूल बातों से बचें. यात्रा पर जाने का आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज काफी समय के बाद खुशी होने का मौका हैं आपका दिन बढ़िया रहेगा. आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता हो सकती है. नौकरी पेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिल सकते हैं. आज परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं. आपको व्यापार में मुनाफा हो सकता है. आपका स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा. दाम्पत्य जीवन में सलाह–मशविरा से आगे बढ़ना होगा . स्टूडेंट्स को अपने सब्जेक्ट में आ रही प्रॉब्लम्स का हल मिल सकता है. आप को अपने दैनिक पूजा पाठ मे हनुमान चालीसा का अनुष्ठान करना चाहिए पदोन्नति और सफलता मिलती रहेगी ।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 28 अक्टूबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी प्रात: 07:53 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी दोपहर 03:24 तक
योग : ब्रह्म प्रात: 06:46 तक
करण : बालव प्रात: 07:53 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 10:11 तक
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12 सूर्यास्त 05:54 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 05:46 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 05:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– रमा एकादशी व्रत, गोवत्स द्वादशी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पानीपत मैराथन ने रचा इतिहास, सीएम सैनी ने दिखाई हरी झंडी

चंडीगढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पानीपत के सेक्टर 13-17 के रूट मैप पर रविवार सुबह पानीपत मैराथन ने ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। इसमें हजारों बुजुर्गों, बच्चों, महिलाओं, दिव्यांगों ने भाग लिया। मैराथन को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तीन वर्गों में मैराथन दौड़ हुई। इसमें पांच, दस और 21 किलोमीटर में धावकों ने दौड लगाई।

जिसमें 21 किलोमीटर दौड़ में प्रथम रहने वाले विजेता को 1.21 लाख का इनाम, 10 किलोमीटर में प्रथम रहने वाले विजेता को एक लाख और पांच किलोमीटर में भी प्रथम स्थान पर आने वाले धावक को एक लाख का इनाम दिया गया। इसके अलावा दूसरे, तीसरे स्थान पर रहने वाले धावकों को भी सम्मानित किया गया। सीएम के साथ मैराथन में मंत्री कृष्ण लाल पंवार, महिपाल ढांडा, विधायक मनमोहन भडाना और प्रमोद विज भी शामिल रहे। मैराथन कार्यक्रम स्थल पर बनाए गए स्टेज पर कलाकारों ने प्रस्तुति दी। इसमें ओलंपिक विजेता अमन व नवदीप भी मौजूद रहे। मैराथन स्थल सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रहा। 20 के करीब स्वागत द्वार बनाए गए थे। आठ एलईडी से लोग मैराथन का लुत्फ उठा रहे थे।

श्री सैनी ने कहा कि इस मैराथन का उद्देश्य सबको फिटनेस के प्रति जागरूक करना और साथ ही नागरिकों में प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विजेताओं को सम्मानित किया और उपस्थित युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि वह 21 से 10 किलोमीटर और 5 किमी की मैराथन के सभी विजेताओं के साथ ही इनमें भाग लेने वाले हर नागरिक को बधाई देता हूं। ऐसे आयोजनों में भाग लेना पूरे समाज को एक शुभ संदेश देता है और इससे सब नागरिकों, विशेषकर बच्चों व युवाओं को प्रेरणा मिलती है। प्रधानमंत्री के फिट इंडिया मिशन को आगे बढ़ाने के लिए हमने हरियाणा में मैराथन, खेल, योग और राहगिरी को निरंतर बढ़ावा दिया है।

श्री सैनी ने प्रशासन और सभी संस्थाओं का इस सफल आयोजन के लिए आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री मैराथन के धावकों के साथ खुली गाड़ी में दूर तक गए व संस्थाओं द्वारा लगाये गये विभिन्न स्टालों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इस सफल आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि यह कार्यक्रम अपने उद्देश्य में निश्चित रूप से सफल रहेगा। मैराथन में पहुंचे युवाओं ने खूब धूम मचाई व अपने उत्साह व जोश का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि मैराथन में स्कूल–कालेजो के बड़ी संख्या में विद्यार्थी, युवा खिलाड़ियों के अलावा पुलिस के जवानों ने भी भाग लिया। मैराथन में भाग लेने वाले बुजुर्गों में भी जोश देखने को मिला। 60 साल की आयु पार कर चुके वरिष्ठ नागरिकों ने भी खूब दौड़ लगाई। उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति नागरिकों की जागरूकता की भावना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही हर्ष का विषय है आज पूरे पानीपत ने दौड़ लगाई है। ऐसी दौड़ जिसमें उत्साह, उमंग, खुशी और मिलकर चलने की प्रेरणा साफ नजर आई। उन्होंने इस मैराथन में नॉन स्टॉप हरियाणा–नॉन स्टॉप जुनून के साथ दौड़ने वाले युवाओं के उत्साह को सलाम किया।

सीएम नायब सैनी ने हरिद्वार में संतों से मांगा प्रदेश के विकास के लिए आशीर्वाद

चंडीगढ़/हरिद्वार, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को उत्तराखंड के हरिद्वार में पतंजलि योगपीठ में संचालित आचार्यकुलम के 12वें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में प्रदेश के विकास के लिए संतों से आशीर्वाद मांगा। श्री सैनी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को धनतेरस, दीपावली, अन्नकूट, भैया दूज और छठ पर्व की बधाई देते हुए कहा कि मैं हरि के प्रदेश से हरि दे द्वार आया हूं। संतों के बीच उपस्थित होना मेरा सौभाग्य है। उन्होंने संतों से आग्रह किया कि वे उन्हें अपना आशीर्वाद दें जिससे वे हरियाणा में विकास के नए आयाम स्थापित कर सके। उन्होंने कहा कि पतित पावनी मां गंगा के तट पर आकर मेरा उत्साह बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि मैं यहां से नई ऊर्जा और चेतना लेकर जा रहा हूं, जिससे अपने प्रदेश का और तेज गति से विकास कर सकूंगा।

उन्होंने आयुर्वेद और योग की पुनर्स्थापना के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए योग गुरु बाबा रामदेव को साधुवाद देते हुए कहा कि हरियाणा सरकार योग और आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हरियाणा की लगभग 6500 पंचायतों में व्यायामशालाएं स्थापित करने का कार्य सरकार ने किया है। हरियाणा सरकार ने गांवों में वेलनेस सेंटर स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की युवा पीढ़ी को योग की तरफ आकर्षित करने के लिए योग शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। हरियाणा में योग को पहली से दसवीं कक्षा तक अनिवार्य किया गया है। कुरुक्षेत्र में श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना हो गई है। पंचकूला में बड़ा चिकित्सा केंद्र और झज्जर जिले में एक अनुसंधान केंद्र स्थापित किया गया है। हरियाणा में योग को बढ़ावा देने के लिए योग आयोग की स्थापना की गई है। प्रदेश में 506 आयुर्वेदिक औषधालय/आयुष्मान केंद्र बनाए गए हैं। इस मौके पर स्वामी रामदेव ने हरियाणा में हरिद्वार से भी बड़ा आचार्यकुलम स्थापित करने की घोषणा की। इसके बाद श्री सैनी ने आचार्यकुलम स्थापित करने में हर संभव सहयोग देने की बात करते हुए कहा कि हरियाणा में हरिद्वार से बड़ा आचार्यकुलम स्थापित करने की पतंजलि योग संस्थान की योजना हरियाणा की दो करोड़ अस्सी लाख जनता के लिए गर्व की बात है।

विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण का करनाल में भव्य स्वागत

घरौंडा सीट से लगातार तीसरी बार जीत की है हासिल

करनाल, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष बनने के बाद घरौंडा के विधायक हरविंद्र कल्याण का करनाल में कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। रविवार को चंडीगढ़ से करनाल आने के दौरान जगह–जगह कार्यकर्ताओं ने उनके स्वागत के लिए इंतजाम किए थे। नीलोखेड़ी, तरावड़ी, और अन्य गांवों में स्वागत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां हरविंद्र कल्याण ने कार्यकर्ताओं के बीच रुककर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

करनाल स्थित भाजपा कार्यालय कर्ण कमल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष ब्रज गुप्ता की अगुवाई में उनका भव्य स्वागत किया। गौरतलब है कि हरविंद्र कल्याण ने घरौंडा विधानसभा सीट से लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है और वे क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। कल्याण रोड़ बिरादरी से आते हैं और उनके दादा चौधरी मुल्तान सिंह 1966 व 1967 में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रह चुके हैं। समर्थकों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हरविंद्र कल्याण ने कहा कि उनकी सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास के पथ पर तेज़ी से आगे बढ़ेगी और सभी को न्याय मिलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं के समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए उन्हें विकास कार्यों में सक्रिय सहयोग देने का आश्वासन दिया।

हरियाणा में इस बार कम जली पराली

पिछले वर्ष के मुकाबले 60 फीसदी की कमी : कृषि मंत्री श्याम सिंह

चंडीगढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

फसल अवशेष में आगजनी व प्रबंधन की घटनाओं को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में चार राज्यों हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश व दिल्ली के कृषि मंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शनिवार को बैठक हुई। प्रदेश के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने रोहतक से इस बैठक में भाग लिया। इस दौरान सभी चार राज्यों में पिछले वर्ष की तुलना में वर्तमान समय पर फसल अवशेष में आगजनी की घटनाओं के बारे विचार–विमर्श किया गया। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि प्रदेश में पिछले वर्ष के मुकाबले पराली जलाने के मामलों में 60 फीसदी की कमी आई है।

श्याम सिंह राणा ने बताया कि पराली जलाने के मामलों में कमी आने की मुख्य वजह हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की कार्यप्रणाली है। राज्य सरकार द्वारा किसानों को पराली न जलाने के बारे ग्राम स्तरीय, खंड स्तरीय, जिला स्तरीय, पाठशाला कार्यक्रमों, प्रिंट मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूक किया गया है। किसानों को पराली प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन राशि व सब्सिडी पर कृषि यंत्र भी उपलब्ध करवाए गए। उन्होंने कहा कि वह भी एक किसान हैं और उन्होंने स्वयं अपने खेत में पराली को कृषि यंत्रों के माध्यम से मिट्टी में मिलाकर उसका प्रबंधन किया है।

कृषि मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार पराली जलाने की घटनाओं के बारे में पूरी तरह से सतर्क है। राज्य ने ग्राम स्तरीय, खंड स्तरीय व जिला स्तरीय टीमों के माध्यम से पूर्ण निगरानी रखे हुए हैं। उन्होंने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट को विश्वास दिलाते हुए कहा कि भविष्य में पराली जलाने की घटनाओं पर काबू पाने के लिए कृषि विभाग व जिला प्रशासन के द्वारा और ज्यादा प्रयास किया जाएगा। बावजूद इसके पराली जलाने वाले किसान पर जुर्माना लगाने, एफआईआर दर्ज करवाने के साथ मेरी फसल–मेरा ब्योरा में रेड एंट्री होगी। प्रदेश में पराली जलाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद किसानों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। शनिवार को पराली जलाने के 9 नए मामले आए है, जबकि 13 किसानों की रेड एंट्री हुई है। इसके अलावा 13 किसानों की एफआईआर दर्ज की गई है। शनिवार को प्रदेश में पराली जलाने के पांच मामले आए है। अब तक प्रदेश में पराली जलाने के कुल मामले 799 हो चुके हैं, जबकि 432 किसानों की मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर रेड एंट्री हो चुकी है। ये किसान दो सीजन तक अपना फसल एमएसपी पर मंडियों में नहीं बेच सकेंगे। इसके अलावा कुल 197 किसानों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज हो चुका है।

नकली नोट चलाने की फिराक में घूम रहे पांच युवक गिरफ्तार

दो सौ रुपए के 27 नकली नोट बरामद

भीलवाड़ा, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जिले में कारोई थाना पुलिस ने रविवार को नकली नोटों के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी के दौरान एक ऑल्टो कार से 200 रुपए के 27 नकली नोट बरामद किए हैं। पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग सहित कुल पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। ये युवक नकली नोट चलाने की फिराक में भीलवाड़ा जिले में घूम रहे थे। फेस्टिव सीजन में दीपावली की खरीददारी के बीच नकली नोटों का बाजार में प्रसार रोकने के प्रयास में पुलिस ने नेशनल हाईवे पर नाकाबंदी कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

भीलवाड़ा की कारोई थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ युवक एक ऑल्टो कार में 200 रुपये के नकली नोट लेकर क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी लक्ष्मीनारायण के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नाकाबंदी शुरू की। इसी दौरान गंगापुर की ओर से एक संदिग्ध कार आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने कार को रोककर उसमें बैठे लोगों से पूछताछ की और तलाशी ली, जिसमें 200 रुपये के 27 नकली नोट और 2150 रुपये की असली करंसी बरामद की गई। पुलिस ने इस मामले में रवि निगम पिता ओमप्रकाश निगम, प्रद्युमन सिंह पिता रणजीत सिंह, गौतम सिंह पिता विक्रम सिंह, हर्षवर्धन सिंह पिता गजराज सिंह को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया गया है। सभी आरोपियों से नकली नोट कहां से लाए गए थे और इन्हें कहां–कहां चलाने की योजना थी, इस बारे में उनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने जनता से अपील की है कि फेस्टिवल सीजन में नकली नोटों के प्रसार की आशंका बनी रहती है। इसलिए खरीददारी करते समय नकली नोटों से बचने के लिए विशेष सावधानी बरतें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। कारोई थाना पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। पुलिस को उम्मीद है कि इन आरोपियों से पूछताछ में नकली करंसी के पूरे गिरोह का पर्दाफाश हो सकता है। कारोई थाना प्रभारी लक्ष्मीनारायण गुर्जर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गंगापुर की ओर से एक कार में कुछ लोग नकली नोटों को बाजार में चलाने की योजना बना रहे हैं।

बालिकाएं है देश के भविष्य का पथ प्रदर्शक : दिया कुमारी

अजमेर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बालिकाओं को भारत के भविष्य में समाज की पथ प्रदर्शक बताते हुए कहा है कि वे रचनात्मकता के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होती है और यह परिवर्तन समाज को नई दिशा देगा।

श्रीमती दिया रविवार को यहां मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह बोल रही थी। उन्होंने कहा कि बालिकाएं देश के भविष्य को आकार देने वाली बनेगी। उन्होंने कहा कि छात्राएं भारत के भविष्य में समाज की पथ प्रदर्शक बनेगी। इनके द्वारा अपनी मेधा एवं नैतिकता के बल पर देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाएगी। इनके द्वारा प्रदेश और देश का नाम रोशन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेयो गर्ल्स स्कूल की अपनी पहचान है। इसका ऐतिहासिक पक्ष उज्ज्वल रहा है। आज की तेजी से बदलती दुनिया में बालिकाओं में आवश्यक कौशल को विकसित करना आवश्यक है। आज की युवा पीढ़ी पूरी क्षमता के साथ अपनी महत्वाकांक्षा को पूर्ण करने में लगी है।

उन्होंने कहा कि बालिकाओं द्वारा कई नए वैकल्पिक कैरियर आरंभ किए गए हैं। इसे देश भविष्य में नई दिशा में आगे बढ़ेगा। युवतियां अब भारतीय महिला के पौराणिक सम्मान को पुनर्स्थापित करने के लिए सशक्त होकर कार्य कर रही है। वे अब आधुनिक जीवन मूल्यों को अपनाते हुए अपनी विरासत पर गर्व करने के लिए तत्पर रहने लगी है। बालिकाएं सामाजिक रूप से जिम्मेदार होने के साथ भारतीय संस्कृति को भी आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। दिया कुमारी ने मीडिया कर्मियों से वार्तालाप करते हुए कहा कि पुष्कर मेला हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। इसको यादगार बनाने के लिए पर्यटन विभाग पूरा प्रयास कर रहा है। मेले में पशुओं की आवक बढ़ाने के लिए समस्त क्षेत्रों का सहयोग लिया जा रहा है। पुष्कर मेला अपनी पूरी वैभवता के साथ आयोजित होगा। इसे भव्य, आकर्षक तथा शानदार बनाया जाएगा।

पुरस्कार वितरण समारोह में मेयो कॉलेज जनरल काउंसिल के अध्यक्ष पूर्व महाराजा गज सिंह जोधपुर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अकादमिक क्षेत्र तथा व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। मीरां सदन की जीविका निशांत गुप्ता को वर्ष 2025–26 के लिए स्कूल कप्तान चुना गया।

चम्बल प्रदूषण मामले में तीन उद्योगों को एनजीटी ने थमाए नोटिस

बारां, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में कोटा के तीन उद्योगों को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) सेन्ट्रल जोनल बैच भोपाल के न्यायाधिपति शिवकुमार सिंह न्यायिक सदस्य एवं डॉ. ए. सेंथिल विशेषज्ञ सदस्य की बैच ने पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोटा के तीन उद्योगों को प्रदूषण फैलाने में आवश्यक पक्षकार मानते हुए नोटिस जारी करके नौ जनवरी तक जवाब मांगा है।

एनजीटी ने मैसर्स डीसीएम श्रीरामनगर कोटा, मैसर्स श्रीराम रेयॉन्स श्रीराम नगर कोटा एवं मैसर्स कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन सकतपुरा कोटा को विपक्षी पक्षकार कायम करने पर स्वीकृति प्रदान की है। श्री जाजू ने रविवार को बताया कि एनजीटी सेन्ट्रल जोनल बैच, भोपाल में निर्णित हो चुकी याचिका पर एनजीटी भोपाल बैंच ने गंदे नालों को देश की एकमात्र घड़ियाल संेचुरी चम्बल में जाने से रोककर नालों के पानी को एसटीपी प्लांट लगाकर पानी को साफ करके ही चम्बल में छोड़े जाने के निर्देश दिये थे। जिस पर कोटा प्रशासन, स्थानीय निकायों और प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा एकमात्र

धनतेरस पर मां लक्ष्मी का पूजन देता है ऐश्वर्य, सौभाग्य और वैभव

कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धन की देवी के उत्सव का प्रारंभ होने के कारण इस दिन को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धनतेरस को धन त्रयोदशी व धन्वन्तरी त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस पर पांच देवताओं, गणेश जी, मां लक्ष्मी, ब्रह्मा,विष्णु और महेश की पूजा होती है। ऐसी मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय कलश के साथ माता लक्ष्मी का अवतरण हुआ उसी के प्रतीक के रूप में ऐश्वर्य वृद्धि, सौभाग्य वृद्धि के लिए बर्तन खरीदने की परम्परा शुरू हुई।

ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि औषधियों के जनक भगवान धनवंतरी की जयंती यानी धनतेरस का पर्व इस बार 29 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी का जन्म हुआ था, यही वजह है कि धनतेरस को भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है।भारतीय कैलेंडर के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धन की देवी के उत्सव का प्रारंभ होने के कारण इस दिन को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धनतेरस को धन त्रयोदशी व धन्वन्तरी त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस दिवाली के दो दिन पहले मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय कलश के साथ माता लक्ष्मी का अवतरण हुआ उसी के प्रतीक के रूप में ऐश्वर्य वृद्धि, सौभाग्य वृद्धि के लिए बर्तन खरीदने की परम्परा शुरू हुई। माना जाता है कि इस दिन कोई नया सामान खरीदने से आपका धन 13 गुना बढ़ जाता है।

धनतेरस जिसे धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती भी कहते हैं पांच दिवसीय दीपावली का पहला दिन होता है। धनतेरस के दिन से दिवाली का त्योहार प्रारंभ हो जाता है। मान्यता है इस तिथि पर आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रगट हो हुए थे। इसी कारण से हर वर्ष धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा निभाई जाती है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति धनतेरस के दिन सोने-चांदी, बर्तन, जमीन-जायजाद की शुभ खरीदारी करता है उसमें तेरह गुना की बढ़ोत्तरी होती है। चिकित्सक अमृतधारी भगवान धन्वन्तरि की पूजा करेंगे। इसी दिन से देवता यमराज के लिए दीपदान से दीप जलाने की शुरुआत होगी और पांच दिनों तक जलाए जाएंगे। इस दिन खरीदे गए सोने या चांदी के धातुमय पात्र अक्षय सुख देते हैं। लोग नए बर्तन या दूसरे नए सामान खरीदेंगे।

त्रयोदशी तिथि प्रारम्भ -29 अक्टूबर सुबह 10:32 बजे से

त्रयोदशी तिथि समाप्त - 30 अक्टूबर दोपहर 01:16 बजे तक

रोग, शोक से मुक्ति दिलाता है यमदीप

धनतेरस पर यमदीप भी प्रज्वलित किया जाएगा। रोग,शोक,भय, दुर्घटना, मृत्यु से बचने के लिए धनतेरस की शाम घर के बाहर यमदीप जलाने की परंपरा है। इसी दिन धनवंतरी ने सौ तरह के मृत्यु की जानकारी के साथ अकाल मृत्यु से बचाव के लिए यमदीप जलाने की बात बतायी थी।

धनत्रयोदशी के दिन सायंकाल यमराज के निमित्त दीपदान करें। इसे 'यम दीपदान' कहा जाता है। घर के मुख्य द्वार के बाहर गोबर का लेपन करें तत्पश्चात मिट्टी के 2 दीयों में तेल डालकर प्रज्वलित करें। दीये प्रज्वलित करते समय 'दीपज्योति नमोस्तुते' मंत्र का जाप करते रहें एवं अपना मुख दक्षिण दिशा की ओर रखें। धनत्रयोदशी के दिन 'यम दीपदान' करने से घर-परिवार में किसी सदस्य की अकाल मृत्यु नहीं होती है।

इस दिन लक्ष्मी जी के स्वागत के लिए अपने घर के मुख्य द्वार पर रंगोली बनाने के साथ ही महालक्ष्मी के दो छोटे-छोट पद चिन्ह लगाए जाते हैं। धनतेरस पर माता लक्ष्मी के अलावा धन्वंतरी,कुबेर की भी पूजा की जाती है। धनवंतरी इसी तिथि को समुद्र मंथन से अवतरित हुए थे। प्राचीन काल में लोग इस दिन नए बर्तन खरीदकर उसमें क्षीर पकवान रखकर धनवंतरी भगवान को भोग लगाते थे।

दिवाली से पहले धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी और कुबेर के साथ भगवान धनवंतरी की पूजा भी की जाती है। घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहे इसलिए इस दिन इनकी पूजा की जाती है। इस दिन माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए आप पूजा में कुछ चीजें शामिल कर सकते हैं:

पान – शास्त्रों में धनतेरस पर पूजा की सामग्री के लिए पान का इस्तेमाल करें। पान के पत्ते में देवी-देवताओं का वास माना जाता है। इसलिए धनतेरस और दिवाली की पूजा में इसका इस्तेमाल शुभ माना जाता है।

सुपारी– धनतेरस की पूजा में सुपारी का इस्तेमाल के बिना पूजा प्रारंभ ही नहीं होती है। सुपारी को ब्रह्मदेव, यमदेव, वरूण देव और इंद्रदेव का प्रतीक माना जाता है। धनतेरस के दिन पूजा में प्रयोग की गई सुपारी को तिजोरी में रखना लाभदायक होता है।

साबुत धनिया – धनतेरस के दिन आप साबुत धनिया खरीदकर लेकर आएं और इसे मां लक्ष्मी के सामने अर्पित करें। इससे आपकी सारी आर्थिक परेशानी दूर हो जाएगी।

बताशा और खील– बताशा माता लक्ष्मी का सबसे प्रिय भोग है। माता लक्ष्मी की पूजा में बताशे का प्रयोग करने से हर समस्या का समाधान होता है। इस दिन खील जरूर खरीदना चाहिए। इससे धन समृद्धि बनी रहती है।

दिया–ज्योतिषाचार्या ने बताया कि पूजा से पहले मां के सामने दीप जलाना न भूलें। इससे यमदेव प्रसन्न होते हैं।

कपूर – मां लक्ष्मी, कुबेर और भगवान धनवंतरी की पूजा में कपूर जरूर जलाएं। कपूर जलाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा बाहर जाती है और सकारात्मक ऊर्जा घर में आती है।

धनतेरस के दिन क्यों की जाती है लक्ष्मी जी की पूजा?

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार भगवान विष्णु मृत्युलोक में विचरण करने के लिए आ रहे थे तब लक्ष्मी जी ने भी उनसे साथ चलने का आग्रह किया। तब विष्णु जी ने कहा, 'अगर मैं जो बात कहूं तुम अगर वैसा ही मानो तो फिर चलो.' तब लक्ष्मी जी उनकी बात मान गईं और भगवान विष्णु के साथ भूमंडल पर आ गईं। कुछ देर बाद एक जगह पर पहुंचकर भगवान विष्णु ने लक्ष्मी जी से कहा, 'जब तक मैं न आऊं तुम यहां ठहरो। मैं दक्षिण दिशा की ओर जा रहा हूं, तुम उधर मत आना.' विष्णुजी के जाने पर लक्ष्मी के मन में कौतूहल जागा, 'आखिर दक्षिण दिशा में ऐसा क्या रहस्य है जो मुझे मना किया गया है और भगवान स्वयं चले गए।'

लक्ष्मी जी से रहा न गया और जैसे ही भगवान आगे बढ़े लक्ष्मी भी पीछे-पीछे चल पड़ीं। कुछ ही आगे जाने पर उन्हें सरसों का एक खेत दिखाई दिया जिसमें खूब फूल लगे थे।. सरसों की शोभा देखकर वह मंत्रमुग्ध हो गईं और फूल तोड़कर अपना श्रृंगार करने के बाद आगे बढ़ीं।. आगे जाने पर एक गन्ने के खेत से लक्ष्मी जी गन्ने तोड़कर रस चूसने लगीं। उसी क्षण विष्णु जी आए और यह देख लक्ष्मी जी पर नाराज होकर उन्हें शाप देते हुए बोले, 'मैंने तुम्हें इधर आने को मना किया था, पर तुम न मानी और किसान के खेत में चोरी का अपराध कर बैठी। अब तुम इस अपराध के जुर्म में इस किसान की 12 वर्ष तक सेवा करो.' ऐसा कहकर भगवान उन्हें छोड़कर क्षीरसागर चले गए। तब लक्ष्मी जी उस गरीब किसान के घर रहने लगीं।

एक दिन लक्ष्मीजी ने उस किसान की पत्नी से कहा, 'तुम स्नान कर पहले मेरी बनाई गई इस देवी लक्ष्मी का पूजन करो, फिर रसोई बनाना, तब तुम जो मांगोगी मिलेगा.' किसान की पत्नी ने ऐसा ही किया। पूजा के प्रभाव और लक्ष्मी की कृपा से किसान का घर दूसरे ही दिन से अन्न, धन, रत्न, स्वर्ण आदि से भर गया। लक्ष्मी ने किसान को धन-धान्य से पूर्ण कर दिया. किसान के 12 वर्ष बड़े आनंद से कट गए. फिर 12 वर्ष के बाद लक्ष्मीजी जाने के लिए तैयार हुईं।

विष्णुजी लक्ष्मीजी को लेने आए तो किसान ने उन्हें भेजने से इंकार कर दिया। तब भगवान ने किसान से कहा, 'इन्हें कौन जाने देता है ,यह तो चंचला हैं, कहीं नहीं ठहरतीं. इनको बड़े-बड़े नहीं रोक सके। इनको मेरा शाप था इसलिए 12 वर्ष से तुम्हारी सेवा कर रही थीं। तुम्हारी 12 वर्ष सेवा का समय पूरा हो चुका है।' किसान हठपूर्वक बोला, 'नहीं! अब मैं लक्ष्मीजी को नहीं जाने दूंगा।'

तब लक्ष्मीजी ने कहा, 'हे किसान! तुम मुझे रोकना चाहते हो तो जो मैं कहूं वैसा करो। कल तेरस है. तुम कल घर को लीप-पोतकर स्वच्छ करना। रात्रि में घी का दीपक जलाकर रखना और सायंकाल मेरा पूजन करना और एक तांबे के कलश में रुपये भरकर मेरे लिए रखना। मैं उस कलश में निवास करुंगी. किंतु पूजा के समय मैं तुम्हें दिखाई नहीं दूंगी।.'

लक्ष्मी जी ने आगे कहा, 'इस एक दिन की पूजा से वर्ष भर मैं तुम्हारे घर से नहीं जाऊंगी.' यह कहकर वह दीपकों के प्रकाश के साथ दसों दिशाओं में फैल गईं। अगले दिन किसान ने लक्ष्मीजी के कथानुसार पूजन किया. उसका घर धन-धान्य से पूर्ण हो गया। तभी से हर साल तेरस के दिन लक्ष्मीजी की पूजा होने लगी।

धनतेरस के दिन क्यों की जाती है यमराज की पूजा?

पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन काल में हेम नाम का एक राजा था, जिसकी कोई संतान नहीं थी। बहुत समय बाद उन्हें एक पुत्र की प्राप्ति हुई। जब उस बालक की कुंडली बनवाई तब ज्योतिष ने कहा कि इसकी शादी के दसवें दिन मृत्यु का योग है। यह सुनकर राजा हेम ने पुत्र की शादी कभी न करने का निश्चय लिया और उसे एक ऐसे स्थान पर भेज दिया जहां कोई भी स्त्री न हो. लेकिन नियति को कौन टाल सकता? घने जंगल में राजा के बेटे को एक सुंदर स्त्री मिली और दोनों को आपस में प्रेम हो गया। फिर दोनों ने गंधर्व विवाह कर लिया।

भविष्यवाणी के अनुसार विवाह के दसवें दिन यमदूत राजा के प्राण लेने पृथ्वीलोक आए। जब वे प्राण ले जा रहे थे तब उसकी पत्नी के रोने की आवाज सुनकर यमदूत का मन दुखी हो गया। यमदूत जब प्राण लेकर यमराज के पास पहुंचे तो बेहद दुखी थे। यमराज ने कहा कि दुखी होना स्वाभाविक है लेकिन कर्तव्य के आगे कुछ नहीं होता। ऐसे में यमदूत ने यमराज से पूछा, 'क्या इस अकाल मृत्यु को रोकने का कोई उपाय है?' तब यमराज ने कहा, 'अगर मनुष्य कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन व्यक्ति संध्याकाल में अपने घर के द्वार पर दक्षिण दिशा में दीपक जलाएगा तो उसके जीवन से अकाल मृत्यु का योग टल जाएगा।.' तब से धनतेरस के दिन यम पूजा का विधान है।

धनतेरस का महत्व

1. इस दिन नए उपहार, सिक्का, बर्तन व गहनों की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। शुभ मुहूर्त में पूजन करने के साथ सात धान्यों की पूजा की जाती है. सात धान्य में गेहूं, उडद, मूंग, चना, जौ, चावल और मसूर शामिल होता है।

2. धनतेरस के दिन चांदी खरीदना शुभ माना जाता है।

3 . भगवान धन्वन्तरी की पूजा से स्वास्थ्य और सेहत मिलता है। इस दिन ही दीपावली की रात लक्ष्मी गणेश की पूजा हेतु मूर्ति भी खरीदते हैं।

धनतेरस के दिन क्या करें

1. इस दिन धन्वंतरि का पूजन करें।

2. नवीन झाड़ू एवं सूपड़ा खरीदकर उनका पूजन करे।

3. सायंकाल दीपक प्रज्वलित कर घर, दुकान आदि को श्रृंगारित करें।

4. मंदिर, गोशाला, नदी के घाट, कुओं, तालाब, बगीचों में भी दीपक लगाएं।

5. यथाशक्ति तांबे, पीतल, चांदी के गृह-उपयोगी नवीन बर्तन और जेवर खरीदना चाहिए।

6. हल जुती मिट्टी को दूध में भिगोकर उसमें सेमर की शाखा डालकर तीन बार अपने शरीर पर फेरें।

7. कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, बावड़ी, कुआँ, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाएं।

धनतेरस पर खरीदे ये सामान

ज्योतिषाचार्या ने बताया कि दिवाली से पहले धनतेरस पर पूजा का विशेष महत्व होता है। इस दिन धन और आरोग्य के लिए भगवान धन्वंतरि और कुबेर की पूजा की जाती है। इस साल धनतेरस 29 अक्टूबर को मनाया जाएगा। वहीं धनतेरस के दिन कुछ खास सामान को खरीदने का भी काफी महत्व माना जाता है। मान्यता है कि धनतेरस के दिन कुछ खास चीजों को खरीदना काफी शुभ रहता है। इन शुभ चीजों को खरीदने से घर परिवार में सुख शांती बनी रहती है और धन लाभ भी होता है। आइए जानते हैं ऐसी ही विशेष चीजों के बारे में जिन्हें धनतेरस के दिन खरीदा जाना चाहिए।

सोना-चांदी – धनतेरस के दिन धातु की खरीद को काफी अहम माना जाता है. मान्यता है कि इस दिन धातु को खरीदने से भाग्य अच्छा बनता है। परंपरा है कि धनतेरस के दिन सोना, चांदी जरूर खरीदना चाहिए। इस दिन बजट के मुताबिक सोना, चांदी के सिक्के, गहने, मूर्ति जैसी चीजों की खरीद की जा सकती है।

कुबेर यंत्र– ज्योतिषाचार्या ने बताया कि धनतेरस पर कुबेर यंत्र खरीदना भी शुभ माना जाता है। इसे अपने घर, दुकान के गल्ले या तिजोरी में स्थापित करना चाहिए. इसके बाद 108 बार 'ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रववाय, धन-धान्यधिपतये धन-धान्य समृद्धि मम देहि दापय स्वाहा' मंत्र का जप करना चाहिए। इस मंत्र से धन की कमी का संकट दूर होता है।

श्री कुबेर मंत्र:

ॐ श्रीं ह्रीं दरिद्र विनाशनि धनधान्य समृद्धि देहि,

देहि कुबरे शंख विध्ये नमः ।।

तांबा– धनतेरस के दिन तांबे की वस्तुएं या बर्तन लाने का काफी महत्व रहता है। यह सेहत के लिए भी शुभ माना जाता है। साथ ही कांसा से बनी सजावटी वस्तुएं या बर्तन भी घर लेकर आ सकते हैं।

झाडू– धनतेरस के दिन झाडू भी खरीदा जाता है। मान्यता है कि इस दिन झाडू खरीदने से गरीबी दूर होती है। साथ ही नई झाडू से नकारात्मक ऊर्जा दूर जाती है और घर में लक्ष्मी का वास होता है।

शंख-रूद्राक्ष – ज्योतिषाचार्या ने बताया कि धनतेरस के दिन शंख खरीदने को काफी शुभ माना जाता है। इस दिन शंख खरीदकर उसकी पूजा करें। शास्त्रों के मुताबिक जिस घर में रोजाना पूजा के वक्त शंख बजाया जाता है, उस घर से मां लक्ष्मी कभी नहीं जाती। साथ ही घर के संकट भी दूर हो जाते हैं। इसके अलावा सात मुखी रूद्राक्ष धनतेरस के दिन घर पर लाने से सारे कष्ट दूर होते हैं।

भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की मूर्ति

धनतेरस के दिन भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की मूर्ति भी घर में लानी चाहिए। मान्यता है कि इससे घर में पूरे साल धन और अन्न की कमी नहीं होती है। दोनों देवी देवता धन और बुद्धि बढ़ाते हैं।

नमक-धनिया – धनतेरस के दिन नमक जरूर खरीदें। ऐसा माना जाता है कि इस दिन नमक घर में लाने से धन की बढ़ोतरी होती है और दरिद्रता का नाश होता है। इसके अलावा धनिया भी इस दिन घर में लाना चाहिए। साबुत धनिया लाने का काफी महत्व है। इसे पूजा के बाद अपने घर के आंगन और गमले में डाल देना चाहिए।

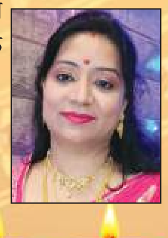

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
अजमेर

दिवाली पर उठेगा कुबेर की रिलीज डेट से पर्दा

निर्माताओं ने खास ऐलान के लिए तैयार किया प्रोमो वीडियो

साउथ सुपरस्टार धनुष और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों कुबेर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित कुबेर धनुष और सुपरस्टार नागार्जुन के बीच पहला सहयोग है। फिल्म में रश्मिका मंदाना मुख्य नायिका की भूमिका में हैं।

वहीं अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है, जो इसकी रिलीज डेट को लेकर है।फिल्म की शूटिंग तेजी से चल रही है और फिल्म मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म को लेकर ताजा खबर यह है कि कुबेर की रिलीज की तारीख की घोषणा अगले सप्ताहांत, दिवाली 2024 पर की जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माताओं ने घोषणा के लिए एक खास प्रोमो तैयार किया है।फिल्म में धनुष के किरदार की बात करें तो कुबेर में धनुष एक ऐसे किरदार को निभा रहे हैं, जो एक बेघर व्यक्ति के रूप में शुरू होता है, लेकिन अंतत: एक शक्तिशाली माफिया सरगना बन जाता है।

रश्मिका और धनुष के साथ फिल्म में अक्किनेनी नागार्जुन, संदीप किशन, जिम सर्भ और अन्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म में नागार्जुन एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा सकते हैं।सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव द्वारा निर्मित कुबेर में संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी निकेथ बोम्मी ने की है। प्रोडक्शन डिजाइनर रामकृष्ण सब्बानी और मोनिका निगोत्रे तकनीकी दल का हिस्सा हैं। इस फिल्म के जरिए निर्देशक शेखर कम्मुला और धनुष पहली बार साथ काम कर रहे हैं। कुबेर शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित एक बहुभाषी फिल्म है।

अजय देवगन की सिंघम अगेन ने कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 को पछाड़ा

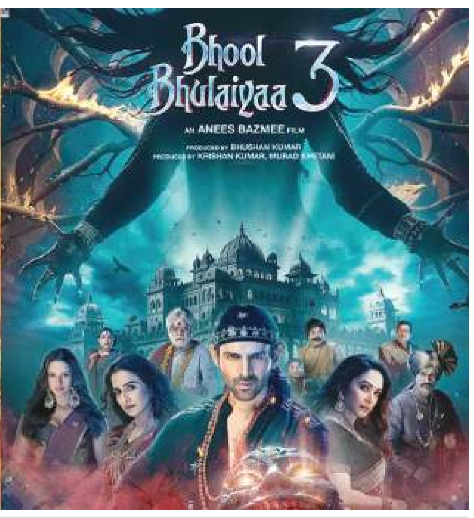

अजय देवगन की सिंघम अगेन और कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 सिनेमाघरों में 1 नवंबर को एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बीच देखना दिलचस्प होगा कि कौन सी फिल्म बेहतर प्रदर्शन करती है। दोनों ही फिल्म ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइजी हैं और दोनों ही फिल्मों का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर एडवांस बुकिंग में सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 कैसा प्रदर्शन कर रही है। आइए जानते हैं दोनों फिल्मों की एडवांस बुकिंग।दिवाली के मौके पर दोनों फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार हैं। दोनों फिल्में अच्छी खासी चर्चा बटोर रही है दोनों फिल्मों के ट्रेलर को दर्शकों ने खूब प्यार दिया और अब फिल्में बॉक्स ऑफिस पर मजबूत शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। खैर ये तो रिलीज होने के बाद पता चलेगा कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्में कैसा प्रदर्शन कर रही हैं। फिलहाल फिल्मों की ओवरसीज बुकिंग शुरू हो गई है जिससे हमें ये तो पता चल गया है कि कौन सी फिल्म आगे है।अजय देवगन और कार्तिक आर्यन की फिल्मों की ओवरसीज एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित अपकमिंग पुलिस ड्रामा अपने ने अपने आई एनर्जी ट्रेलर के साथ दर्शकों को इंप्रेस किया है। जिससे इसे भूल भुलैया 3ळ पर बढ़त मिली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सिंघम अगेनळ के लिए यूएई में एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है, जिससे लोगों में अच्छी दिलचस्पी पैदा हुई है। स्पेशली प्री-सेल्स

दोनों फिल्मों की ओवरसीज बुकिंग शुरू

में भूल भुलैया 3ळ की तुलना में सिंघम अगेन ने लगभग 84त्न से ज्यादा कमाई की है। बताया गया है कि अजय देवगन स्टारर इस फिल्म ने वीओएक्स सिनेमा में 64 शो से 6।6 लाख रुपये की प्री-सेल की है, जिसमें अब तक लगभग 505 टिकटें बिक चुकी हैं। यह फिल्म के लिए एक अच्छी शुरुआत है और रिलीज की तारीख नजदीक आने के साथ इसमें और बढ़त होने की उम्मीद है।इस बीच, अनीस बज्मी की फिल्म भूल भुलैया प्री-सेल्स रेस में पीछे चल रही है, जिसने यूएई के वॉक्स सिनेमा में 64 शो में 269 टिकट बेचकर 3। 59 लाख रुपये कमाए हैं। सिंघम अगेन कथित तौर पर एडवांस बिक्री में भूल भुलैया 3 से बेहतर प्रदर्शन कर रही है, जिसमें कुल मिलाकर 84त्न ज्यादा प्री-सेल्स है।

स्पेशली टिकट्स सेलिंग में। सिंघम अगेन का ट्रेलर 7 अक्टूबर को रिलीज किया गया और इसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है।रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में अजय देवगन, करीना कपूर खान, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर, टाइगर श्रॉफ और जैकी श्रॉफ जैसे सितारों की भरमार है।

22 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म रांति

शरद केलकर की पहली झलक आई सामने

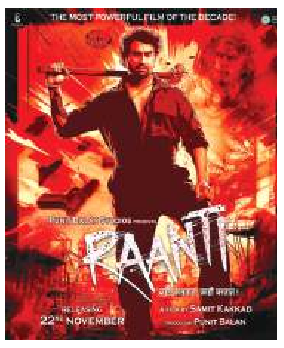

अभिनेता शरद केलकर पिछली बार राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत में नजर आए थे। फिल्म में शरद ने राजकुमार के दोस्त का किरदार निभाया था।फिल्म की उनकी अदाकारी की भी खूब तारीफ हुई थी, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। यह नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।अब शरद फिल्म रांति के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। इस फिल्म से उनकी पहली झलक सामने आ गई है।रांति के पहले लुक में शरद केलकर को एक मनोरंजक भूमिका में दिखाया गया है, जिसमें उन्होंने किरदार के सार को बेहद प्रभावशाली तरीके से दर्शाया है। अपनी बहुमुखी प्रतिभा और दमदार अभिनय के लिए मशहूर केलकर ने इस फिल्म में अपने अभिनय से पहले ही प्रशंसकों और आलोचकों दोनों का ध्यान आकर्षित कर लिया है।पोस्टर में शरद का धांसू अवतार दिख रहा है। वह हाथ में हथौड़ा लिए नजर आ रहे हैं। इसके साथ निर्माताओं ने रांति का टीजर जारी कर दिया है, जिसे प्रशंसक पसंद कर रहे हैं।

मृणाल ठाकुर ने गाउन में ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आज किसी भी पहचान की मोहतजा नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने बतौर टीवी एक्ट्रेस अपने करियर की शुरुआत की थी और अब वो बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री में से एक हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर उनकी अदाओं को देखकर लट्टू हो गए हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने गोल्डन कलर का रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा गॉर्जियस नजर आ रही हैं।मृणाल ठाकुर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स को देखकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- बेहद खूबसूरत लग रही हैं आप। तीसरे यूजर ने लिखा है- टू मच हॉट।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। वो आए दिन अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

भूल भुलैया 3 के नए पोस्टर में कार्तिक आर्यन और विद्या बालन के साथ दिखीं माधुरी दीक्षित

भूल भुलैया 3 का टीजर और गाना जब से जारी हुआ है, तभी से कार्तिक आर्यन की इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस साल दिवाली पर रिलीज होने के लिए तैयार कार्तिक आर्यन ने माजुलिकाओं के साथ अपनी लड़ाई को दिखाते हुए एक नया पोस्टर सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसपर प्रशंसक लगातार अपनी राय साझा कर रहे हैं।अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कार्तिक ने पोस्टर साझा किया, जिसमें आप माधुरी दीक्षित और विद्या बालन को अभिनेता को गले से पकड़े हुए देख सकते हैं। कार्तिक के चेहरे से साफ जाहिर हो रहा है कि उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही है। कार्तिक ने अपनी इस नए पोस्टर के साथ लिथा, रूह बाबा बनाम मंजुलिका। लड़ाई तेज हो जाती है, जैसे ही अंतिम उलटी गिनती शुरू होती है, सिर्फ 7 दिन बचे हैं। 1 नवंबर को सिनेमाघरों में पारिवारिक मनोरंजन का अनुभव करें। कार्तिक ने जैसे ही सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म भूल भुलैया 3 का नया पोस्टर साझा किया तुरंत फैंस ने प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। प्रशंसकों में से एक ने लिखा, सीजन टीम प्रभूलभुलैया 3 का सबसे बड़ा आमना-सामना, इस शानदार तिकड़ी के साथ हमारी दिवाली को 3एक्स मजेदार, डरावना और मनोरंजक बना देगी। एक और फैन ने लिखा, हॉरर कॉमेडी रोमांस बैंगर गाने और बहुत सारे आश्चर्यजनक सींस जो इस दिवाली हमारा इंतजार कर रहे हैं।

एक और फैन ने लिखा, अब सब इंतजार नहीं हो रहा।कार्तिक आर्यन की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 और अजय देवगन की एक्शन ड्रामा फिल्म सिंघम अगेन एक साथ दिवाली के मौके पर रिलीज होंगी।

सोनम बाजवा ने शेयर की अपने हेल्दी नाश्ते की तस्वीर

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम बाजवा ने बॉलीवुड में अपनी पहचान एक फिटनेस फ्रीक की बनाई है। वह अक्सर अपनी फिटनेस से जुड़ी चीजें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। शनिवार को उन्होंने सेहतमंद नाश्ते की फोटो अपने फैंस के साथ शेयर की।सोनम ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने नाश्ते की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एवोकाडो, स्टीम्ड ब्रोकली और स्क्रैम्बल्ड एग्स रखे हुए थे।इसके बाद उन्होंने पहाड़ों से घिरे जंगल में एक केबिन की तस्वीर भी पोस्ट की। उन्होंने इस पोस्ट में कैप्शन देते हुए लिखा यह। इसमें उन्होंने पीले दिल वाली इमोजी भी लगाई। साथ ही इस पोस्ट के बैकग्राउंड में एमिली वॉट्स का गाना ला वी एन रोज भी बजता सुनाई दे रहा है।बता दें कि सोनम को आखिरी बार राकेश धवन द्वारा निर्देशित फिल्म कुड़ी हरियाणे वल दी में देखा गया था। इस फिल्म में एमी विर्क ने भी अभिनय किया था। इस फिल्म में एक पंजाबी आदमी की कहानी को दिखाया गया है। इस आदमी को कुश्ती में दिलचस्पी नहीं है, लेकिन वह एक ऐसी हरियाणवी महिला के प्यार में पड़ जाता है जो इस खेल के लिए जुनूनी है। वह कुश्ती के प्रति उसके प्यार को अपनाने और उसका दिल जीतने की कोशिश करता है।ज्ञात हो कि सोनम हाउसफुल 5 में नजर आएंगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ कई स्टार कलाकार हैं। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित इस फिल्म में रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, चंकी पांडे, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, चित्रांगदा सिंह और सौंदर्या शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार होंगे।इस फिल्म को तरुण मनसुखानी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में चंकी पांडे फिर से एक बार अपनी हास्य भूमिका में नजर आएंगे। हाउसफुल 5 की शूटिंग 15 सितंबर से लंदन में शुरू हो चुकी है। लंदन में इस फिल्म के शुरुआती 45 दिनों की शूटिंग होगी। फिल्म 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।गौरतलब है कि हाउसफुल सीरीज की पहली फिल्म 2010 में लॉन्च हुई थी और तब से इसके तीन सफल सीक्वल आ चुके हैं: 2012 में हाउसफुल 2, 2016 में हाउसफुल 3 और 2019 में हाउसफुल 4।

सीएम योगी ने शुरू की संस्कृत छात्रवृत्ति योजना

संस्कृत है विज्ञान की भाषा: योगी

यूपी में फिर से शुरू होंगे गुरुकुल पद्धति के विद्यालय

वाराणसी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से रविवार को प्रदेश के संस्कृत विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के 69,195 संस्कृत विद्यार्थियों को 586 लाख की छात्रवृत्ति वितरण की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर में गुरुकुल पद्धति के आवासीय संस्कृत विद्यालयों को पुनर्स्थापित करने का भी संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने संस्कृत भाषा को विज्ञान और तकनीकी शिक्षा की भाषा के रूप में उभरने की संभावना पर जोर दिया और छात्रों से इसे गंभीरता से अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जो मानवता का पक्षधर है वह संस्कृत का भी हिमायती है। सीएम योगी ने पिछली सरकारों में संस्कृत शिक्षा को उपेक्षित रखे जाने की बात कही।

कार्यक्रम के दौरान योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संस्कृत न केवल देववाणी है बल्कि यह विज्ञान की भाषा भी है, जो कंप्यूटर साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों में उपयोगी है। उन्होंने कहा कि संस्कृत की विशेषताएं इसे तकनीकी दृष्टिकोण से सरल और सहज बनाती हैं। इसीलिए हम संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन के लिए नए प्रयासों की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में छात्रवृत्ति योजना का महत्व बताते हुए कहा कि पहले संस्कृत के केवल 300 विद्यार्थियों को ही छात्रवृत्ति मिलती थी, उसमें भी आयु सीमा तय करके रखा गया था, लेकिन अब हमारी सरकार ने इसे सभी छात्रों तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। प्रदेश में संस्कृत के 69,195 विद्यार्थियों को इस योजना के तहत लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों का बैंक खाता खुलवाने का निर्देश भी दिया, जिससे उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ सीधा और सुरक्षित रूप से मिल सके।

संस्कृत और भारतीय संस्कृति के महत्व को रेखांकित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरुकुल शिक्षा पद्धति को फिर से प्रदेशभर में लागू करने की योजना है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा ही हमारी असली ताकत है और इससे ही भारत विश्वगुरु के रूप में उभर सकता है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि गुरुकुल संस्थानों को अतिरिक्त सुविधाएं दी जाएंगी, जिसमें छात्रों के लिए नि:शुल्क छात्रावास और भोजन की व्यवस्था करने वाले संस्थानों को सरकार की ओर से विशेष सहायता मिलेगी। ऐसे संस्थानों को अच्छे आचार्यों की नियुक्ति की भी स्वतंत्रता दी जाएगी।

संस्कृत भाषा को और अधिक बढ़ावा देने के लिए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में स्थापित वैदिक विज्ञान केंद्र के माध्यम से संस्कृत के विशिष्ट शोध को प्रोत्साहित कर रही है। इस केंद्र में शोध करने वाले छात्रों के लिए विशेष छात्रवृत्ति भी दी जाएगी ताकि वे आर्थिक चिंता किए बिना अपने शोध को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म और भारत का समय आ गया है। भारत के समय को नेतृत्व देने के लिए संस्कृत विद्यार्थियों को स्वयं को तैयार करना होगा।

उन्होंने कहा कि जब भौतिकवाद और चकाचौंध वाली दुनिया में हर व्यक्ति भौतिकता के पीछे भाग रहा है, तब भी यूपी में डेढ़ लाख बच्चे अपना जीवन संस्कृत और भारतीय संस्कृति के साथ समर्पित करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। यह सरकार और समाज का दायित्व है कि इस विरासत को संजोए रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए संस्कृत विद्यालयों में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। जिन स्थानों पर अभी तक शिक्षक नहीं हैं, वहां मानदेय के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी और उनके अनुभव को वरीयता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने संस्कृत साहित्य को देश की अमूल्य धरोहर बताते हुए महर्षि अरविंद के विचारों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि संस्कृत साहित्य भारत की महान विरासत है, जो देश की मूल प्रतिभा को जीवंत रखता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि संस्कृत को केवल धार्मिक भाषा नहीं बल्कि विज्ञान, तकनीक और समाज की तमाम समस्याओं को सुलझाने का एक सशक्त माध्यम मानकर उसका अध्ययन करें।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि विरासत को विकास के साथ जोड़ने के प्रयासों में काशी को केंद्रबिंदु बनाया गया है। उन्होंने कहा कि दीपावली से छठ तक उत्सव और पर्व की परंपरा हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है और इसे आगे बढ़ाने में हमारी युवा पीढ़ी का योगदान महत्वपूर्ण है। सरकार इस दिशा में हर संभव सहायता करेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 12 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का चेक देकर योजना का विधिवत शुभारंभ किया। इसमें सुहानी कुमारी, तनूजा शुक्ला, रंजना कुमारी, कृष्णा द्विवेदी, आर्यन चतुर्वेदी, अभिनव मिश्रा, स्मिता पाठक, अमन पाठक, योगेश कुमार दुबे, प्रिंस पांडेय, हर्ष कुमार मिश्र एवं योगी शामिल रहे।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र दयालू, विधायकगण डॉ नीलकंठ तिवारी, त्रिभुवन राम, सौरभ श्रीवास्तव, सुनील पटेल, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, कुलपति प्रो बिहारी लाल शर्मा, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास परिषद् के अध्यक्ष प्रो नागेन्द्र पाठक, काशी विद्वत परिषद के अध्यक्ष प्रो वशिष्ठ त्रिपाठी, महंत शंकर पुरी जी महाराज, महंत संतोष दास जी महाराज, बालक दास जी महाराज, पं जगजीतन पांडेय, अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के आचार्यगण, संस्कृत विद्यालयों के प्रधानाचार्य और आचार्यगण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं अभिभावकगण मौजूद रहे।

तमाम मुश्किलों के बाद भी इज़राइल में डटे हैं यूपी के कामगार

अमेठी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

युद्ध के हालात में भी रोजगार के लिए सुदूर इज़राइल गए अमेठी जिले के कई युवा तमाम मुश्किलों के बीच जान जोखिम में डाल कर भी अपने काम में डटे हुए हैं। हर समय मंडराते मिसाइल हमले के डर के बीच काम काज करते समय सायरन बजते ही उन्हें जान बचाने के लिए छिपना पड़ता है। इज़राइल गए जिले के कुछ ऐसे ही लोगों से बातचीत कर उनके समक्ष आ रही दिक्कतों को समझने की कोशिश की गई।

इस दौरान कुछ लोगों ने भाषा को लेकर आड़े आ रही परेशानी तो कुछ लोगों ने ऑफर के इतर उनसे दूसरा काम कराए जाने की परेशानी को साझा किया। बताया कि घंटे के हिसाब से पैसा मिलने के कारण कई लोग परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के लिए अपना मूल काम छोड़कर दूसरे काम करने भी जुटे हैं।

आठ अप्रैल को इज़राइल गए मुसाफिरखाना क्षेत्र के गांव बिसारा पश्चिम निवासी दिलीप तेल अवीव के कस्बा पेठा टिकवा में काम कर रहे हैं।

वह जिस कंपनी में काम कर रहे हैं, उसे गुडवर्कर सर्टिफिकेट भी मिला है। इसी तरह मुसाफिरखाना क्षेत्र के बिसारा पश्चिम गांव निवासी अजीत कुमार 25 सितंबर को इज़राइल के हाइफा सिटी गए थे। वह आयरन वेल्डिंग का काम करने के लिए भेजे गए थे, लेकिन अब उनसे दूसरे काम कराए जा रहे हैं।

इसी तरह तिलोई क्षेत्र के गांव पूरे राजा निवासी अनिल कुमार वर्मा शटरिंग का काम करने बतियाम गए थे। मजदूरों की कमी होने के कारण वहां उन लोगों से झाड़ू लगवाने तक का काम कराया जा रहा है। परिवार की बेहतरी के घर परिवार से दूर यह सभी काम करना पड़ रहे हैं। सहायक श्रम आयुक्त गोविंद यादव ने बताया कि वहां की सरकार सुरक्षा के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है। काम के लिए भेजे गए लोगों के साथ वहां के नागरिकों का व्यवहार भी काफी अच्छा है।

20 मई को इज़राइल गए तिलोई क्षेत्र के अस्तानगर के गिरिजेश ने परिजनों से हुई बातचीत में बताया कि वह युद्ध को लेकर डर तो बना ही रहता है। ऊपर मंजिल में काम करने के दौरान अक्सर मिसाइलों के गोले आस पास ही फटते हैं। ऐसे में सायरन बजते ही सभी लोग सुरक्षित स्थान पर पहुंच दिए जाते हैं। ऐसे में तमाम मुश्किलों के बावजूद परिवार की खातिर यहां काम करने को जुटा रहना पड़ रहा है।

गोचर भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ चलेगा सख्त अभियान

लखनऊ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार प्रदेश में पशुओं के लिए उपलब्ध गोचर भूमि को कब्जा मुक्त कराने के लिए बड़ा अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत अब तक अवैध कब्जे वाली 6930 हेक्टेयर से अधिक गोचर भूमि में से 4740 हेक्टेयर से अधिक भूमि को कब्जा मुक्त करा लिया गया है, जबकि शेष कब्जे वाली भूमि को खाली कराने के लिए प्रक्रिया जारी है। उल्लेखनीय है कि राजस्व परिषद के 15 अक्टूबर 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में कुल 61304.504 हेक्टेयर गोचर भूमि उपलब्ध है। वहीं, 6930.619 हेक्टेयर गोचर भूमि को अवैध कब्जे के रूप में चिह्नित किया गया है। कुल मिलाकर 4740.598 हेक्टेयर गोचर भूमि को अवैध कब्जे से रिक्त कराया जा चुका है। देवरिया में कुल 256.296 हेक्टेयर भूमि चारागाह के लिए उपलब्ध है, जिसमें 16.458 हेक्टेयर भूमि को अवैध कब्जे के रूप में चिह्नित किया गया है। इसमें 5.431 हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त करा लिया गया है, जबकि अभी 11.027 हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त कराने की प्रक्रिया जारी है।

इसी तरह, जौनपुर में कुल 1361.983 हेक्टेयर गोचर भूमि में से कब्जे वाली 70.945 हेक्टेयर भूमि पर 21.181 हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्ता कराया गया है। 49.764 हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त कराने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

शामली की बात करें तो कुल 293.577 हेक्टेयर भूमि में 105.752 हेक्टेयर पर अवैध कब्जे में से 27.056 हेक्टेयर को मुक्त करा लिया गया है, जबकि 78.696 हेक्टेयर भूमि के लिए अभियान चल रहा है। इसी तरह, बिजनौर, मऊ, संभल और गाजियाबाद में भी उपलब्ध कुल गोचर भूमि में से चिह्नित कब्जे वाली भूमि को कब्जा मुक्त कराने की कार्रवाई जारी है।

पशुपालन विभाग द्वारा गोचर भूमि पर हरा चारा उत्पादन की बात करें तो प्रदेश में कुल 6708 ग्रामीण गो आश्रय उपलब्ध हैं। इनमें टैग्ड गोचर भूमि 3060 है जो कुल गो आश्रय स्थलों का 45.62 प्रतिशत है। गो आश्रय स्थलों से टैग्ड गोचर भूमि का क्षेत्रफल 9334.17 हेक्टयर, जिसमें बोया गया हरा चारा का क्षेत्रफल 3107.11 हेक्टेयर है जो कुल टैग्ड गोचर भूमि के क्षेत्रफल का 33.29 प्रतिशत है।

दीपोत्सव 2024 : डिजिटल पथ के रूप में दिखेगा धर्मपथ और लता मंगेशकर चौक

अयोध्या, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आठवें दीपोत्सव के दौरान अयोध्या डिजिटल नगरी के रूप में नजर आने वाली है। आस्था और प्रकाश का दीपोत्सव में ऐसा संगम दिखने वाला है कि हर कोई निहारता ही रह जायेगा। खास तौर से अयोध्या का धर्मपथ और लता चौक। इनकी आभा देखते ही बनेगी क्योंकि यहां डिजिटल पिलर लगाए जा रहे हैं। भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद पहली बार दीपोत्सव का आयोजन होना है। इसे देखते हुए श्रद्धालुओं को त्रेता युग वाला अनुभव कराने की कोशिश की जा रही है। राम की पैड़ी समेत अन्य घाटों पर 25 लाख दीपों के प्रज्वलन का रिकार्ड बनना है।

इसके अलावा रामकथा पार्क व प्रमुख पथों को सजाने की कवायद जोर शोर से चल रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आठवें दीपोत्सव को भव्य बनाने की तैयारी चल रही है।

इंटेलिजेंट लाइटिंग के मीम प्रोडक्शन के असद बताते हैं कि प्रकाश की व्यवस्था के लिए उन्हें चयनित किया गया है। नेशनल हाईवे से अयोध्या में प्रवेश मार्ग धर्मपथ पर 15-15 फीट के 24 पिलर लगाए जा रहे हैं। डिजिटल पिलर पर रामायण के प्रसंग चलेंगे व स्वागतम् द्वार तक 28 से 30 अक्टूबर तक इन्हें चलाया जाना है। पिलर के ऊपर आकर्षक लाइटिंग की भी व्यवस्था रहेगी। रामकथा पार्क, राम की पैड़ी, हनुमान गढ़ी, बिरला मंदिर, भजन संध्या स्थल, तुलसी उद्यान, सरयू ब्रिज इत्यादि स्थलों पर लाइटिंग होगी।

अयोध्या में आठवें दीपोत्सव में एक बार फिर से कीर्तिमान बनाने की तैयारी चल रही है। 25 लाख दीपों का रिकार्ड बनाने के लिए 28 लाख से अधिक दीये बिछाए जाएंगे।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम के कंसल्टेंट निश्चल बरोट अयोध्या पहुंच चुके हैं। उनका कहना है तीन बार दीपों की काउंटिंग होगी। पहले सूखे दीप, फिर जलने के बाद मैनुअल काउंटिंग होगी। उसके बाद ड्रोन के जरिये वीडियो बनाकर अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले सॉफ्टवेयर पर अंतिम गिनती कर घोषणा कर दी जाती है। इस बार हमारी 30 लोगों की टीम आई है।

दीपोत्सव 2024 : 80 हजार दीपों से बना स्वास्तिक देगा शुभ्रता का संदेश

30 हजार स्वयंसेवक दीप सजाने सरयू घाटों पर जुटे

अयोध्या, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दीपोत्सव 2024 को लेकर एक ओर जहां योगी सरकार की तैयारियां अंतिम चरण में हैं, वहीं डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशानुरूप दीपोत्सव-2024 को ऐतिहासिक बनाने के लिए सरयू के 55 घाटों पर भारी भरकम टीम उतार दी है। दो हजार से अधिक पर्यवेक्षक, समन्वयक, घाट प्रभारी, दीप गणना व अन्य सदस्यों की देखरेख में 30 हजार से अधिक वालंटियर घाटों पर 28 लाख दीपों को सजाने का कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही 80 हजार दीपों से वालंटियर द्वारा राम की पैड़ी के घाट नम्बर 10 पर प्रतीक के रूप में स्वास्तिक बना रहे हैं। यह दीपोत्सव आकर्षण का

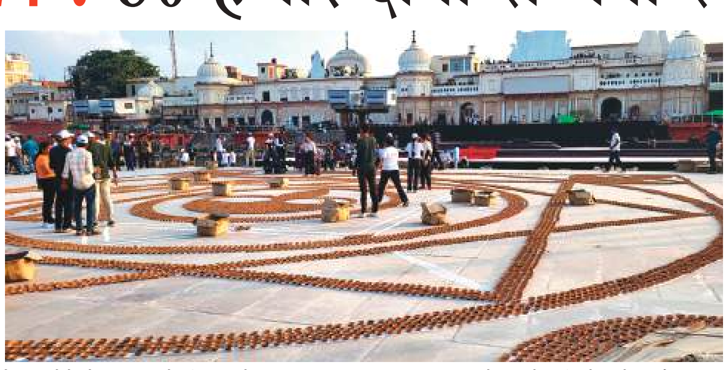

केन्द्र होने के साथ पूरे विश्व को शुभता का संदेश देगा। इसके लिए 150 से अधिक वालंटियर लगाए गए है।

दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए दूसरे दिन विश्वविद्यालय परिसर एवं अन्य संस्थानों के वालंटियर जय श्रीराम के जयघोष के साथ राम की पैड़ी रवाना किए गए। सभी वालंटियर ने गले में क्यूआर कोड से लैस आईकार्ड, टी-शर्ट व कैप में घाटों पर दीपों को सजाना शुरू किया गया। बीच-बीच में वालंटियर द्वारा जय श्रीराम के नारे गूंजते रहे और 16 गुणे 16 का दीयों का ब्लाक बना रहे है जिनमें 256 दीए सजा रहे है।

छोटी दीपावली के दिन 30 अक्टूबर को 28 लाख दीयों में तेल, बाती लगाकर देर शाम प्रज्वलित करने के साथ एक नया विश्व रिकार्ड कायम करेंगे। दूसरी ओर घाटों पर घाट प्रभारी व समन्वयक द्वारा समय-समय पर वालंटियर को दिशा-निर्देश प्रदान किए जा रहे है। बहुत ही सावधानी से वालंटियर गत्तों से दीए निकालकर घाटों पर बिछाने का कार्य कर रहे है। इन वालंटियर को घाटों पर स्वच्छ पानी पीने की व्यवस्था सामग्री संयोजक प्रो सिद्धार्थ शुक्ला व प्रो गंगाराम मिश्र की देखरेख में की गई है। सभी को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त वालंटियर के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। भोजन समिति के संयोजक प्रो चयन कुमार मिश्र व उनके सहयोगियों द्वारा भजन संध्या स्थल पर वालंटियर को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। दूसरी ओर विवि के उपकुलसचिव दिनेश कुमार मौर्य द्वारा नगर निगम की मदद से घाटों की स्वच्छता के लिए भारी भरकम टीम उतार दी गई है। इनके द्वारा घाटों की साफ-सफाई कराई जा रही है।

दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो संत शरण मिश्र ने बताया कि दीपोत्सव के विश्व कीर्तिमान के लिए विवि परिसर सहित 14 महाविद्यालय, 37 इण्टर कालेज, 40 एनजीओ के 30 हजार वालंटियर लगाये गए है। सरयू के 55 घाटों पर 30 एमएल दीए के 16 गुना 16 का एक ब्लाक वालंटियर द्वारा बनाया जा रहा है। जिनमें 256 दीए बिछाये जा रहे है। दीपोत्सव के दिन 30 एमएल दीए में 30 एमएल सरसों को इस्तेमाल किया जायेगा। घाट प्रभारी व समन्वयक की देखरेख में बड़ी सावधानी से दीए में तेल डालने का काम करेंगे। दीए बिछाने का कार्य 28 अक्टूबर तक पूरा कर लिया जायेगा। 29 से घाटों पर लगे दीए की गणना की जायेगी। वही 30 अक्टूबर को घाटों पर लगे दीयों में बाती, तेल डालकर व प्रज्ज्वलन करके विश्व रिकॉर्ड बनाएंगे। दीपोत्सव की सफलता के लिए विश्वविद्यालय, संबद्ध महाविद्यालयों, इंटर कॉलेज व स्वयंसेवी संस्थाओं की भारी भरकम टीम उतार दी गई है। सभी दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य को अंजाम दे रहे हैं।

मेरठ में विद्या विश्वविद्यालय को मिला प्राधिकरण पत्र

लखनऊ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रसार के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में निरंतर प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में उच्च शिक्षा विभाग की ओर से मेरठ में नए विद्या विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए प्राधिकरण पत्र प्रदान किया गया है। यह प्रदेश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सरकार का एक और अहम कदम है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश में निजी विश्वविद्यालयों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का विस्तार हो रहा है, जो प्रदेश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक अहम कदम है। प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, एमपी अग्रवाल की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने विद्या विश्वविद्यालय, मेरठ को संचालन की अनुमति देते हुए विश्वविद्यालय के सुचारु संचालन हेतु नियमों और शर्तों के अनुपालन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय युवाओं को वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा। विद्या विश्वविद्यालय, मेरठ को हाल ही में उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (आठवां संशोधन) अध्यादेश, 2024 के तहत अनुमोदित किया गया है और इसे उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की अनुसूची-2 में क्रमांक 46 पर शामिल किया गया है। प्राधिकरण पत्र के साथ अब यह विश्वविद्यालय अपनी संचालन प्रक्रिया प्रारंभ कर सकेगा।

गंभीर नहीं अनुभवी खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन से हारी टीम इंडिया : कार्तिक

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दोनो ही टेस्ट मैचों में भारतीय टीम की हार के लिए अनुभवी खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है। कार्तिक ने कहा कि हाल के लिए कोच गौतम गंभीर को दोष नहीं दिया जा सकता है। भारतीय टीम शुरुआती दोनो ही टेस्ट हार गयी है। पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में उसे 113 रन से हार का सामना करना पड़ा था। कार्तिक के अलावा पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने भी हार के लिए अनुभवी खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन को कारण बताया है। इस सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली रनों के लिए तरसते दिखे। वहीं स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी भी कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई। कार्तिक ने कहा, 'हां। सीरीज में हार का दोष अनुभवी खिलाड़ियों को दिया जाना चाहिये। वे स्वयं मानेंगे कि उनका प्रदर्शन बहतर होना चाहिये था। उन्होंने कहा, 'अगर आप जीत का जश्न मना सकते हैं और प्रशंसक यह महसूस करते हैं कि वे कितने महत्वपूर्ण हैं तो जब हार होती है और आप पर हमला किया जाता है तो मुझे लगता है कि उनमें इसका सामना करने की हिम्मत होनी चाहिए। कार्तिक ने कहा कि अनुभवी खिलाड़ी हार की जिम्मेदारी स्वयं लेंगे और स्वीकार करेंगे कि यह उनकी सर्वश्रेष्ठ सीरीज नहीं थी। उन्होंने कहा, 'अगर आप उनमें से हर एक से व्यक्तिगत रूप से पूछें कि वे सीरीज के बारे में क्या सोचते हैं तो मुझे नहीं लगता कि वे पूरी टीम के प्रदर्शन के बारे में कुछ खास कह पाएंगे और उनसे यह पूछना उचित होगा कि भारत में टेस्ट क्रिकेट के भविष्य और भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है। कार्तिक ने कहा, 'मैं उनमें से प्रत्येक को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। वे कहेंगे कि उनके लिए यह अच्छी सीरीज नहीं थी। फिर सवाल यह उठता है कि उन्हें बेहतर होने के लिए क्या करने की जरूरत है और यह एक मौजूदा सवाल है। भारत के दो टेस्ट मैच में रणनीति के असफल होने और बार-बार बल्लेबाजों के असफल होने से नए मुख्य कोच गौतम गंभीर भी आलोचनाओं के निशाने पर हैं लेकिन मांजरेकर ने इस पूर्व सलामी बल्लेबाज का समर्थन किया।

न्यूज ब्रीफ

सचिन ने न्यूजीलैंड की प्रशंसा की

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय टीम के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करने वाली

न्यूजीलैंड टीम की जमकर प्रशंसा की है। न्यूजीलैंड ने 68 साल में पहली बार भारतीय धरती पर कोई टेस्ट सीरीज जीती है। सचिन ने न्यूजीलैंड के स्पिनर मिचेल सैंटनर की सराहना की है। सैंटनर ने पुणे टेस्ट मैच में कुल 13 विकेट झटके। दूसरे टेस्ट में जीत के साथ ही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड की टीम 2-0 से आगे हो गयी है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया लिखा, ' किसी भी मेहमान टीम के लिए भारत में टेस्ट सीरीज जीतना सपना होता है और न्यूजीलैंड ने इसे साकार करने के लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे परिणाम अच्छे ऑलराउंरों वाली टीम से ही मिलते हैं। साथ ही कहा कि सैंटनर ने यहां काफी अच्छा पदर्शन कर कुल 13 विकेट लि। . इस शानदार उपलब्धि के लिए उन्हे बधाई भारत की अपनी घरेलू धरत पर लगातार 18 टेस्ट सीरीज के बाद यह पहली सीरीज हार है। एक समय स्पिन गेंदबाजी को आसानी से खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज सैंटनर के सामने टिक नहीं पाये। इस मैच में न्यूजीलैंड की ओर से रखे गए जीत के लिए 359 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 245 रन पर सिमट गई। यशस्वी जायसवाल ने 77 और रविंद्र जडेजा ने 42 रन बनाए। इनके अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज कीवी गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाया। बेंगलुरू में पहले टेस्ट में 46 रन पर आउट होने वाली भारतीय टीम की 2012-13 में इंग्लैंड के हाथों हारने के बाद यह सीरीज की पहली हार है।

एक सीरीज हारने से रणनीति नहीं बदल सकते : रोहित

पुणे। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार को निराशाजनक बताया है पर कहा कि इससे कुछ निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते हैं न ही अपनी रणनीति बदली जा सकती है। उन्होंने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए शांति से इस बारे में बात करनी होगी, किसी प्रकार का अलग तरीका अपनाना फायदेमंद नहीं रहेगा। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में भारत को हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। रोहित ने कहा,'कुछ खिलाड़ियों से शांत माहौल में बातचीत करने की जरूरत है। उन्हें यह बताना जरूरी है कि वे कहां है और टीम उनसे क्या उम्मीद रखती है।' अब उनका लक्ष्य खिलाड़ियों को वास्तविकता से अवगत कराना है पर इस दौरान वह कोई विवाद नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा,'मुझे नहीं लगता कि आपको उन्हें एक-एक करके टीम रूम में बिठाने, उनकी पारियों को देखने और उन्हें यह बताने की ज़रूरत है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। रोहित ने कहा, 'केवल इसलिए कि हम एक सीरीज हार गए हैं तो हमें अलग तरह से बात करने या अलग तरीके अपनाने की जरूरत है। हमें केवल उन हालातों से बाहर आने की जरुरतत है।' रोहित ने कहा कि उन्हें अपने खिलाड़ियों पर भरोसा है, जिन्होंने भारत को कई मैच जिताए हैं। भारतीय कप्तान ने कहा,'मुझे किसी की क्षमता पर कोई संदेह नहीं है। इस हार से सीख लेते हुए बल्लेबाजों को अपनी तय रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा। साथ ही अपने पर भरोसा रखना होगा पर मैं किसी प्रकार का गैरजरुरी दबाव नहीं बनाना चाहूंगा।

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में उतर सकते हैं ऋषभ

नई दिल्ली। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी में

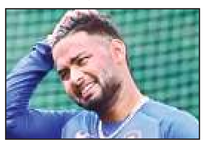

उतरने की संभावनाएं हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली कैपिटल्स अब ऋषभ को कप्तान के तौर पर रिटेन नहीं करना चाहती है। सभी 10 टीमों को आने वाले दिनों में अपनी रिटेंशन लिस्ट जमा करनी हैं। ऐसे में सभी फ्रेंचाइजी अपनी सूची को अंतिम रुप देना चाहती हैं। प्राप्त जानाकरी के अनुसार ऋषभ को प्रबंधन एक बार फिर कप्तान बनाने को लेकर स्पष्ट नहीं है। प्रबंधन इस मामले पर संशय में है। ऋषभ साल 2016 से दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े हुए हैं, लेकिन अब उनकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। रिटेंशन लिस्ट जमा करने की समय सीमा के करीब आने के साथ, यह अटकलें तेज हो गई हैं कि उन्हें रिटेन नहीं किया जाएगा। वह हालांकि आईपीएल में सबसे चर्चित नामों में से एक हैं और उनकी टीम में भूमिका हमेशा अहम रही है।

ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे दौरे के लिए पाकिस्तान टीम की घोषणा

लाहौर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में 2-1 से जीत दर्ज करने के बाद पाकिस्तान की टीम को अगले महीने सीमित ओवरों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद जिम्बाब्वे का दौरा करना है। ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान टीम को तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इस दौरे की शुरुआत 4 नवंबर से होगी। इसके बाद पाकिस्तान की टीम जिम्बाब्वे जाएगी, जहां उसे 3 वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलने हैं। दोनों दौरों के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को टीम का ऐलान कर दिया है। हालांकि दौरे के लिए चुनी गई टीम के साथ कप्तान के नाम का ऐलान अभी नहीं किया गया है।

पाकिस्तान क्रिकेट के चयनकर्ताओं ने दोनों दौरे लिए कई युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के साथ नसीम शाह और शाहीन शाह अफरीदी, जिन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पिछले दो टेस्ट मैचों से ब्रेक दिया गया था, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैचों के लिए वापस आ गए हैं, लेकिन उन्हें जिम्बाब्वे दौरे के लिए आराम दिया जाएगा। इसी तरह, मोहम्मद रिजवान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों सीरीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 मैचों से आराम दिया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम: आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अराफात मिन्हास, बाबर आजम, फैसल अकरम, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), कामरान गुलाम, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, सईम अयूब, सलमान अली आगा, शाहीन शाह अफरीदी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टी20 टीम: अराफात मिन्हास, बाबर आजम, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), जहांदाद खान, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, ओमैर बिन यूसुफ, साहिबजादा फरहान, सलमान अली आगा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफियान मोकिम, उस्मान खान।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए वनडे टीम: आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, अहमद दनियाल, फैसल अकरम, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), कामरान गुलाम, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मुहम्मद इरफान खान, सईम अयूब, सलमान अली आगा, शाहनवाज दहानी और तैय्यब ताहिर।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए टी20 टीम: अहमद दनियाल, अराफात मिन्हास, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), जहांदाद खान, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद हसनैन, मुहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, कासिम अकरम, साहिबजादा फरहान, सलमान अली आगा, सुफियान मोकिम, तैय्यब ताहिर और उस्मान खान।

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच पहला वनडे मैच 4 नवंबर को खेला जाएगा। इसके बाद 8 नवंबर को दूसरा वनडे और 10 नवंबर को तीसरा वनडे मैच खेला जाएगा।

वनडे सीरीज के बाद टी20 सीरीज खेली जाएगी। पहला टी20 मैच 14 नवंबर, दूसरा 16 नवंबर और तीसरा 18 नवंबर को खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के बाद पाकिस्तान जिम्बाब्वे जाएगी। जहां दोनों टीमों के बीच पहला वनडे 24 नवंबर को, दूसरा 26 नवंबर को और तीसरा 28 नवंबर को खेला जाएगा। तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाद इतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। पहला टी20 मैच एक दिसंबर को, दूसरा 3 दिसंबर और तीसरा 5 दिसंबर को खेला जाएगा।

अब भी मैक्सवेल ने नहीं छोड़ी टेस्ट क्रिकेट खेलने की उम्मीद

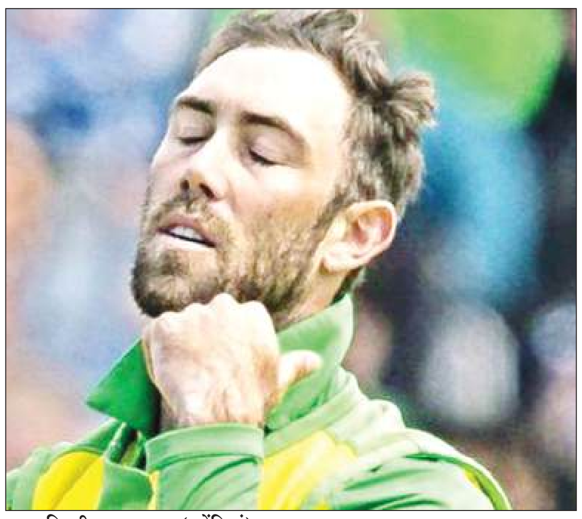

सिडनी,27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल सीमित ओवरों के एक बड़े खिलाड़ी रहे हैं पर टेस्ट में उन्हें खेलने का अधिक अवसर नहीं मिला है। वह केवल सात मैच ही खेल पाये हैं। मैक्सवेल ने कहा कि उनके अंदर अभी काफी टेस्ट क्रिकेट बचा हुआ है और अवसर मिला तो वह खेलेंगे। वह पिछले कई साल से टेस्ट क्रिकेट से दूर हैं। इस ऑलराउंडर ने कहा कि अगर वह अपने टेस्ट खेलने के सपने को छोड़ देते हैं, तो यह उस युवा मैक्सवेल के साथ अन्याय होगा, जिसने हमेशा लंबे प्रारूप में खेलने का सपना हमेशा से देखा था। मैक्सवेल के नाम सीमित ओवरों की क्रिकेट में कई उपलब्धियां हैं। उन्होंने अपना अंतिम टेस्ट 2017 में ऑस्ट्रेलिया के बांग्लादेश दौरे में खेला था। उन्होंने कहा, अगर मैंने टेस्ट क्रिकेट खेलने का सपना छोड़ दिया तो यह उस युवा ग्लेन मैक्सवेल के साथ अन्याय होगा, जिसने बचपन से ही बैगी ग्रीन कैप पहनने का सपना देखा था। अब भी मेरी टेस्ट खेलने की उम्मीद बनी हुई है, इसलिए मैं खेलने का सपना देखता रहूंगा।

भारत के खिलाफ हालांकि आगामी सीरीज में उन्हें टीम में शायद ही जगह मिले। मैक्सवेल को उम्मीद है कि जनवरी में श्रीलंका के दौरे के लिए वह टेस्ट टीम में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, जब मैं बड़ा हुआ तो मैं टेस्ट क्रिकेट में खेलना चाहता था। मेरा मानना है कि मुझे टेस्ट क्रिकेट में समय से थोड़ा पहले पदार्पण का मौका मिला। यह सब कुछ बहुत जल्दी हुआ और मुझे उस समय प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलने का उतना अनुभव नहीं था जितना कि मैं चाहता था, इस कारया मैरा प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। उनका टेस्ट क्रिकेट के प्रति लगाव अब भी बना हुआ है। इसलिए वह अभी भी टीम में जगह मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।

वेस्टइंडीज ने तीसरा टी20 जीता, श्रीलंका ने जीती सीरीज

कोलंबो, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज ने वर्षा प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में डकवर्थ-लुईस नीति से श्रीलंका को आठ विकेट से हरा दिया। श्रीलंका ने पहले दो मैच जीते थे। ऐसे में उसने 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। वेस्टइंडीज की जीत में एविन लुईस की अहम भूमिका रही। लुइस ने 102 रनों की पारी खेली। लुईस ने छक्का लगातार 61 गेंद में अपना पांचवां शतक लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस सलामी बल्लेबाज ने 51 रन के स्कोर पर टखना मुड़ने के बाद भी खेलना जारी रखते हुए शतकीय पारी खेली।

श्रीलंका ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 156 रन बनाए थे। इसके बाद बारिश के कारण पांच घंटे खेल रुका रहा जिससे मैच को 23 ओवर का कर दिया गया। इस प्रकार वेस्टइंडीज को जीत के लिए 23 ओवरों में 195 रन का संशोधित लक्ष्य मिला जिसे टीम ने 22 ओवर में दो विकेट पर 196 रन बनाकर हासिल कर लिया। श्रीलंका की ओर से दोनों सलामी बल्लेबाजों पथुम निसांका ने 56 और अविष्का फर्नांडो ने 34 रन बनाये। इस प्रकार इन दोनो ने पहले विकेट के लिए 17 आवेर में 81 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। एक बार फिर जब खेल शुरू हुआ तो कुसाल मेंडिस ने नाबाद 56 रन बना दिये।

फिटनेस को बेहतर बनाने ताइक्कांडो और कराटे का अभ्यास कर रही दीक्षा

गुरुग्राम,27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महिला गोल्फर दीक्षा डागर आजकल अपनी फिटनेस को बेहतरत बनाने में लगी हैं। इसी के तहत ही वह आजकल ताइक्कांडो और कराटे का अभ्यास कर रही है। दीक्षा कुछ समय पहले एक सड़के हादसे में घायल हो गयीं थी। उसके बाद से ही वह फिटनेस की समस्या से जूझ रही हैं। इससे उनके प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है।

दीक्षा ने कहा, ''मैं अपनी फिटनेस के साथ ताकत हासिल करने पर काम कर रही हूं। मैं इसके लिए कराटे सीख रही हूं और नियमित तौर पर जिम जा रही हूं।'' अपने पेशेवर करियर में तीन खिताब जीतने वाली दीक्षा ने कहा, '' मैंने एक सुबह पार्क में जॉगिंग करते समय कुछ बच्चों को कराटे करते हुए देखा और फिर मैंने भी इसे सीखना शुरू कर दिया। इस युवा खिलाडी ने कहा कि पेरिस में हुई सड़क दुर्घटना का उनके खेल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दुर्घटना में हालांकि उन्हें ज्यादा चोट नहीं लगी थी।''

हीरो वुमेंस इंडियन ओपन में खेल रही दीक्षा ने कहा, '' इस कोर्स पर अच्छा करने का मंत्र है कि आप अपने हर शॉर्ट का आनंद उठाओ। मैं अपने खेल में सुधार करने पर काम कर रही हूं और अपनी लय से खुश हूं। मैं इस बार अपने से कोई उम्मीद रखे बिना बस अपने खेल का आनंद उठाना चाहती हूं।'' पिछले सत्र में तीसरे स्थान पर रही दीक्षा ने कहा, '' मैं पिछले साल के प्रदर्शन से सकारात्मक सीख ले रही हूं। यहां मैदान पर गेंद की गति काफी ज्यादा हैं, मैं ताइवान में खेल कर आयी हूं, यहां गति बहुत कम थी। ऐसे में यहां तालमेल बिठाने के लिए थोड़ा परिश्रम करना होगा। यह मानसिक पहलू के बारे में ज्यादा है।'' गौरतलब है कि हीरो वुमेंस इंडियन ओपन में दुनिया भर से 114 महिला गोल्फ खिलाड़ी भाग ले रही है।

हरभजन बोले, धोनी उपलब्ध रहे तो जरुर रिटेन करेगी सीएसके

मुंबई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

2025 आईपीएल सत्र को लेकर सभी टीम अभी से अपनी योजनाएं बनाने लगी हैं। इसमें शामिल सभी फ्रेंचाइजियों के एक तय समय के अंदर उन खिलाड़ियों की सूची सौंपनी है जिन्हें वह रिटेन करेंगी। इसके अलावा किन खिलाड़ियों को मेगा नीलामी के लिए रिलीज किया जाएगा ये भी तय करना होगा। वहीं एक ओर जहां दिग्गज खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने को लेकर संशय जाहिर किया जा रहा है। वहीं पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम इस बार भी धोनी को अपने पास बनाये रखेगी। हरभजन ने धोनी के आईपीएल भविष्य पर अनिश्चितता व्यक्त की पर कहा कि अगर वह उपलब्ध रहते हैं तो वह सीएसके की पहली पसंद होंगे। हरभजन ने मेगा नीलामी 2025 से पहले धोनी के अलावा सीएसके टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को भी रिटेन किये जाने की उम्मीद जतायी है।

गौरतलब है कि नये नियमों के तहत आईपीएल फ्रेंचाइजी अपनी टीम के कुल 6 खिलाड़ियों को बरकरार रख सकती हैं। छह रिटेंशन/आरटीएम में अधिकतम पांच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय और विदेशी) और अधिकतम 2 अनकैप्ड खिलाड़ी हो सकते हैं। वहीं हरभजन ने कहा कि मुझे धोनी के खेलने का भरोसा नहीं है पर अगर वह उपलब्ध हैं, तो वह निश्चित रूप से टीम की पहली पसंद होंगे, भले ही उन्हें इस सत्र में अनकैप्ड खिलाड़ी माना जाए पर इसके बाद, अगली पसंद रवींद्र जड़ेजा और फिर रचिन रवींद्र होंगे। जहां तक कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी बरकरार रखे जाएंगे।

रुतुराज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 सीजन में 1 शतक और चार अर्द्धशतक सहित 583 रन बनाए थे। वहीं जडेजा और पथिराना ने फ्रेंचाइजी के लिए काफी विकेट लिए थे। हरभजन ने कहा कि मेरा मानना है कि इन चार खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। उनके अलावा, हम पथिराना को भी टीम में रख सकते हैं, जो एक उत्कृष्ट गेंदबाज हैं। मेरे विचार में धोनी, जड़ेजा, रचिन , रुतुराज और पथिराना को रिटेन किया जाएगा। आईपीएल 2025 के लिए फ्रेंचाइजी के लिए नीलामी राशि 120 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है।

पेरिस मास्टर्स नहीं खेल रहे जोकोविच

पेरिस। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच इस बार पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट नहीं खेल रहे हैं। जोकोविच के नहीं खेलने के कारणों की जानकारी नहीं है। वहीं आयोजकों ने भी कहा है कि जोकोविच ने अपना नाम वापस ले लिया है पर उसके पीछे के कारण नहीं बताये हैं। जोकोविच ने पिछले सप्ताह 'सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी टूर्नामेंट में भाग लिया था। सबसे लंबे समय तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे इस सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे उन प्रशंसकों के लिए दुख है जो मुझे वहां खेलते हुए देखना चाहते थे। वहां सात खिताब जीतने के दौरान पेरिस में मेरी कई अच्छी यादें हैं और उम्मीद है कि अगले साल में वहां वापसी करुंगा। जोकोविच ने पेरिस इनडोर टूर्नामेंट में रिकॉर्ड सात खिताब जीते हैं। उनके इसमें नहीं खेलने से साल के अंत में होने वाले एटीपी फाइनल्स के लिए उनके क्वालीफाई करने की संभावनाओं भी कम हुई हैं। एटीपी फाइनल्स में शीर्ष आठ खिलाड़ी शामिल होंगे। जोकोविच अभी एटीपी फाइनल्स की दौड़ में छठे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं जैनिक सिनर, कार्लोस अलकराज, अलेक्जेंडर ज्वेरेव और डेनियल मेदवेदेव ने 10 से 17 नवंबर तक होने वाली एटीपी फाइनल्स के लिए पहले ही क्वालीफाई कर लिया था।

संपादकीय

ब्रिक्स सम्मेलन में भारत

रूस के ऐतिहासिक शहर कजान में आयोजित ब्रिक्स समूह के नेताओं का शिखर सम्मेलन कई कारणों से महत्वपूर्ण रहा है। विशेषकर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से वैश्विक पटल पर भारत की स्थिति और अधिक मजबूत हुई है। भारत के दृष्टिकोण से यह सम्मेलन उसके लिए बहुत लाभप्रद रहा है। सम्मेलन की सबसे अधिक उल्लेखनीय एवं महत्वपूर्ण घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय वार्ता रही। पिछले कुछ साल से दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। इस बातचीत में विभिन्न मुद्दों पर दोनों नेताओं के बीच क्या सहमति बनी, उसका विवरण तो बाद में पता चल सकेगा, लेकिन पांच वर्षों के अंतराल के बाद भारत और चीन के शीर्ष नेताओं की भेंट से निश्चित रूप से संबंधों में बेहतरी का सिलसिला शुरू होगा। इस मुलाकात के बाद भारत-चीन की सीमा पर शांतिपूर्ण संबंधों की स्थापना की पहलकदमी शुरू भी हो गई। चीन की सेना ने अपने अस्थायी निर्माण हटाने शुरू कर दिए हैं और सीमा निगरानी को लेकर दोनों देशों की सेनाओं के मध्य एक रणनीतिक योजना भी बन गई है। सम्मेलन के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक शांति और सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ आपसी व्यापार में अपनी-अपनी मुद्राओं को प्राथमिकता देने का भी आह्वान किया। यदि प्रधानमंत्री मोदी का यह विचार आगे बढ़ता है, तब वैश्विक अर्थव्यवस्था में डॉलर की धमक कम होगी। जिसका लाभ सभी देशों को मिलेगा। भारत के प्रधानमंत्री मोदी का यह विचार इतना अधिक प्रभावशाली एवं उपयोगी है कि सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी राष्ट्रीय मुद्राओं के अधिकाधिक उपयोग पर बल दिया। हालांकि, ब्रिक्स के संदर्भ में अमेरिकी डॉलर के स्थान पर दूसरी मुद्राओं को अपनाने की चर्चा बहुत समय से हो रही है। लेकिन इस चर्चा को गंभीर रूप भारत दे सकता है। फिलहाल यह कहा गया है कि समूह के सदस्य देश अपनी मुद्राओं में अधिक व्यापार करने का प्रयास करेंगे। रूस और चीन के आपसी व्यापार का 90 से 95 प्रतिशत उनकी अपनी मुद्राओं में होता है। भारत और रूस के बीच का व्यापार का भी बड़ा हिस्सा स्थानीय मुद्रा में हो रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन से रूस को भी बड़ा लाभ हुआ है। यूक्रेन के साथ विवाद के बाद बनी वैश्विक स्थितियों में रूस को कमजोर करने के लिए यूरोप खूब जोर लगा रहा है। दरअसल, पश्चिमी देशों को लगता था कि वे रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिल्कुल अलग-थलग कर देंगे। उन्हें यह भी लगता था कि ग्लोबल साउथ के देश उनके दबाव में आ जायेंगे और रूस से दूरी बना लेंगे। लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन का आयोजन कर और लगभग तीन दर्जन देशों के नेताओं को आमंत्रित कर रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यह साबित कर दिया है कि वे कतई अलग-थलग नहीं पड़े हैं तथा ग्लोबल साउथ के उभरते हुए देश उनके साथ काम करने के लिए तैयार हैं। याद हो कि रूस के साथ संबंध सीमित करने के लिए भारत पर भी यूरोपीय देशों ने खूब दबाव डाला था लेकिन भारत ने उस दबाव को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। भारत किसी ताकत का पक्ष नहीं बना। वह अपनी स्थिति को लगातार मजबूत कर रहा है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि नये भारत को किसी भी प्रकार से अपनी ओर झुकाना या दबाव में लाना आसान नहीं है।

भारत के दृष्टिकोण से यह सम्मेलन उसके लिए बहुत लाभप्रद रहा है। सम्मेलन की सबसे अधिक उल्लेखनीय एवं महत्वपूर्ण घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय वार्ता रही। पिछले कुछ साल से दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। इस बातचीत में विभिन्न मुद्दों पर दोनों नेताओं के बीच क्या सहमति बनी, उसका विवरण तो बाद में पता चल सकेगा, लेकिन पांच वर्षों के अंतराल के बाद भारत और चीन के शीर्ष नेताओं की भेंट से निश्चित रूप से संबंधों में बेहतरी का सिलसिला शुरू होगा। इस मुलाकात के बाद भारत-चीन की सीमा पर शांतिपूर्ण संबंधों की स्थापना की पहलकदमी शुरू भी हो गई। चीन की सेना ने अपने अस्थायी निर्माण हटाने शुरू कर दिए हैं और सीमा निगरानी को लेकर दोनों देशों की सेनाओं के मध्य एक रणनीतिक योजना भी बन गई है। सम्मेलन के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक शांति और सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ आपसी व्यापार में अपनी-अपनी मुद्राओं को प्राथमिकता देने का भी आह्वान किया। यदि प्रधानमंत्री मोदी का यह विचार आगे बढ़ता है, तब वैश्विक अर्थव्यवस्था में डॉलर की धमक कम होगी।

भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यह कहना समीचीन ही है कि भरोसा बहाली में समय लगेगा

आखिर क्यों झुकता दिख रहा चीन

उमेश चतुर्वेदी

लद्दाख सीमा पर गश्ती को लेकर भारत और चीन के बीच सहमति बन तो गई है, लेकिन उस पर आंख मूंदकर भरोसा करना जल्दबाजी और नासमझी होगी। अतीत में चीन के रवैये को देखते हुए भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यह कहना समीचीन ही है कि भरोसा बहाली में समय लगेगा। रूस-यूक्रेन और इजराइल-हिजबुल्ला संघर्ष के संदर्भ में भारत और चीन के बीच हुए इस समझौते को बेहतर परिणति ही माना जाना चाहिए। 15 और 16 जून 2020 की रात को बिना हथियारों के भारतीय सैनिकों ने लाल सेना के भले ही दांत खट्टे कर दिए, लेकिन भारतीय विपक्षी दलों ने उस मौके को उत्तेजना की राजनीति के लिए बेहतर मौके के रूप में लिया था। महज एक साल पहले ही तमिलनाडु में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की चर्चित मुलाकात का हवाला देते हुए विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की थी। उनकी मंशा चीन के साथ सीधा युद्ध करने के लिए सरकार को उकसाना रहा। बेशक 1962 जैसी स्थिति नहीं रही। तब से लेकर भारत ने सैनिक और आर्थिक मोर्चे पर लंबा सफर तय कर लिया है। वहीं चीन इस अवधि में दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आर्थिक मोर्चे के लिहाज से देखें तो भारत पांचवें नंबर पर है और सैनिक ताकत के लिहाज से देखें तो चौथे नंबर है। चीन दुनिया के तीसरे नंबर की सैन्य शक्ति है। ऐसे में सीधी सैनिक कार्रवाई की अपनी सीमाएं थीं। इसलिए विपक्षी दलों के तमाम उलाहनों और उकसावों के बावजूद मोदी सरकार ने कूटनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर चीन को घेरना शुरू किया। इसका मतलब यह नहीं कि सीमा पर सैन्य चौकसी कम की गई या सेना को कार्रवाई की छूट नहीं दी गई।

गलवान के बाद जब भी जरूरत पड़ी, आधुनिक हथियार विहीन हमारे सैनिकों ने लाल सेना को आगे बढ़ने नहीं दिया। गलवान कांड के बाद भारत ने चीन के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए। उसमें सबसे पहला कदम यह रहा कि चीन के लिए सीधी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। गलवान कांड के बाद से ही पड़ोसी होने के बावजूद दोनों देशों के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। इस बीच चीन को आर्थिक मंदी का भी सामना करना पड़ा है। चीन को लगता है कि अगर भारत के साथ उसके कारोबारी रिश्ते बढ़ेंगे, तभी वह आर्थिक मोर्चे पर आगे रह सकता है। इसके लिए सीधी उड़ानें एक बड़ा जरिया हो सकती हैं। इसलिए सीमा पर विवाद के बावजूद वह भारत पर गाहे-बगाहे सीधी उड़ान सेवा बहाल करने के लिए कहता रहा है। वह यात्रियों के लिए सीधी उड़ान के साथ ही उनकी संख्या बढ़ाने पर भी जोर देता रहा है। लेकिन भारत ने इसकी लगातार उपेक्षा की। भारत ने एक और कड़ा कदम उठाया। चीन के लिए सख्त वीजा नियम लागू कर दिए। चीनी नागरिकों के लिए सख्त वीजा नियम होने की वजह से चीन के विशेष इंजीनियरों और तकनीशियनों की भारत में आवाजाही पर एक तरह से पाबंदी ही लग गई। इसकी वजह से चीनी आर्थिक गतिविधियों में कमी आई। इसके साथ ही भारत ने चीनी कंपनियों के निवेश पर भी कठोर नियम लागू कर दिए। गलवान कांड के तुरंत बाद भारत सरकार ने पड़ोसी देशों की कंपनियों के भारतीय निवेश की जांच प्रक्रिया में पुनरीक्षण और सुरक्षा मंजूरी की एक अतिरिक्त शर्त जोड़ दी। एक तरह से पड़ोसी देशों की कंपनियों के लिए नियम सख्त कर दिए गए। इसका सबसे ज्यादा असर चीनी कंपनियों पर पड़ा। इसकी वजह से भारतीय बाजार में चीनी कंपनियों द्वारा किए जाने वाले अधिग्रहण और निवेश पर लगाम लग गई। इसकी वजह से गलवान कांड के बाद से ही चीनी कंपनियों द्वारा प्रस्तावित अरबों डालर के निवेश की प्रक्रिया अटक गई। जिसका सीधा असर चीन की कंपनियों पर पड़ा और उन्हें आर्थिक दिक्कतें झेलनी पडीं। गलवान कांड के बाद भारत ने जो बड़ा कदम उठाया था, उसकी बड़ी चर्चा हुई थी। चीन की मोबाइल कंपनियों और एप्स की भारत में गलवान कांड के बाद बड़ी पहुंच बन गई थी। गलवान कांड के तुरंत बाद भारत ने डाटा और गोपनीयता की शर्तों के उल्लंघन का हवाला देते हुए चीन करीब 300 चीनी मोबाइल एप्स पर पाबंदी लगा दी थी। इसके बाद साल 2023 में मोदी सरकार ने चीन की स्मार्टफोन कंपनी विवो कम्युनिकेशन टेक्नॉलॉजी पर वीजा नियमों का उल्लंघन करने और 13 अरब डॉलर की धनराशि की हेराफेरी का आरोप लगाया था। जिसकी वजह से विवो के भारतीय बाजार पर बड़ा असर पड़ा। इसके साथ ही सरकार ने चीन की दूसरी बड़ी मोबाइल उत्पादक कंपनी शाओमी के खिलाफ कार्रवाई की। शाओमी पर आरोप लगा कि उसने विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून का उल्लंघन किया है। जांच में यह सही पाया गया और सरकार ने कार्रवाई करते हुए उसकी भारत स्थित करीब 60 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्तियों को जब्त कर लिया। इससे चीन के मोबाइल कारोबार को भारत में बड़ा झटका लगा। वैसे चीन को यहां तक लाने में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बातचीत की बड़ी भूमिका रही है। चीनी विदेश मंत्री चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के वरिष्ठ सदस्य हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक, वांग यी का मानना है कि संघर्षशील दुनिया के बीच दो प्राचीन पूर्वी सभ्यताओं और उभरते विकासशील देशों के रूप में चीन और भारत को अपनी स्वतंत्रता पर मजबूती से खड़ा रहना, लेकिन दोनों के बीच एकता और सहयोग भी होना चाहिए। वांग यी ने ही चीन को यह सुझाव दिया कि दोनों पड़ोसी देशों को एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए। माना जा रहा है कि भारत और चीन के बीच करीब तीन चौथाई समस्याओं को खत्म कराने में रूसी राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन का भी योगदान है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस, चीन के काफी करीब आया है। हालांकि उसने एक बात जरूर की है कि उसने भारत-चीन के रिश्तों में आई खटास के मद्देनजर कभी-भी चीन का साथ नहीं दिया, बल्कि भारत से अपनी पुरानी दोस्ती को बनाए रखा।

रूस-यूक्रेन और इजराइल-हिजबुल्ला संघर्ष के संदर्भ में भारत और चीन के बीच हुए इस समझौते को बेहतर परिणति ही माना जाना चाहिए। 15 और 16 जून 2020 की रात को बिना हथियारों के भारतीय सैनिकों ने लाल सेना के भले ही दांत खट्टे कर दिए, लेकिन भारतीय विपक्षी दलों ने उस मौके को उत्तेजना की राजनीति के लिए बेहतर मौके के रूप में लिया था। महज एक साल पहले ही तमिलनाडु में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की चर्चित मुलाकात का हवाला देते हुए विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की थी।

दृष्टि कोण

आखिर कब तक थमेंगे जम्मू-कश्मीर में हो रहे आतंकी हमले?

लीजिए जम्मू-कश्मीर में एक और आतंकवादी हमला हो गया, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग मारे गए। यह नृशंस वारदात किसकी शह पर हुई और किसकी नीतिगत लापरवाही से हुई, यह पुनः विमर्श का विषय है! क्योंकि हमारे देश में ऐसी घटनाएं आए दिन की बात हो चली हैं और राष्ट्र के किसी न किसी हिस्से में घटित होती रहती हैं। आखिर इस घटना के क्या मायने हैं, इस पर विचार करने से पहले एक सुलगता हुआ सवाल मेरे मनमस्तिष्क में कौंध रहा है कि आखिरकार 'खूनी होते जा रहे लोकतंत्र' और इसको 'संरक्षित करने वाले संवैधानिक तंत्र' के पास ऐसी वहशी वारदातों को रोकने के लिए अबतक कोई स्थायी मूलमंत्र क्यों नहीं मिला है? आखिर कब तक ऐसी अप्रत्याशित घटनाओं के खात्मे होंगे और इसे प्रोत्साहित करने वाले लोगों और उन्हें रोकने में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई कबतक सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ऐसी वारदातों पर पूर्ण विराम लग सके! यदि नहीं, तो क्यों नहीं? आम जनता को जवाब चाहिए। क्योंकि इस बद से बदतर स्थिति के लिए हमारी राजनीति और उसके इशारे पर थिरकने वाला प्रशासन भी कहीं न कहीं जिम्मेदार अवश्य है। बस इसके न्यायसंगत पड़ताल की जरूरत है, जो बीते कई दशकों से नहीं हो पा रही है! उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में आतंकियों ने एक और कायराना हमला करते हुए 7 मेहनतकश लोगों की उस वक्त जान ले ली, जब वो खाना खाने के लिए मेस में बैठे हुए थे। इस आतंकी वारदात में मरने वालों में एक स्थानीय डॉक्टर और टनल निर्माण में लगे 6 कर्मचारी भी शामिल हैं, जिनमें से 5 लोग बाहरी राज्यों से थे। उनमें 2 अधिकारी वर्ग के और 3 श्रमिक वर्ग के थे। वहीं, इस नृशंस हमले में 5 अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हमला सोनमर्ग इलाके में हुआ और घटना के बाद सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में हुए आतंकी हमले में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। यह हमला रात करीब 8:30 बजे हुआ, जब सभी कर्मचारी खाना खाने के लिए मेस में एकत्र हुए थे। चश्मदीदों के मुताबिक, जब कर्मचारी मेस में भोजन कर रहे थे, तभी 3 आतंकी वहां पहुंचे और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इससे पहले कि कोई प्रतिक्रिया कर पाता, आतंकी हमला करके वहां से फरार हो गए। इस गोलीबारी में दो वाहन भी आग की चपेट में आकर जलकर खाक हो गए। खबरों के अनुसार, इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (TRF) ने ली है। जिसकी अविलंब कमर तोड़ देनी चाहिए। मसलन, प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि जिन श्रमिकों पर हमला हुआ, वे जेड मोड़ सुरंग परियोजना में काम कर रहे थे, जो गगनगीर घाटी को सोनमर्ग से जोड़ने वाली एक सुरंग है। इसका निर्माण उत्तर प्रदेश की एप्को नामक कंपनी द्वारा किया जा रहा है और इसे 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके चलते वहां तेजी से काम चल रहा था। सवाल है कि जब धारा 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में हाल ही में नई सरकार का गठन हुआ है और नेशनल कांफ्रेंस के चीफ उमर अब्दुल्ला ने घाटी में सरकार बनाई है, तब यह बड़ा सवाल है कि आखिर में आतंकियों के असल निशाने पर क्या था? क्योंकि नई सरकार बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में यह पहली आतंकी वारदात हुई है। वहीं, दूसरा सवाल यह है कि क्या आतंकियों के निशाने पर घाटी के विकास कार्यों को रोकना है।

कुछ अलग

त्रूदो के मंसूबे

दशकों से कनाडा आप्रवासियों का दिल खोलकर स्वागत करता रहा है। कनाडा का आप्रवासन मंत्र रहा है कि जितने अधिक प्रवासी लोग आएंगे, उतना उसके लिए बेहतर रहेगा। कभी नवागंतुकों का खुली बांहों से स्वागत करने वाले कनाडा की सोच रही है कि दूसरे देशों से आने वाले प्रवासी खुद को स्थापित करने के लिये अधिक मेहनत करते हैं और नये देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां तक कि कनाडा ने उन कट्टरपंथियों और चरमपंथियों का भी स्वागत किया, जो अपने मूल देशों में कानून की रेखाओं का अतिक्रमण करते रहे हैं। कनाडा सरकार खुद अपनी पीठ थपथपाती रही है कि वह अपने समकक्ष पश्चिमी देशों की तुलना में आप्रवासियों के लिये बेहतर स्थिति बनाने में अव्वल रही है। लेकिन समय के साथ-साथ स्थितियां विसंगतियों की शिकार हुई हैं। आप्रवासियों के लिये सदैव द्वार खुले रखने की कनाडा की नीतियों के चलते, वहां के मूल नागरिक मानते हैं कि इस उदार नीति का आवास, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। जिसके चलते ट्रूडो सरकार पर न केवल विपक्ष बल्कि अपनी पार्टी का भी दबाव बढ़ रहा है। आज उनकी पार्टी में ट्रूडो का इस्तीफा मांगने वालों की संख्या भी कम नहीं है। इस दबाव का ही प्रभाव है कि ट्रूडो सरकार स्वीकार कर रही है कि उनकी सरकार श्रम जरूरतों को संबोधित करने और जनसंख्या वृद्धि को बनाए रखने के बीच सही संतुलन बनाने में विफल ही रही है। सरकार मानने लगी है कि आप्रवासन टिकाऊ होना चाहिए। दरअसल, कनाडा में लिबरल सरकार की लोकप्रियता में लगातार कमी आई है। जिसकी चिंता में कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो आम चुनावों से एक साल पहले ही हाथ-पैर मार रहे हैं। ट्रूडो की सोच है कि कुछ सख्त कदम उठाकर वे अपने मतदाताओं को आकर्षित कर सकते हैं। यहां तक कि उन्होंने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये अपने पुराने मित्र व बड़े लोकतांत्रिक देश भारत से संबंध खराब करने से भी गुरेज नहीं किया। दरअसल, जस्टिन ट्रूडो के मुगालते कम नहीं हुए हैं। अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये उन्होंने भारत का मुखर विरोध करने वाले जिन सांसदों का समर्थन लिया, उनके एजेंडे को पूरा करने में ट्रूडो सारी सीमाएं लांघ रहे हैं। राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते ट्रूडो मानकर चल रहे हैं कि वे अपने चौथे कार्यकाल के लिये चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। लेकिन पार्टी में चल रहे विरोध के चलते आशंका है कि उनका हश्र भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जैसा न हो, जिनको डेमोक्रेट्स के भारी दबाव के बाद राष्ट्रपति पद की फिर से दावेदारी छोड़नी पड़ी। लेकिन ट्रूडो की राजनीतिक महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल रही कि वे अपरिपक्वता के चलते अपने पुराने सहयोगी नई दिल्ली के साथ संबंध बिगाड़ने से भी नहीं चूके। इसी कड़ी में वे कोशिश कर रहे हैं कि भारत से आने वाले प्रवासियों की संख्या को कम कर सकें। इसमें दो राय नहीं है कि कनाडा में स्थायी निवास की अनुमति की प्रक्रिया में जो बदलाव की मंशा ट्रूडो सरकार जता रही है, उसका सबसे ज्यादा असर भारतीय प्रवासियों पर पड़ेगा। हालांकि, उम्मीद के अनुरूप कुछ देशों से ही उन्हें नई नीति को लेकर समर्थन मिला है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दावेदार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अब जस्टिन ट्रूडो कनाडा की सीमाओं को बंद करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप अमेरिका में सीमाओं को लेकर सख्त कदम उठाने की बात करते रहे हैं। यहां तक कि अमेरिका की मैक्सिको सीमा पर दीवार बनाना उनका मुख्य एजेंडा रहा है।

देश दुनिया से

गंभीर रोगों के इलाज में मददगार शोध को सम्मान

माइक्रो आरएनए की खोज और ट्रांसक्रिप्शन के बाद जीन एक्प्रेशन को रेगुलेट करने में उनकी भूमिका के लिए अमेरिका के दो विज्ञानियों विक्टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन को संयुक्त रूप से साल 2024 का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिलेगा। नोबेल असेंबली ने कहा कि उनकी खोज जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है। माइक्रो आरएनए जेनेटिक मैटेरियल आरएनए का सूक्ष्म हिस्सा होता है जो कोशिका के स्तर पर जीन की कार्यप्रणाली को बदलने देता है। माइक्रो आरएनए की जीन की गतिविधि को नियंत्रित करने और जीवों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दोनों विज्ञानियों की खोज ने जीन को नियंत्रित करने के नए सिद्धांत के बारे में बताया है। उनके शोध से यह समझने में मदद मिली कि शरीर में कोशिकाएं कैसे काम करती हैं। एंब्रोस ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में माइक्रो आरएनए को लेकर शोध किया। वह यूनिवर्सिटी आफ मैसाचुसेट्स मेडिकल स्कूल में नेचुरल साइंस के प्रोफेसर हैं, जबकि रुवकुन ने यह शोध मैसाचुसेट्स जनरल हास्पिटल और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में किया। पिछले साल कैटालिन कारिको और ड्रू वीसमैन को चिकित्सा का नोबेल दिया गया था। इन्हें न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधनों से संबंधित उनकी खोजों के लिए यह सम्मान दिया गया था। इस खोज की वजह से कोरोनावायरस के खिलाफ प्रभावी एमआरएनए टीकों के विकास में मदद मिली थी। नोबेल दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है, जिसके तहत विजेताओं को एक स्वर्ण पदक, प्रमाणपत्र और करीब एक करोड़ स्वीडिश क्रोना यानी करीब 8.3 करोड़ रुपए की राशि दी जाती है। माइक्रो आरएनए एक छोटा अणु है जो जीन गतिविधि को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भले ही हमारे शरीर की सभी कोशिकाओं में एक जैसे जीन होते हैं, लेकिन विभिन्न प्रकार की कोशिकाएं, जैसे मांसपेशी और तंत्रिका कोशिकाएं, अलग-अलग कार्य करती हैं। यह जीन रेगुलेशन के कारण संभव है, जो कोशिकाओं को केवल उन जीनों को 'चालू' करने की अनुमति देता है जिनकी उन्हें आवश्यकता होती है। यह खोज जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके को समझने के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है। माइक्रो आरएनए को लेकर एम्ब्रोस और रुवकुन की खोज ने इस विनियमन के होने का एक नया तरीका बताया है। अमेरिकी विज्ञानी विक्टर एंब्रोस ने 1993 में पहला माइक्रो आरएनए खोजा था। जीवविज्ञानी गैरी ब्रूस रुवकुन ने दूसरे माइक्रो आरएनए एलईटी-7 की खोज की थी। उन्होंने पता लगाया कि विक्टर एंब्रोस द्वारा पहचाना गया पहला माइक्रो आरएनए लिन-4 आरएनए को कैसे नियंत्रित करता है। हमारे शरीर की हर कोशिका में लगभग 20,000 जीन होते हैं। ये जीन, प्रोटीन बनाने के लिए आवश्यक निर्देशों को एनकोड करते हैं। प्रोटीन हमारे शरीर के लिए बिल्डिंग ब्लॉक्स जैसे होते हैं। लेकिन हर कोशिका के काम करने का तरीका अलग होता है। जैसे मांसपेशी कोशिका और तंत्रिका कोशिका अलग-अलग काम करती हैं। इसलिए हर कोशिका को अलग तरह के प्रोटीन की जरूरत होती है। मतलब, हर कोशिका में कुछ खास जीन ही काम करते हैं। ये जीन, कोशिका के आसपास के वातावरण अनुसार बदलते रहते हैं। जब कोई जीन काम करना शुरू करता है, तो उस जीन से एक नया अणु बनता है जिसे मैसेंजर आरएनए कहते हैं। यह आरएनए प्रोटीन बनाने के लिए कोशिका के एक हिस्से में जाता है। बहुत समय तक वैज्ञानिकों का मानना था कि जीन की गतिविधि मुख्य रूप से डीएनए से जुड़ने वाले विशेष प्रोटीन द्वारा नियमित होती है, जिन्हें ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर कहा जाता है। लेकिन विक्टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन ने एक नई खोज की व पाया कि माइक्रो आरएनए नाम के बहुत छोटे अणु भी इस काम में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब ये दोनों वैज्ञानिक 1993 में एक सीरीज में लगातार लैब में प्रयोग कर रहे थे, तब इन्होंने एक छोटे से कीड़े, सी. एलिगेंस में, एक विशेष प्रकार के मोलिक्युल की खोज की। इस मोलिक्युल को उन्होंने लिन-4 नाम दिया। बाद में यही मोलिक्युल माइक्रो आरएनए कहलाया। इसी तरह साल 2000 में वैज्ञानिकों ने एक और माइक्रो आरएनए लेट-7 की खोज की। यह माइक्रो आरएनए न केवल सी. एलिगेंस में बल्कि सभी जानवरों में पाया जाता है। अब तक एक हजार से ज्यादा माइक्रो आरएनए खोजे जा चुके हैं। इंपीरियल कालेज लंदन में मोलिक्युलर आंकोलाजी की लेक्चरर डॉ. क्लेयर फ्लेचर के अनुसार, इस शोध ने कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज के लिए विज्ञानियों के रास्ते खोल दिए हैं। माइक्रो आरएनए कोशिकाओं को नए प्रोटीन बनाने के लिए जेनेटिक निर्देश देता है। यह रोगों के उपचार के लिए दवाओं के विकास और बायोमार्कर के रूप में उपयोगी हो सकता है। त्वचा कैंसर के इलाज में माइक्रो आरएनए तकनीक किस तरह से मददगार हो सकती है, इस पर क्लीनिकल परीक्षण जारी हैं। गुणसूत्रों में मौजूद जानकारी हमारे शरीर की सभी कोशिकाओं के लिए निर्देश पुस्तिका की तरह है। हर कोशिका में एक जैसे गुणसूत्र होते हैं, इसलिए उन सभी के पास निर्देशों का एक ही सेट होता है। लेकिन मांसपेशी और तंत्रिका कोशिकाओं जैसी विभिन्न प्रकार की कोशिकाएं एक-दूसरे से बहुत अलग होती हैं। यह मनुष्यों सहित दूसरे जीवों के लिए बेहद मायने रखता है। मानव शरीर में एक हजार से ज्यादा माइक्रो आरएनए होते हैं। ऐसे में उनकी खोज ने हमें जीवों के बढ़ने और काम करने के तरीके के बारे में एक नया पहलू समझने में मदद की है। 1901 के बाद से चिकित्सा के क्षेत्र में दिया जाने वाला यह 115वां नोबेल पुरस्कार है।

नोबेल असेंबली ने कहा कि उनकी खोज जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है। माइक्रो आरएनए जेनेटिक मैटेरियल आरएनए का सूक्ष्म हिस्सा होता है जो कोशिका के स्तर पर जीन की कार्यप्रणाली को बदलने देता है। माइक्रो आरएनए की जीन की गतिविधि को नियंत्रित करने और जीवों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

आप का नजरिया

भारत-चीन संबंधों में सुधार की पहल

भारत और चीन द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 2020 से पहले की स्थिति को फिर से बहाल करने पर सहमत होना दोनों देशों के संबंधों में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सीमा से संबंधित दशकों से स्थापित व्यवस्था तथा उनके आधार पर दोनों देशों के बीच विश्वास बढ़ाने के प्रयासों को 2020 में चीन की आक्रामकता से बड़ा झटका लगा था। गलवान में हुई हिंसक झड़प में कई भारतीय और चीनी सैनिकों की मौत भी हुई थी। उस घटना के बाद से सीमा पर तनातनी बढ़ती गयी तथा बड़ी संख्या में दोनों देशों ने अपने सैनिकों को तैनात किया। फिर भी भारत ने अपनी संप्रभुता, संयुक्त राष्ट्र चार्टर आदि को ध्यान में रखते हुए कूटनीति और संवाद का सिलसिला जारी रखा। सैन्य अधिकारियों के अलावा हमारे विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार चीन के अपने समकक्ष पदाधिकारियों से मिलते रहे। दोनों देशों के बीच सैनिक अधिकारियों की जो कार्यसमिति है, उसकी कई बैठकें हो चुकी हैं। साथ ही, कूटनीतिक और सैन्य अधिकारियों की संयुक्त समिति की बैठकें भी होती रही हैं। इन प्रयासों से तनाव को समाप्त करने में धीमी गति से प्रगति होती रही। इसका एक कारण यह है कि चीन भारत को एक प्रतिद्वंद्वी की तरह देखता है तथा यह समझता है कि उसे नियंत्रित करने में भारत अमेरिका को सहयोग देता है। पर वास्तव में भारत की नीति स्पष्ट है कि हम किसी भी देश के विरुद्ध नहीं हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समावेशी माहौल होना चाहिए तथा स्थापित नियमों का पालन सभी देशों को करना चाहिए। इस प्रकरण में भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत हुई है। यह दुनिया के उन देशों के लिए भी सबक है, जो युद्ध में हैं। यदि आप शांतिपूर्ण ढंग से बातचीत का क्रम बनाकर आगे बढ़ते हैं, तब समाधान निकल ही आता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात के बाद अब दोनों देशों के संबंधों में जमी बर्फ पिघलेगी। यहाँ से आवश्यक है कि चीन अपनी विश्वसनीयता को बनाए रखे। क्योंकि चीन के बारे में धारणा है कि वह कभी भी पलटी मार सकता है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू चीन के साथ भाई-भाई का नारा लगाते रह गए थे और चीन ने भारत की पीठ में छुरा घोंप दिया था। बहरहाल, भारत और चीन दोनों एशिया की महाशक्तियां हैं। एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति एवं विकास पर दोनों का गहरा प्रभाव है। इसलिए भी आवश्यक है कि दोनों देशों के बीच विश्वास का वातावरण बने और आपसी सहयोग की नीति बने। कहना होगा कि यहाँ से दोनों देशों के संबंध किस दिशा में आगे बढ़ते हैं, यह बहुत हद तक चीन के व्यवहार पर भी निर्भर करेगा। भारत तो सदैव से मित्रता और सह-अस्तित्व की भावना को लेकर आचरण करता है। यहाँ भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के वक्तव्य का उल्लेखनीय है- "संबंधों के तीन आधार होते हैं- परस्पर सम्मान, परस्पर हित और परस्पर संवेदना"। निःसंदेह, अगर चीन इन पर ध्यान देता है, तो परस्पर सहयोग बढ़ेंगे। भारत तो इन तीनों आधारों को सदैव जीता है।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद हुए त्यौहारी मांग बढ़ने से सभी तेल-तिलहनों में सुधार दर्ज हुआ

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वैश्विक बाजारों में तेजी और देश में त्योहारी मांग बढ़ने से देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव मजबूत बंद हुए। इस तेजी के कारण सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार देखने को मिला। बाजार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पामतेल (सीपीओ) का भाव 1,200 डॉलर प्रति टन हो गया जो उसके पिछले सप्ताह 1,135-1,140 डॉलर प्रति टन था। इसी तरह सोयाबीन तेल का दाम 1,140-1,045 डॉलर प्रति टन से बढ़कर समीक्षाधीन सप्ताह में 1,242-1,247 डॉलर प्रति टन हो गया। इसके अलावा त्योहारी मांग बढ़ने से सभी तेल-तिलहनों में सुधार दर्ज हुआ। सूत्रों ने कहा कि सरकार को सूरजमुखी तेल की ही तरह आयात होने वाले सोयाबीन तेल, सीपीओ और पामोलीन तेल के लिए भी बाजार भाव के हिसाब से आयात शुल्क मूल्य (टैरिफ) निर्धारण की व्यवस्था कर देनी चाहिये, क्योंकि आयात शुल्क में वृद्धि के बाद सूरजमुखी और बाकी तेल के आयात शुल्क मूल्य निर्धारण के अलग-अलग मानदंड अपनाने की वजह से अब इन्हीं खाद्य तेलों के आयात भाव का अंतर काफी बढ़ जाता है, जिससे सूरजमुखी महंगा बैठता है। इससे इसका आयात प्रभावित हो सकता है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,475-6,525 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 400 रुपये की तेजी के साथ 13,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 45 रुपये और 55 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 2,160-2,260 रुपये और 2,160-2,285 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 115 रुपये और 110 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 4,760-4,810 रुपये और 4,460-4,695 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 550 रुपये, 500 रुपये और 450 रुपये बढ़कर क्रमशः 13,650 रुपये, 13,150 रुपये और 10,050 रुपये क्विंटल पर बंद हुए।

पेट्रोल और डीजल कीमतें स्थिर, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के घटने और बढ़ने के दौरान घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के भाव रविवार को स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.14 प्रतिशत उबलकर 71.69 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया जबकि लंदन ब्रेंट क्रूड 0.20 प्रतिशत उतरकर 75.90 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर 87.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 प्रति लीटर, डीजल 92.34 रुपए प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर है।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा : लगातार चौथे सप्ताह बाजार गिरावट का शिकार

सेंसेक्स 1,822 अंक और निफ्टी 673 अंक टूटे

निवेशकों को 20.72 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार के लिए 25 अक्टूबर को खत्म हुआ कारोबारी सप्ताह एक बार फिर बड़ी गिरावट वाला सप्ताह साबित हुआ। शेयर बाजार में लगातार चौथे सप्ताह कमजोरी बनी रही। इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक दो प्रतिशत से अधिक लुढ़क गए। बीएसई का सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 1,822.46 अंक यानी 2.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 79,402.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 673.25 अंक यानी 2.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इस गिरावट के कारण अगस्त 2023 के बाद घरेलू शेयर बाजार में पहली बार सबसे लंबी साप्ताहिक बिकवाली का सिलसिला देखा गया। शेयर बाजार में साप्ताहिक आधार पर आई इस कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 25 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के बाद घट कर 437.43 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि इसके पहले के यानी 18 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के बाद इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 458.15 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को 21 से 25 अक्टूबर के साप्ताहिक कारोबार से करीब 20.72 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। 21 से 25 अक्टूबर तक के कारोबार के दौरान बीएसई के लार्ज कैप इंडेक्स में 3.21 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। लार्ज कैप इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से एबीबी इंडिया, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, सिमेंस, इंडसइंड बैंक, बंधन बैंक, इंडस टावर्स, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, अडाणी एंटरप्राइजेज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और डीएलएफ के शेयर में साप्ताहिक आधार पर 10 से लेकर 22 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। लार्ज कैप की तरह बीएसई के मिडकैप इंडेक्स में भी पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान 5.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से सुप्रीम इंडस्टरीज, राजेश एक्सपोर्ट्स, एलएंडटी फाइनेंस, वोडाफोन आइडिया, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स, इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स और एसजेवीएन के शेयर 10 से लेकर 15 प्रतिशत तक लुढ़क गए। पिछले सप्ताह सबसे अधिक गिरावट बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स में दर्ज की गई। 21 से 25 अक्टूबर के बीच हुए कारोबार के दौरान स्मॉलकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 7.3 प्रतिशत टूट गया। स्मॉलकैप कंपनियों में से आरबीएल बैंक, आईआईएफएल सिक्योरिटीज, पीएनसी इंफ्राटेक, पूनावाला फिनकॉर्प, हुहतमाकी इंडिया, जीबीएस फार्मा, चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और केपीआईटी टेक्नोलॉजी के शेयरों में 20 से लेकर 32 प्रतिशत तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। हालांकि स्मॉलकैप की कुछ कंपनियां ने साप्ताहिक आधार पर 10 से लेकर 15 प्रतिशत तक मुनाफा भी कमाया। इन कंपनियों में सिटी यूनियन बैंक, केयर रेटिंग्स, दीपक फर्टिलाइजर्स, टाईमेक्स ग्रुप इंडिया और अंबर एंटरप्राइजेज इंडिया के नाम शामिल हैं। मार्केट प्राइस वैल्यू के हिसाब से देखा जाए तो शेयर बाजार की हलचल की वजह से 25 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर को सबसे अधिक नुकसान का सामना करना पड़ा। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और लार्सन एंड टूब्रो मार्केट प्राइस वैल्यू में गिरावट के मामले में दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहे। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के मार्केट प्राइस वैल्यू में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान भी मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और चीन द्वारा दिए गए आर्थिक राहत पैकेज के कारण विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाली करते रहे। विदेशी निवेशकों के जोरदार आउटफ्लो के कारण मार्केट सेंटीमेंट लगातार बिगड़ते गए। इसके साथ ही मौजूदा वित्त वर्ष की सितंबर में खत्म हुई दूसरी तिमाही के दौरान कंपनियों के कमजोर नतीजों ने भी बाजार की गिरावट में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण भी ग्लोबल सेंटीमेंट्स में पॉजिटिविटी नहीं आ सकी है, जिसका असर अमेरिका समय दुनिया भर के स्टॉक मार्केट में गिरावट के रूप में नजर आ रहा है। अलकनंदा फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रमेश गौतम के मुताबिक घरेलू बाजार के ऊंचे वैल्यूएशन के कारण भी लंबे समय से करेक्शन होने की संभावना जताई जा रही थी। ऐसे में मिडिल ईस्ट के तनाव और घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों ने करेक्शन के लिए एक ट्रिगर का काम किया है, जिसकी वजह से अक्टूबर के महीने में लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ है। इस बिकवाली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो चुके हैं। रमेश गौतम का कहना है कि वैश्विक मोर्चे से अभी भी निगेटिविटी बढ़ाने की ही खबरें आ रही हैं, इसलिए घरेलू शेयर बाजार में भी जल्दी सुधार आने के आसार कम ही हैं।

भारत में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में वृद्धि की महत्वपूर्ण संभावनाः एरिक्सन

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत में 4जी, 5जी सेवाओं में अब भी काफी अवसर

स्वीडन की दूरसंचार उपकरण विनिर्माता कंपनी एरिक्सन का कहना है कि भारत में अंतिम उपयोगकर्ता तक डेटा खपत बढ़ने से उसकी वृद्धि का अगला चरण नेटवर्क सघनीकरण (नेटवर्क डेंसिफिकेशन) से आगे बढ़ेगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। एरिक्सन के भारत में प्रबंध निदेशक और दक्षिण-पूर्व एशिया, ओसियाना और भारतीय बाजार क्षेत्र के लिए एक अधिकारी ने बताया कि भारत में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में वृद्धि की महत्वपूर्ण संभावना है, और तैनाती की संख्या के मामले में यह जल्द ही अमेरिका के आंकड़े को पार कर जाएगी। अधिकारी ने कहा कि वृद्धि का अगला चरण मुख्य रूप से नेटवर्क उपयोग को बढ़ाने के लिए नेटवर्क सघनीकरण के माध्यम से बढ़ती ट्रैफिक' जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। नेटवर्क का इस्तेमाल बढ़ने से नेटवर्क सघन होता है। नेटवर्क सघनीकरण नेटवर्क में नोड्स का घनत्व बढ़ाने की प्रक्रिया है, जिससे क्षमता, कवरेज सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होता है। एरिक्सन का अनुमान है कि भारत में डेटा ट्रैफिक 2029 तक प्रति स्मार्टफोन उपयोगकर्ता प्रतिमाह 29 जीबी से बढ़कर 68 जीबी तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि यह रुख जारी रहता है तो सेवाप्रदाता उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बढ़ाने के लिए नेटवर्क को सघन करेंगे। भारत में 2022 की दूसरी छमाही और 2023 की शुरुआत में 5जी की तेजी से शुरुआत की वजह से एरिक्सन और अन्य दूरसंचार उपकरण विनिर्माताओं के कारोबार में काफी तेजी आई थी। हालांकि, अब उनके कारोबार की रफ्तार धीमी हुई है। एरिक्सन ने दक्षिण-पूर्व एशिया, ओसियाना और भारतीय क्षेत्र में सितंबर, 2024 की तीसरी तिमाही के लिए कारोबार में सालाना आधार पर 44 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

फ्रॉड कॉल...

मुकाबला कर सकते हैं।

श्री मोदी ने डिजिटल अरेस्ट पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे बचने के लिये तीन चरणों रुको, सोचो और कार्रवाई करो पर अमल किया जाना चाहिए। उन्होंने साइबर के नये अपराध से लोगों को परेशान होने पर चिंता व्यक्त करते हुए एक ऑडियो रिकार्डिंग सुनाई। उन्होंने कहा कि डिजिटल अरेस्ट की धोखाधड़ी में फ़ोन करने वाले पुलिस, केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), नारकोटिक्स और आरबीआई की भांति-भांति के भेष में बनावटी अधिकारी बनकर बात करते हैं और बड़े आत्मविश्वास के साथ करते हैं। उन्होंने कहा इसके बारे में समझना बहुत जरूरी है औरों को भी समझाना उतना ही आवश्यक है। श्री मोदी ने साइबर अपराध के तौर तरीकों का उल्लेख करते हुए कहा, कभी भी इस तरह का कोई फ़ोन आए तो आपको डरना नहीं है। आप को पता होना चाहिए कोई भी जांच एजेंसी, फ़ोन या वीडियो कॉल पर इस तरह पूछताछ कभी भी नहीं करती हैं।

श्री मोदी ने डिजिटल सुरक्षा के तीन चरणों का उल्लेख करते हुए कहा, रुको-सोचो-एक्शन लो। फ़ोन आते ही, रुको- घबराएं नहीं, शांत रहें, जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं, किसी को अपनी व्यक्तिगत जानकारी न दें, संभव हो तो स्क्रीनशॉट लें और रिकॉर्डिंग जरूर करें। इसके बाद आता है, दूसरा चरण, पहला चरण था रुको, दूसरा चरण है सोचो। कोई भी सरकारी एजेंसी फ़ोन पर ऐसे धमकी नहीं देती, न ही वीडियो कॉल पर पूछताछ करती है, न ही ऐसे पैसे की मांग करती है- अगर डर लगे तो समझिए कुछ गड़बड़ है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध की स्थिति में राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर फोन करना चाहिए और साइबरक्राइम डॉट गोव डॉट इन पर रिपोर्ट करना चाहिए। इसके अलावा, परिवार और पुलिस को सूचित करना चाहिए और सबूत सुरक्षित रखना चाहिए।

आत्मनिर्भरता हमारी नीति ...

वैज्ञानिक प्रगति पर प्रकाश डाला। पीएम ने कहा, अब आत्मनिर्भर भारत अभियान एक जन आंदोलन बन रहा है। इस महीने हमने लद्दाख के हान्ले में एशिया के सबसे बड़े इमेजिंग टेलीस्कोप एमएसीई का उद्घाटन किया। यह 4300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है... ऐसी जगह जहां ठंड -30 डिग्री से भी कम है, जहां ऑक्सीजन की भी कमी है, हमारे वैज्ञानिकों और स्थानीय उद्योग ने वो कर दिखाया है जो एशिया के किसी अन्य देश ने नहीं किया। हान्ले टेलीस्कोप भले ही दूर की दुनिया को देख रहा हो, लेकिन यह हमें आत्मनिर्भर भारत की ताकत भी दिखा रहा है।

एमएसीई वेधशाला में एशिया का सबसे बड़ा इमेजिंग चेरेनकोव टेलीस्कोप शामिल है, इसके अलावा, 4300 मीटर की ऊंचाई पर होने के कारण यह दुनिया में अपनी तरह का सबसे ऊंचा टेलीस्कोप है। यह दूरबीन भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी), इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) और अन्य उद्योग साझेदारों के सहयोग से स्वदेशी तौर पर निर्मित की गई है। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के सचिव और परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के अध्यक्ष अजीत कुमार मोहंती ने 8 अक्टूबर को एमएसीई का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से दिवाली के इस त्यौहारी सीजन में वोकल फॉर लोकल के मंत्र को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान लोगों को स्थानीय स्तर पर खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, इस त्योहारी सीजन में, आइए हम सभी आत्मनिर्भर भारत के इस अभियान को मजबूत करें। हम अपनी खरीदारी वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ करें। यह नया भारत है जहां मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड बन गया है। हमें न केवल भारत को आत्मनिर्भर बनाना है बल्कि अपने देश को नवाचार के वैश्विक महाशक्ति के रूप में भी स्थापित करना है।

एनिमेशन की...

भारत के एनिमेशन विशेषत: यहाँ की एनिमेशन फिल्में, अपनी सामग्री और रचनात्मकता की वजह से दुनिया-भर में पसंद की जा रही हैं। आपने देखा होगा कि फोन से लेकर सिनेमा के पर्दे तक एनिमेशन हर जगह मौजूद है।

उन्होंने कहा, एनिमेशन की दुनिया में भारत नई क्रांति करने की राह पर है। भारत के गेमिंग स्पेस का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। भारतीय खेल भी इन दिनों दुनिया-भर में लोकप्रिय हो रहे हैं। कुछ महीने पहले मैंने भारत के अग्रणी खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की थी, तब मुझे, भारतीय खेल की अदभुत रचनात्मकता और गुणवत्ता को जानने-समझने का मौका मिला था। वाकई, देश में रचनात्मक ऊर्जा की एक लहर चल रही है। एनिमेशन की दुनिया में मेड इन इंडिया और मेड बाइ इंडियंस छाया हुआ है । आपको ये जानकर खुशी होगी कि आज भारत के प्रतिभा, विदेशी उत्पादों का भी अहम हिस्सा बन रहे हैं। अभी वाली स्पाइडर मैन हो या ट्रांस्फोर्मर, इन दोनों सिनेमा में हरिनारायण राजीव के योगदान को लोगों ने खूब सराहा है। उन्होंने कहा आज हमारे युवा भारतीय मूल सामग्री, जिसमें हमारी संस्कृति की झलक होती है, तैयार कर रहे हैं। इन्हें दुनिया-भर में देखा जा रहा है। एनिमेशन क्षेत्र आज एक ऐसे उद्योग का रूप ले चुका है कि जो दूसरे उद्योगों को ताकत दे रहा है, जैसे, इन दिनों वीआर टूरिज्म बहुत मशहूर हो रहा है। आप वर्चुअल टूर के माध्यम से अजंता की गुफाओं को देख सकते हैं, कोणार्क मंदिर के गलियारे में टहल सकते हैं, या फिर, वाराणसी के घाटों का आनंद ले सकते हैं। ये सभी वीआर एनिमेशन भारत के रचनाकारों ने तैयार किए हैं। उन्होंने कहा, मैं भारत के युवाओं से कहूंगा- अपनी रचनत्मकता को विस्तार दें। क्या पता दुनिया का अगला सर्वश्रेष्ठ एनिमेशन आपके कंप्यूटर से निकले। अगला वायरल खेल आपकी रचना हो सकता है। इसी 28 अक्टूबर को यानि कल विश्व एनिमेशन दिवस भी मनाया जाएगा। आइए, हम भारत को वैश्विक एनिमेशन पावर हाउस बनाने का संकल्प लें।

सरकार के...

हालांकि जजों को अपनी बातों को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है। जजों को सही भाषा का इस्तेमाल करना होता है। सोशल मीडिया हमारी सोसाइटी के लिए अच्छा है, क्योंकि यह यूजर्स को सोसाइटी के एक बड़े वर्ग तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।

बताते चलें कि पीएम मोदी 11 सितंबर की शाम सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के घर गणेश पूजा में शामिल हुए थे। मोदी ने एक्स पर इसकी तस्वीरें शेयर की थीं। वीडियो में सीजेआई अपने घर में मोदी का स्वागत करते दिखे। मोदी ने सीजेआई और उनके परिवार के साथ भगवान गणेश की आरती की। पीएम मराठी पोशाक पहने हुए थे। उन्होंने मराठी टोपी भी पहन रखी थी। पीएम मोदी के सीजेआई के घर जाने के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा था कि सीजेआई चंद्रचूड़ महाराष्ट्र मामले (उद्धव और शिंदे गुट के बीच शिवसेना पार्टी का नाम-सिंबल विवाद) की सुनवाई कर रहे हैं। मोदी के साथ उनके दोस्ताना रिश्ते देखकर हमें शंका है कि क्या हमें न्याय मिलेगा।

सीमा पार...

भारत की पेट्रापोल और बांग्लादेश की बेनापोल क्रॉसिंग व्यापार और यात्री आवागमन दोनों ही नजरिये से दोनों देशों के लिए सबसे अहम जमीनी सीमा चौकियों में से एक है। दोनों देशों के बीच लगभग जमीन के जरिये होने वाला 70 फीसदी कारोबार इसी से होता है। यह गृह मंत्रालय की एक शाखा भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण के तहत काम करता है। यह भारत का आठवां सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय आव्रजन बंदरगाह भी है। यह भारत और बांग्लादेश के बीच सालाना 23.5 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही की सुविधा देता है।

कोई न्यायालय ...

फैसला लिखते हैं, तो उनके मन में यह शंका होती है कि उनके फैसले पर क्या टिप्पणी होगी। वह फैसला उनके भविष्य को भी प्रभावित करता है और हमें उनके प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिला अदालतें हमारी न्याय व्यवस्था की बुनियाद हैं। मेरा आग्रह रहेगा कि यदि हमें न्याय को सुलभ और किफायती बनाना है तो हमें जिला अदालतों, हमारे मजिस्ट्रेट्स, जिला जजों और युवा वकीलों पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे पेशेवर जो कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं, उनके लिए बेहतर संसाधन और समर्थन सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है।

श्री धनखड़ ने कहा, बार और बेंच ये दो शब्द हैं। लेकिन इनकी आत्मा एक है। इनमें कभी कोई विभाजन नहीं होना चाहिए। मतभेद और चुनौतियां हमेशा रहेंगी लेकिन मैं वकील समुदाय से आग्रह करता हूं कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट अपनी पूरी कोशिश करते हैं, पर सब कुछ उनके नियंत्रण में नहीं होता। मैं आपके समर्थन में खड़ा हूं और इस उद्देश्य के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित हूं। उन्होंने कहा मेरा मानना है कि हमें चैंबर्स ऑफ कॉमर्स, व्यापार एवं उद्योग संघों को प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट्स के पास सीएसआर फंड है और उनको स्थानीय अदालतों में निवेश करना चाहिए। संसद में कानून पारित कर नागरिक संहिता में हुए परिवर्तन पर उपराष्ट्रपति ने इसे औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने वाली एक महत्वपूर्ण घटना बताया। उन्होंने इसे दंड विधान से न्याय विधान की यात्रा बताते हुए कहा कि लंबे समय की मांग के बाद अंग्रेजों द्वारा बनाए गए इन कानूनों को निरस्त किया गया है जो कि नए वकीलों के लिए एक वरदान हैं।

भारतीय न्याय संहिता सहित तीन कानूनों के पारित होते समय राज्यसभा के सभापति के रूप में स्वयं की उपस्थिति के अनुभवों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि एक बहुत शक्तिशाली समिति ने इन कानूनों के प्रत्येक प्रावधान पर विचार किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस बदलाव में गहराई से जांच की है तथा तकनीक की मदद से प्रत्येक प्रावधान की पृष्ठभूमि को बारीकी से देखा गया है। श्री धनखड़ ने कहा किसी भी देश तथा किसी भी सभ्यता का आंकलन उसकी न्याय व्यवस्था से होता है।

मुंबई भारत ...

तो यह स्पष्ट है कि जब कोई कुछ करता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा। यह स्वीकार्य नहीं है कि आप दिन में सौदेबाजी कर रहे हों और रात में आतंक में लिप्त हों और मुझे दिखावा करना पड़े कि सब कुछ ठीक है। अब भारत इसे स्वीकार नहीं करेगा। यही बदलाव है। जयशंकर ने कहा, हम आतंकवाद को उजागर करेंगे और जहां हमें कार्रवाई करनी होगी, हम कार्रवाई भी करेंगे।उन्होंने ने यह भी कहा कि भारत और चीन जल्द ही लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त फिर से शुरू करेंगे, जिससे अप्रैल 2020 में सीमा गतिरोध शुरू होने से पहले की व्यवस्था बहाल होगी। जयशंकर ने कहा, हमें उम्मीद है कि डेमचोक और देपसांग जैसे क्षेत्रों में 31 अक्टूबर, 2020 से पहले की गश्त व्यवस्था बहाल हो जाएगी। इसमें कुछ समय लगेगा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जयशंकर ने कहा कि राज्य में ऐसी सरकार की जरूरत है, जिसकी विचारधारा केंद्र सरकार के समान हो। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी है और इसकी आतंकवाद को बिल्कुल न बर्दाश्त करने की नीति है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद ने कहा, महाराष्ट्र उद्योग प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे में एक अग्रणी राज्य है। विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए विकसित महाराष्ट्र महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में ऐसी सरकार की जरूरत है, जिसकी विचारधारा केंद्र सरकार के समान हो। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के तीसरे कार्यकाल में अर्थव्यवस्था और रोजगार पर ध्यान केंद्रित है।

तेलंगाना विशेष...

इन व्यक्तियों को आचरण नियमों का उल्लंघन करते हुए और सरकारी कर्मचारियों से अपेक्षित मानकों के विपरीत व्यवहार में संलग्न पाया गया। इन कर्मियों की गतिविधियों से कथित तौर पर बटालियन के भीतर अशांति फैल गई, जिससे मनोबल और परिचालन दक्षता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इस तरह का व्यवहार अनुशासनात्मक ढांचे को कमजोर करता है और पूरे तेलंगाना में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए समर्पित वर्दीधारी बल की छवि को खराब करता है।

तेलंगाना पुलिस सख्त अनुशासन लागू करने और किसी भी कदाचार के खिलाफ सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। गहन जांच चल रही है, और वरिष्ठ अधिकारियों को सकारात्मक कामकाजी माहौल सुनिश्चित करने के लिए बटालियन की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखने का निर्देश दिया गया है। आचरण नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी कर्मी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

दिवाली से पहले...

वहीं, सुबह व शाम गुलाबी ठंड का अहसास होने लगा है। शनिवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक के साथ 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक के साथ 18.6 डिग्री सेल्सियस रहा। रिज में सबसे कम न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि रविवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

भाजपा ने यमुना ...

ज्यादा ज़रूरी है यमुना जी की सफाई। छठ पूजा नजदीक है और हमारी माताएँ-बहनें जो यमुना जी में भगवान सूर्य की आराधना करने या सूर्य को अर्घ्य देने जाएँगी, वे किस तरह से मां यमुना में डुबकी लगा पाएँगी? उन्होंने कहा, मेरी एक डुबकी ने बता दिया कि आपा की भ्रष्ट सरकार ने मां यमुना का क्या हाल कर रखा है। मैं अपनी दिल्ली की माताओं-बहनों और समस्त दिल्लीवासियों से कहना चाहता हूं कि अब समय आ गया है जब हमें इस भ्रष्ट सरकार से मुक्ति लेनी होगी। केजरीवाल द्वारा प्रायोजित इस भ्रष्टतंत्र का अंत हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।उल्लेखनीय है कि श्री सचदेवा ने गत बुधवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना तथा आपा नेताओं को चुनौती देते हुए यमुना में डुबकी लगाई थी, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 28 अक्टूबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

गौशाला प्रतिनिधियों ने प्राणीमित्र संघ को विवरण सौंपे

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

फीलखाना स्थित भारतीय प्राणीमित्र संघ के अध्यक्ष सीए जसराज श्रीश्रीमाल के कार्यालय में रविवार को दोपहर 2.30 बजे से विभिन्न गौशालाओ के प्रतिनिधियों ने आर्थिक अनुदान हेतु गौशाला संबंधित अपेक्षित विवरण सौंपे।इस बाबत जारी प्रेस विज्ञप्ति में भारतीय प्राणी मित्र संघ के सहमंत्री रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि तेलंगाना पशुपालन विभाग के निदेशक आईएएस अधिकारी गोपी ने भारतीय प्राणी संघ को एक पत्र द्वारा सभी गौशालाओं का विवरण देने का अनुरोध किया था। जिसके अंतर्गत संघ के अध्यक्ष जसराज श्रीश्रीमाल, डोंग्रेजी महाराज गौशाला के सदस्य एवं लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल, शिवमंदिर गौशाला के अध्यक्ष अमित अग्रवाल, पदाधिकारी गणेश अग्रवाल, सतीश अग्रवाल व जयगोपाल अग्रवाल, समर्थ कामधेनु गौशाला के संबालक प्रभुदत्त महाराज, कार्यकारीणी सदस्य पुरुषोत्तम गुप्ता, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार फाउंडेशन के मानद् मंत्री रिद्धीश जागीरदार, परामर्शदाता मुकेश चौहान जैन आदि ने बैठक कर विभिन्न विषयो पर चर्चा की।

समर्थ कामधेनु गौशाला की ओर से संचालक प्रभुदत्त महाराज तथा पुरुषोत्तम गुप्ता, शिव मंदिर गौशाला की ओर से अध्यक्ष अमीत अग्रवाल, पदाधिकारी गणेश अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, जयगोपाल अग्रवाल, डोंग्रेजी महाराज गौशाला की ओर से जसमत पटेल ने मांगे गये विवरण के संदर्भ में चर्चा की और विवरण सौंपे। अवसर पर समर्थ कामधेनु गौशाला की ओर से संचालक प्रभुदत्त महाराज ने कहा कि हमारी गौशाला में 6215 गौवंश है जो पूरे के पूरे कसाईयो से छुड़ाकर लाए गए हैं। गौवंशो को गौरक्षकों एवं स्वयं पुलिस कानूनी कार्यवाई कर कसाईयों से जब्त कर गौशाला में भेजे गये है। जिनकी देखभाल, बारा आदि का गत 15 वर्षे से भी अधिक समय से दानदाताओ के आर्थिक सहयोग से प्राप्त हो रहा है। बावजूद इसके भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड रहा है। जिससे कई कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है। ये पुरे गौवंश सरकारी एवं न्यायालय के आदेशो द्वारा हमारी गौशालाओ में भेजी जा रही है। इन गौवंश को सम्भालना सरकार का कर्तव्य है। गौवध निषेध कानूनों मे ये शर्त साफ तौर पर बताई गई है। सरकार की ओर से किसी भी तरह की कोई सहायता नही मिलती है। कम से कम एक करोड की मदद भी अगर सरकार द्वारा स्वीकृत की जाय तो गौशालाओ को कुछ सीमा तक संतोष होगा।

शिव मंदिर गौशाला के अध्यक्ष अमीत अग्रवाल ने गौशाला को हो रही कठीनाईयो की जानकारी दी और सरकार पर यथा संभव सहयोग प्राप्त करने के लिए कार्य को गतिशील बनाने के लिये निवेदन किया। लव फॉर काऊ फाउंडेशन एवं डोंग्रेजी महाराज गौशाला की ओर से जसमत पटेल ने कहा कि हम सभी गौशाला प्रबंधको को एक मंच पर आना होगा। बटोगे तो कटोंगे की तर्ज पर जब तक हम संगठीत नही होगे गौशालाओ का संचालन कुशलता से करना मुश्किल होगा। पुरे त्रयनगर की छोटी बडी गौशा-लाओ को एक सूत्र में बंधने की जरूरत है। हमारे तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी जो स्वयं गौभक्त है और उन्होने अपने चुनाव प्रचार के पूर्व भी गौमाता की सहपरिवार पूजा करके चुनाव अभियान प्रारंभ किया था और भारी जीत दर्ज करने के बाद भी गौमाता की पूजा की थी। ऐसे मुख्यमंत्री से सभी गौशाला वाले मिलकर के जो हाईकोर्ट ने चुकादा दिया है की सरकार गौशा-लाओ को सहयोग करे। सभी गौशाल-ाओ को एक मंच पर आ करके सहयोग लेने की बहुत जरूरत है। जैन रत्न जसराज श्रीश्रीमाल ने इस अवसर पर कहा कि ज्ञात रहे कि तेलंगाना उच्च न्यायालय ने अपने 6 दिसम्बर 2022 को अपने अहम निर्णय मे सरकार से गौशालाओ को आर्थिक अनुदान देने के लिए तेलंगाना सरकार को निर्देश दिया था। जिसको अमल में लाने के लिए तेलंगाना सरकार के पशुपालन विभाग के निदेशक ने भारतीय प्राणी संघ को सभी गौशालाओ का विवरण देने का अनुरोध किया।

जसराज श्रीश्रीमाल ने तेलंगाना की सभी गौशालाओ को 15 दिन के भीतर निर्धारीत फार्म मे पूर्ण विवरण भरकर देने का आह्वान किया। जिससे सरकार को विवरण सही समय पर देने से हमे आगे की कार्यवाही करने में आसानी होगी। राज्य में जितनी भी गौशालाए कार्यरत है उनसे कसाईयो से बचाए गये गाय, भैंस, बैल, गौवंश आदि के बारे में निर्धारीत फार्म में जानकारी देने को कहा। यह जानकारी भारतीय प्राणीमित्र संघ के कार्यालय नं. 37, रायल प्लाजा, हनुमान व्यायामशाला स्कुल के सामने, सुलताना बाजार मे अथवा ईमेल bhartiyapms99gmail.com द्वारा भी दी जा सकती है। पुरूषोत्तम गुप्ता ने कहा कि गौशाला को आर्थिक समस्या से झुझना पड़ रहा है। और वर्तमान में बारे की कीमते भी काफी बढी हुई है जिससे भी काफी आर्थिक कठीनाई हो रही है। उच्च न्यायालय के निर्णय को देखते हुए हम सभी गौशाला प्रबंधको को जल्दी से जल्दी फार्म भरकर सरकारी सहायता प्राप्त करनी चाहिए ।

रमेश कुमार बंग दीपावली सम्मेलन के संयोजक मनोनीत

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल ने प्रतिवर्षानुसार आयोजित किए जाने वाले दीपावली सम्मेलन का संयोजक समाज सेवी रमेश कुमार बंग को मनोनीत किया है।

यह जानकारी राजस्थानी प्रगति समाज के मानद मंत्री गोविन्द राठी ने दी। उल्लेखनीय है कि रमेश कुमार बंग दक्षिण भारत की सहकारिता क्षेत्र की बहुराज्यीय अनुसूचित बैंक महेश बैंक के चेयरमैन है तथा माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी के अतिरिक्त नगरद्वय की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के साथ कर्मठता से जुडे हैं। रमेश कुमार बंग कई वर्षों से राजस्थानी प्रगति समाज के दीपावली सम्मेलन के संयोजक का दायित्व सफलतापूर्वक निभा रहे हैं। राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा दीप-ावली सम्मेलन की तिथि एवं स्थान की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी।

बिहार सहयोग समिति की बैठक छठ घाट सफील गोरा पर सम्पन्न

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार सहयोग समिति तेलंगाना की बैठक बिनय कुमार यादव कि अध्यक्षता में छठ घाट पर सम्पन्न हुई। इस बाबत प्रेस को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार महासचिव सागर भगत ने बताया कि हर साल कि तरह इस साल भी छठ पूजा बतुकम्मा घाट आंनद बाग सफील गोरा मल्काजगिरी में मनाई जा रही है।

इस मौके पर समीति के कल्चर हेड मनोज भगत, जयप्रकाश भगत एवं शिवकुमार यादव ने छठ पूजा में बिहार, यूपी और झारखंड के सभी छठ भक्तों से अनुरोध किया कि जो भी पुजा करना चाहते हैं वो आकर छठी मैया का पुजा में शामिल हों।

5 नवंबर को नहायें खाय, 6 नवंबर को खरना और 7 नवंबर को पहला अर्घ्य, 8 नवंबर को पारण के साथ समाप्त होगी। घाट कि साफ सफाई का कार्य तेजी से चल रहा है।

इस मौके पर जन सेवा संघ के छठ इंचार्ज नविन बिहारी, रमेश कुमार सिंह और समिति पदाधिकारी गण एवं सदस्य गण आज रविवार को घाट का जायजा लेने पहुंचे केन्द्रीय समिति के जैन्त यादव, अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, उपाध्यक्ष मनोज यादव, महासचिव सागर भगत, राज नारायण सिंह, सुनील भगत, हरे राम यादव, लल्लन मिश्रा, मनोज भगत, जयप्रकाश भगत, शिव कुमार यादव, श्याम मोहन यादव, मनोज भगत, सुरज यादव, संजय भगत, गोविंद यादव, गोपाल भगत एवं भारी संख्या में युवा कार्यकर्ता ने उपस्थित रहे।

गौरक्षकों ने 45 गोवंश को कटने से बचाया

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में काटने के मकसद से अवैध रूप से गाड़ियों में भरकर लाए जा रहे गोवंश को गौरक्षा दल तेलंगाना, बजरंग दल एवं हिंदू तख्त और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता गाय बचाओ के विशेष अभियान में किसी भी हद तक गायों को कटने से बचा रहे हैं। यहां सनातनी नववर्ष के दिन के बाद से गाय पकड़ने का सिलसिला जारी है। गौरक्षकों द्वारा मेडचल पुलिस की सहायता से गाड़ियों में भरे 45 गौवंश को छुड़ाया गया। गाड़ियों में भरे अवैध गोवंश को हैदराबाद के कत्लखाने में ले जाया जा रहा था। गोवंश को वहां की पुलिस की सहायता से ब्रमारंबा मलिकार्जुन स्वामी गौशाला, ब्रह्मागुड़ा गौशाला में सुरक्षित छोड़कर गोवंश को जीवनदान दिया गया। यह जानकारी राष्ट्रीय गौरक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी के पूर्व गौ संरक्षक कोटी श्रीधर ने दी।

उन्होंने बताया कि गौरक्षा के इस महा अभियान में गौरक्षा दल तेलंगाना प्रेसिडेंट कालू सिंह, गोरक्षा दल आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष विजय रामकुमार यादव, बीजेवाईएम युवा मोर्चा मेडचाल प्रेसिडेंट पवन रेड्डी, बजरंग दल के ऊपल जिला कन्वीनर सुनील नायक, बीजेपी तुक्कुगुड़ा काउंसलर यादगिरी अन्ना, रविंदर गौड, डॉ.इरम पुरणाम शांति गुप्ता, गौरक्षा दल सिटी प्रेसिडेंट शंकर यादव, श्रीकांत, मोहन यादव, अनिल, आयुष राय, बिट्टू, पवन, आदित्य, संधू, कोटी मयूरेश, सोनू सिंह, बीराला सुमित, विनय, भारत, पीलू, मनीष, रमेश, सचिन, चौटू, लक्ष्मीकांत, अजय, सुनील, सतीश सिंह, रवि मंड्रेकर, सुमित, मुन्नी, मिलन, बजेश, लोकेश, चिंटू, विद्वान, राज, विष्णु, कार्तिक, मोहन, सुजल, साहिल सहित अन्य गौ रक्षक मौजूद थे।

आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाने को

एनआईआईएमएच ने निकाली पदयात्रा

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आयुर्वेद दिवस उत्सव के एक हिस्से के रूप में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के तहत राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद ने रविवार को आयुर्वेद के लिए पैदल यात्रा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान, संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों और आयुर्वेद के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए राजस्व बोर्ड कॉलोनी के अधिकारियों और सदस्यों के साथ हाथ मिलाया। प्रतिभागियों में डॉ जी पी प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, डॉ. साकेत राम, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), डॉ. बिस्व रंजन दास, अनुसंधान

अधिकारी (होम्यो), डॉ. क्रिस एंटनी, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), संस्थान के वरिष्ट अनुसंधान अध्येता और अन्य कर्मचारी शामिल थे।

संस्थान की ओर से के श्रीनिवास राव, एलआईए ने रिव्यू बोर्ड कॉलोनी के अध्यक्ष हनुमा रेड्डी, सुधाकर रेड्डी और अच्युत रामैया को उनकी सक्रिय भागीदारी और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

बशीरबाग पुलिस कार्यालय में नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद को तथा दिल्ली में फिल्म अभिनेता सुनील शेट्टी व मुकेश तिवारी को स्मृति चिन्ह भेंटकर संस्था की जानकारी देते हुए लव फॉर काऊ के जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, परमेश्वरी शर्मा और पूर्व डीसीपी अनिल कुमार वाजपेई।

नेकलेस रोड़ छठ पूजा घाट की बैठक का आयोजन सम्पन्न

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जन सेवा संघ नेकलेस रोड़ छठ पूजा घाट समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

जन सेवा संघ के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ पूजा का भव्य आयोजन जोर-शोर से किया जा रहा है। संघ के महासचिव ने सभी छठ व्रत श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड के सभी छठ पूजा घाटों पर आने के लिए और पूजा करने के लिए आमंत्रित किया। विगत वर्षों से जन सेवा संघ एकमात्र ऐसी संस्था है जिसकी शुरुआत सार्वजनिक रूप से आयोजित करने का संकल्प लिया। संस्था के प्रेरणा स्रोत वी के सिंह पूर्व डीजीपी के मार्गदर्शन में हैदराबाद में प्रारंभ किया गया और आज यह एक भव्य रूप ले चुका है।

हैदराबाद के सबसे महत्वपूर्ण घाट नेकलेस रोड घाट का सर्वेक्षण करते हुए संस्था के महासचिव राजीव चौबे, कोषाध्यक्ष बिनीत सिंह, संघ के कायार्लय प्रभारी सीताराम ठाकुर, घाट के प्रभारी एसपी सिंह एवं हरी सिंह आदि कार्यकर्ता कई सालों से इस तैयारी के लिए मेहनत करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहां एक लाख श्रद्धालुओं की भीड़ होती है और तेलंगाना सरकार के पदाधिकारी और अनेकों गणमान्य लोग इस घाट पर पहुंचकर भगवान भास्कर को अर्घ्य समर्पित करते हैं। प्रशासन द्वारा यहां प्रशासनिक बंदोबस्त बहुत अच्छा किया जाता है। इस अवसर पर छठ मैया का संगीत और श्रद्धालुओं की श्रद्धा देखते ही बनती हैश्र

जन सेवा संघ के प्रेरणा स्रोत वीके सिंह पूर्व पुलिस महानिदेशक ने सभी श्रद्धालुओं के लिए एक गाइडलाइन जारी की है। ताकि अपनी संस्कृति, अपनी परंपरा स्वच्छ और आदर्श बनी रहे। उन्होंने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि, शांति का संदेश भी दिया।

नेकलेस रोड घाट संजीवयया पार्क जन सेवा संघ का महत्वपूर्ण घाट है। इसके अलावा 27 घाटों पर जन सेवा संघ द्वारा छठ पूजा का आयोजन किया जाता हैश्र समीर पेट, बोडुप्पल स्टोन चेरुयू हेमा नगर, पट्टी कुंठा तालाब राजेंद्र नगर, धातु नगर कॉलोनी कंचन बाग, याप्राल, काप्रा, अलवाल, बालानगर, मेडचल, जीडीमेटला, आल्विन कॉलोनी, पठानचेरु, नेताजी नगर इत्यादि अनेक जगहों पर घाटों की तैयारी की जा रही है। इस बैठक में राजीव चौबे, सीताराम ठाकुर, बिनीत सिंह, एसपी सिंह, एलएम चौधरी, सुनील श्रीवास्तव, हरी सिंह, संजय यादव, नारायण ओझा, बबलू ओझा, दीपक सिंह आदि उपस्थित हुए।

हनुमान टेकड़ी में पटाखे की दुकान में लगी भीषण आग, मचा हड़कंप

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हनुमान टेकडी में एक पटाखे की दुकान में भीषण आग लग गई। जिसके चलते 8 गाड़ियां जलकर खाक हो गई। सुल्तान बाजार एसीपी के शंकर ने कहा कि आग को रात 10.30-10.45 बजे बुझा दिया गया। इस हादसे में एक रेस्टोरेंट पूरी तरह जल गया है। 7-8 कारें जल गई हैं। एक महिला को मामूली चोटें आई हैं। उन्होंने कहा कि पटाखा दुकान का नाम पारस फायरवर्क्स है। दुकान के पास कोई सर्टिफिकेट नहीं है। यह एक अवैध दुकान थी। हम उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। रेस्टोरेंट को भारी नुकसान पहुंचा है। आग रेस्टोरेंट में भी लगी और इसका असर आसपास के इलाकों पर पड़ा है। उन्होंने कहा कि अगर यह रिहायशी इलाका होता तो ज्यादा नुकसान हो सकता था। जानकारी के मुताबिक हनुमान टेकड़ी इलाके में स्थित पारस फायर वर्क्स पटाखों की दुकान में रविवार शाम को आग लग गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुकान से धुआं उठ रहा था, जिसकी वजह से स्थानीय लोगों और राहगीरों का ध्यान इस ओर गया और उन्होंने दमकल अधिकारियों को सूचित किया। फायर ब्रिगेड कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने की कोशिश की। अबिड्स इलाके की घनी आबादी और कॉमर्शियल एक्टिविटी को देखते हुए आग को आसपास की इमारतों तक फैलने से रोकने की कोशिश की गई और तीन दमकल गाड़ियों को मौके पर तैनात किया गया। किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं। आस-पास के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्टोर किए गए पटाखों से होने वाले किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए प्रयास जारी हैं। हालांकि अभी तक आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है। डिस्ट्रिक्ट फायर ब्रिगेड ऑफिसर ए. वेंकन्ना ने कहा कि हमें रात 9.18 बजे कॉल आया। यहां आकर देखा तो भीषण आग लगी हुई थी। इसलिए अधिक गार्डों को बुलाया गया। आग पर तुरंत काबू पा लिया गया और कोई हताहत नहीं हुआ।

हनुमान टेकड़ी में रविवार शाम को हुई भीषण अग्नि दुर्घटना एवं प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल।

भारतीय रेल और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने

कमजोर बच्चों की सुरक्षा के लिए संशोधित एसओपी की लॉन्च

आरपीएफ का ऑपरेशन आहट 2022 से 2,300 से अधिक बच्चों को बचाने और 674 तस्करों को पकड़ने में सफल रहा

हैदराबाद/नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। महिलाओं और बच्चों के लिए रेल यात्रा को सुरक्षित बनाने में भारतीय रेल के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने रेलवे को आश्वासन दिया है कि महिलाओं और बच्चों के लिए रेल यात्रा को सुरक्षित बनाने के उसके प्रयासों में फंडिंग बाधा नहीं बनेगी। देशभर में रेल परिसरों में पाए जाने वाले कमजोर बच्चों की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक पहल में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से 25 अक्टूबर, 2024 को नई दिल्ली के रेल भवन में एसओपी शुरू की है। यह व्यापक एसअ-ोपी भारतीय रेल के संपर्क में आने वाले बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत ढांचे की रूपरेखा तैयार करती है।

मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने के दौरान, एमओडब्ल्यूसीडी के सचिव अनिल मलिक ने उन्नत रेल स्टेशनों पर सीसीटीवी और चेहरा पहचान तकनीक स्थापित करने जैसे उपायों के माध्यम से किशोरों की सुरक्षा बढ़ाने की पहल के लिए भारतीय रेल की सराहना की। प्रतिदिन 2.3 करोड़ से अधिक लोग रेल से यात्रा करते हैं, जिनमें 30 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल हैं-जिनमें से कई अकेले यात्रा करती हैं - ऐसे में कमजोर समूहों, विशेष रूप से किशोरों की सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता है, जो मानव तस्करों द्वारा शोषण का जोखिम उठाते हैं। कार्यक्रम में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (एएचटीयू) को मजबूत करने के महत्व पर एमओडब्ल्यूसीडी अधिकारियों को जानकारी दी और असम, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से तस्करी को रोकने और यात्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए रेलवे स्टेशनों पर इन इकाइयों को स्थापित करने का आग्रह किया।

आरपीएफ यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत सक्रिय भूमिका निभा रही है कि उसके परिसर का उपयोग मानव तस्करों द्वारा बच्चों को लाने- ले जाने को बढ़ावा देने के लिए नहीं किया जाए। आरपीएफ ने पिछले पांच वर्षों में 57,564 बच्चों को तस्करी से बचाया है। इनमें 18,172 लड़कियां थीं। इसके अलावा बल ने यह सुनिश्चित किया कि इनमें से 80 प्रतिशत बच्चे अपने परिवारों से मिल जाएं। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत, आरपीएफ ने पूरे रेल नेटवर्क में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्रित पहलों की श्रृंखला शुरू की है। बाल तस्करी की निरंतर चुनौती को पहचानते हुए, आरपीएफ के ऑपरेशन आहट ने 2022 से 2,300 से अधिक बच्चों को बचाने और 674 तस्करों को पकड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह उपलब्धि तस्करी और शोषण से निपटने के लिए आरपीएफ के अथक समर्पण को रेखांकित करती है।

देशभर में कमजोर बच्चों की सुरक्षा के लिए देशभर के लगभग 262 स्टेशनों पर मानव तस्करी विरोधी इकाई-एएचटीयू स्थापित की जानी थी। लेकिन कुछ भारतीय राज्यों के सहयोग के अभाव के कारण वहां एएचटीयू स्थापित नहीं की जा सकी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय सचिव इस दिशा में त्वरित कदम के रूप में इन राज्यों को एक पत्र लिखने पर सहमत हुए। एमओडब्ल्यूसीडी संबंधित राज्यों के रेल स्टेशनों में इस इकाई को स्थापित करने के लिए इन राज्य सरकारों और जिला मजिस्ट्रेटों को पत्र लिखेगा ताकि रेलवे सुरक्षा बल के प्रयासों को और अधिक सफल बनाया जा सके।

उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को सशक्त बनाया गया : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने रविवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डाला, उन्होंने घोषणा की कि भारत भर में आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि की 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त एलपीजी सिलेंडर कनेक्शन मिले हैं।

सिकंदराबाद के गायत्री गार्डन में आयोजित एलपीजी वितरक शिखर सम्मेलन 2024 में बोलते हुए, रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि पीएमयूवाई न केवल स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन तक पहुंच में सुधार कर रहा है, बल्कि देश भर के परिवारों के लिए समृद्धि और विकास के लिए जीवन रेखा भी है।

रेड्डी ने सभी घरों में किफायती और सुरक्षित खाना पकाने के ईंधन लाने, जलाऊ लकड़ी पर निर्भरता कम करने और स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की रक्षा करने के लिए मोदी सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में 15 लाख से अधिक महिला लाभार्थियों को पारंपरिक, धुआं पैदा करने वाले चूल्हों के बोझ से मुक्त किया गया है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है और आर्थिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी बढ़ी है।

मंत्री ने उन लोगों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने स्वेच्छा से अपनी एलपीजी सब्सिडी छोड़ दी, जिससे सरकार को इन लाभों को वंचित समुदायों तक पहुंचाने में मदद मिली। पहल की सफलता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान, लगभग 30 करोड़ उज्ज्वला लाभार्थियों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत मुफ्त एलपीजी रिफिल प्राप्त हुआ, जिसका श्रेय वितरकों की समर्पित सेवा को जाता है। बेहतर बुकिंग, ट्रैकिंग और ग्राहक सहायता के लिए वितरकों को एआई जैसी उन्नत तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए रेड्डी ने स्वच्छ ऊर्जा पहुंच के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने में उनकी आवश्यक भूमिका को स्वीकार किया।

तेलंगाना में अब एलपीजी कनेक्शन 90 प्रतिशत घरों को कवर कर रहे हैं, उन्होंने टिप्पणी की कि ग्रामीण महिलाएं अपने खाना पकाने के समय का 60 प्रतिशत तक बचा रही हैं, जिससे वे अन्य आर्थिक गतिविधियों में संलग्न हो रही हैं। आगे देखते हुए, रेड्डी ने कहा कि भारत का विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा वितरकों और देश के युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है, उन्होंने देश भर में स्थायी ऊर्जा पहलों को मजबूत करने और समुदायों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने का आग्रह किया।

प्राणहिता नदी में डूबे तीन युवकों में से एक का शव बरामद

आदिलाबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शनिवार को प्राणहिता नदी में डूबे तीन युवकों में से एक का शव रविवार को बेजूर मंडल के सोमिनी गांव से बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि जहीर का शव विशेषज्ञ गोताखोरों ने नदी में पानी में डूबी एक जगह से बरामद किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सिरपुर (टी) शहर के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है। इरशाद और मोइज के शवों की तलाश के लिए तलाशी अभियान अभी भी जारी है। जहीर, इरशाद, मोइज और कासिम पिकनिक स्पॉट पर नहाने के लिए नदी में गए थे। जब तीनों नदी में उतरे, तो कासिम किनारे पर बैठा था। बताया जा रहा है कि तीनों शनिवार को नदी में गहरे स्थान पर डूब गए, क्योंकि उन्हें तैरना नहीं आता था। तीनों बेजूर मंडल केंद्र के थे। इरशाद और मोइज चचेरे भाई थे, जबकि जहीर उनका दोस्त था।

दासोजू श्रवण ने टीजीएसपी कर्मियों के साथ तेलंगाना सरकार के व्यवहार की निंदा की

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीआरएस नेता दासोजू श्रवण ने रविवार को तेलंगाना सरकार द्वारा तेलंगाना विशेष पुलिस (टीजीएसपी) कर्मियों के खिलाफ कठोर और तानाशाही उपायों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी शिकायतें उठाने के लिए 39 पुलिसकर्मियों को निलंबित करना दमन का एक स्पष्ट कार्य है और उनकी गरिमा और संवैधानिक अधिकारों पर हमला है। श्रवण ने इन कर्मियों पर लगाए गए अमानवीय कार्य स्थितियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की, जो उन्हें मजदूरों की तरह काम करने के लिए मजबूर करती हैं, उन्हें लंबे समय तक अपने परिवारों से दूर रखती हैं और उन्हें बुनियादी छुट्टी से वंचित करती हैं। कई अपीलों और बार-बार अभ्यावेदन के बावजूद, राज्य प्रशासन द्वारा टीजीएसपी कर्मियों की चिंताओं को स्पष्ट रूप से नजरअंदाज किया गया है। विशेष पुलिस द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों के बारे में उचित परामर्श या समझ के बिना पेश की गई सरकार की नई छुट्टी नियमावली ने केवल उनकी पीड़ा को बढ़ाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि छुट्टी के नियमों को मनमाने ढंग से संशोधित करना और फिर लोकतांत्रिक तरीकों से शांतिपूर्ण विरोध करने वालों को दंडित करना अत्याचार से कम नहीं है।

कामारेड्डी में 23 वर्षीय युवक की बिजली का करंट लगने से मौत

कामारेड्डी, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक दुखद घटना में, 23 वर्षीय एक युवक की सोते समय करंट लगने से मौत हो गई, जब वह अपने बिस्तर के पास मोबाइल फोन चार्ज करने के लिए रखे एक तार के संपर्क में आया। यह घटना शुक्रवार को कामारेड्डी जिले के याचरम मंडल के सदाशिवनगर में हुई। घटना 25 अक्टूबर को हुई थी। पीड़ित मलोथ अनिल ने अपने मोबाइल फोन को चार्ज करने के लिए अपने बिस्तर के पास एक तार लगाया और सो गया। सोते समय वह उस तार के संपर्क में आ गया जिसे उसने लगाया था और उसे तेज झटका लगा। अनिल को पास के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया और बाद में एक सरकारी अस्पताल में रेफर कर दिया गया, जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हैदराबाद में दिवाली पर रात 8 से 10 बजे के बीच ही पटाखे फोड़ने की अनुमति : पुलिस

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर की पुलिस ने तेज आवाज वाले पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है, खास तौर पर दिवाली के जश्न के दौरान। निर्देश के अनुसार सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर हाई-डेसिबल पटाखे फोड़ना प्रतिबंधित है। दिवाली की रात को नागरिकों को केवल 8 बजे से 10 बजे के बीच ही पटाखे जलाने की अनुमति है। पुलिस ने अनुमेय डेसिबल स्तरों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के नियमों का पालन करने पर जोर दिया, चेतावनी दी कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पटाखा विक्रेताओं को लाइसेंस लेना होगा: उत्तरी क्षेत्र के डीसीपी इसके अलावा, उत्तरी क्षेत्र के डीसीपी, एस रश्मि पेरुमल ने कहा कि पटाखे बेचने वाले स्टॉल मालिकों को बिना लाइसेंस के काम नहीं करना चाहिए। 26 अक्टूबर तक, तेलंगाना अग्निशमन विभाग को पटाखे बेचने के लाइसेंस के लिए लगभग 7,000 आवेदन प्राप्त हुए हैं, इस साल कुल 6,953 आवेदन जमा किए गए हैं। इनमें से 6,104 को मंजूरी दी गई है। इसकी तुलना में, 2023 में लाइसेंस के लिए 6,610 आवेदन आए थे।त्योहार के करीब आते ही हैदराबाद में बाज़ार, आभूषण की दुकानें, फूलों की दुकानें और मिठाई की दुकानें चहल-पहल से भर जाती हैं। निवासियों ने अपनी तैयारियाँ शुरू कर दी हैं, कई लोग त्यौहार से एक हफ़्ते पहले ही इसकी तैयारी शुरू कर देते हैं। धनतेरस उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है, जहाँ देवी लक्ष्मी के सम्मान में चांदी की कलाकृतियाँ या आभूषण खरीदना एक प्रिय अनुष्ठान है।

तेलंगाना सरकार का गरीबों के लिए दिवाली का तोहफा

इंदिरम्मा आवास योजना जल्द शुरू होगी

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य मंत्रिमंडल ने दीपावली के तुरंत बाद इंदिरम्मा आवास योजना शुरू करने और पहले चरण में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 3,500 घर बनाने का फैसला किया। मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि सरकार इन घरों को सबसे गरीब लोगों को वितरित करेगी। लाभार्थियों का चयन पारदर्शी तरीके से ग्राम सभा के माध्यम से किया जाएगा। यह गरीबों के लिए दीपावली का तोहफा होगा।

श्रीनिवास रेड्डी और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने संवाददाताओं को बताया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिमंडल ने सरकारी कर्मचारियों को लंबित पांच महंगाई भत्ते (डीए) में से एक जारी करने का फैसला किया। इससे सरकारी खजाने पर 230 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। राज्य में पीपीपी मॉडल में सड़कों के निर्माण के लिए डीपीआर तैयार करने का भी फैसला किया गया। श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि राज्य में 16,000 से 17,000 किलोमीटर लंबी सड़कें बनाने की जरूरत है, जो पंचायत राज और आरएंडबी विभागों के अधीन हैं। इसके लिए सरकार को 25,000 से 28,000 करोड़ रुपये की जरूरत है।

अगले चार सालों में हम सड़कों का निर्माण पूरा कर लेंगे। कैबिनेट ने हैदराबाद में मेट्रो रेल नेटवर्क के दूसरे चरण के लिए डीपीआर को भी मंजूरी दी। दूसरे चरण के हिस्से के रूप में, सरकार पीपीपी मॉडल में 24,269 करोड़ रुपये की लागत से कुल 76.4 किलोमीटर में फैली पांच नई लाइनें- नागोल-शमशाबाद, रायदुर्ग-कोकापेटा, एमजीबीएस-चंद्रयानगुट्टा, मियापुर-पटनाचेरू और एलबी नगर-हयातनगर का निर्माण करेगी। यह परियोजना राज्य और केंद्र सरकार का संयुक्त उद्यम होगा। कैबिनेट ने डीपीआर को मंजूरी के लिए केंद्र को भेजने का फैसला किया। कुछ मामलों में कर्मचारियों के तबादलों को कैबिनेट ने हरी झंडी दी

कैबिनेट ने स्वास्थ्य उद्देश्यों के लिए कर्मचारियों के तबादलों, जीवनसाथी के मामलों और आपसी तबादलों को भी जीओ 317 के तहत हरी झंडी दे दी। श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि जीओ 317 और जीओ 46 के साथ कुछ कानूनी मुद्दे हैं, इसलिए कैबिनेट ने अगले विधानसभा सत्र में इन पर चर्चा करने और केंद्र सरकार से कुछ स्पष्टीकरण मांगने का फैसला किया है।

कैबिनेट ने मिलिंग के लिए धान देने के लिए मिलर्स को वर्गीकृत करने का भी फैसला किया। श्रीनिवास रेड्डी ने कहा: कैबिनेट उप-समिति की सिफारिश के अनुसार, मिलर्स को वर्गीकृत करने का फैसला किया गया। श्रेणी एक का मतलब है कि मिलर के साथ कोई समस्या नहीं है।

श्रेणी दो में वे मिलर्स होंगे जिन्होंने नोटिस मिलने के बाद चावल वापस कर दिया। श्रेणी तीन में वे मिलर्स होंगे जिन्होंने भुगतान नहीं किया और इसलिए वे मिलिंग के लिए धान प्राप्त करने के पात्र नहीं होंगे। बैंक गारंटी लेने के बाद, सरकार मिलिंग के लिए धान आवंटित करेगी।

तेलंगाना 30 नवंबर तक जाति सर्वेक्षण पूरा करेगा

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार 4-5 नवंबर से राज्य में जाति सर्वेक्षण शुरू करने जा रही है और 30 नवंबर तक इसके पूरा होने की संभावना है, मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा है। प्रभाकर शनिवार को कैबिनेट की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे, जिसमें जाति सर्वेक्षण के लिए एक प्रोफार्मा को मंजूरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि यह कवायद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की राज्य के साथ-साथ पूरे देश में जाति सर्वेक्षण कराने की प्रतिबद्धता के अनुरूप की जा रही है। प्रभाकर ने कहा कि सर्वेक्षण करने के लिए 80,000 सरकारी कर्मचारियों को लगाया जाएगा और उन्हें इसके लिए उचित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित एक प्रस्ताव के अनुसार, राज्य मंत्रिमंडल ने जाति सर्वेक्षण के लिए प्रोफार्मा को मंजूरी दे दी है, जिसके 30 नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वास्तविक गणना, जिसमें हर घर को शामिल किया जाएगा, 4 या 5 नवंबर से शुरू होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि एकत्र किए गए सभी डेटा को सार्वजनिक डोमेन में रखा जाएगा।

यूपी विधानसभा उप चुनाव में चलेगी योगी की ही

बंटेंगे तो कटेंगे की धारा पर संघ की मुहर

लखनऊ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भाजपा अपनी रणनीति को इस मुद्दों पर और आक्रामक करने जा रही है। विपक्षी दलों द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव में हिंदुत्व में सेंध लगाने को संघ परिवार सामान्य बात नहीं मान रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने साफ कर दिया है कि अब उसकी आगे की पूरी रणनीति बंटेंगे तो कटेंगे के एजेंडे पर ही आगे बढ़ेगी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुंह से निकला यह नारा अब संघ परिवार के मुख्य एजेंडे का हिस्सा बन गया है।

उपचुनाव की सियासी सरगर्मियों के बीच संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने हिंदू एकता के लिए बंटेंगे तो कटेंगे के नारे को जिस तरह से समाज के लिए जरूरी बताया है, उससे यह भी साफ हो गया है कि भविष्य में उसकी सारी रणनीति और निर्णय इसी के इर्द-गिर्द रहेंगे। भाजपा भी इसी पर आगे बढ़ेगी और यूपी में 2027 की सियासी बिसात बिछेगी और इसी को केंद्र बनाकर हिंदुओं की एकता का अभियान भी चलेगा।

होसबाले ने संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक के बाद मथुरा में इस नारे को जिस प्रकार से प्रमुखता से उठाया है, उसके कई मायने हैं। इस बयान को लेकर विपक्ष के सवालों को खारिज करते हुए संघ परिवार इसको अलग तरीके से परिभाषित भी कर रहा है। संघ परिवार का कहना है कि योगी के इस बयान को एक सीमित दायरे में नहीं देखना चाहिए। संघ के एक उच्च पदाधिकारी कहते हैं इस बयान का सीधा सा अर्थ यह है कि यदि देश बंटेगा तो देश पर खतरा, समाज बंटेगा तो समाज पर खतरा और हिंदू बंटेगा तो हिंदुत्व पर खतरा होगा। उनका कहना है कि इस बयान की मंशा

इसी एजेंडे पर बढ़ेगी भाजपा की रणनीति : होसबाले

हिंदुत्व में एकता बनाए रखने की है। ऐसा होने से ही समाज एक रहेगा।

संघ के इस नजरिए का यूपी के सियासी परिप्रेक्ष्य में बहुत महत्व है। होसबाले के बयान से यह भी साफ हो गया है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और विपक्ष के आरक्षण और संविधान बदलने के भ्रामक बयानों से हिंदू वोटों के बंटवारे ने संघ परिवार को गहरी चिंता में डाला है। यह चिंता समझी भी जा सकती है। संघ को सबसे गहरा आघात यह लगा है कि वर्षों की मेहनत के बाद हिंदुओं की सभी जातियों को जिस तरह से उन्होंने हिंदुत्व की माला में पिरोया था वह कैसे बिखर गई। जबकि इसी के सहारे 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव और 2017 व 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत हुई थी।

विपक्षी दलों द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव में हिंदुत्व में सेंध लगाने को संघ परिवार सामान्य बात नहीं मान रहा है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद से संघ परिवार बिखरी हिंदू जातियों को फिर से एकजुट करने की कोशिश में जुटा है। हरियाणा चुनाव से ठीक पहले सीएम योगी के बंटेंगे तो कटेंगे के बयान ने जिस तरह से हिंदुओं को फिर एकजुट करता दिखा है उसके बाद से ही भाजपा और संघ के लिए यह बयान और महत्वपूर्ण बन गया है। माना जा रहा है कि हरियाणा चुनाव में इसका खासा असर भी दिखा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे एजेंडे को पीएम मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के बाद अब सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने आगे बढ़ाकर बड़ा संदेश दिया है।

इससे यह स्पष्ट हो गया कि शुरुआत से ही प्रखर हिंदुत्व का चेहरा रहे योगी आज भी संघ और भाजपा के लिए बड़े हिंदू ब्रांड हैं। मीडिया के सामने इस बयान पर अपना नजरिया स्पष्ट करके होसबाले ने यह भी साफ कर दिया है कि बटेंगे तो कटेंगे नारा न तो अकस्मात था और न ही संयोग, बल्कि संघ परिवार की रणनीति का हिस्सा है। इसे भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए हिंदुत्व के एजेंडे पर आगे बढ़ाया जाएगा।

ऐसा करके संघ परिवार ने एक तरह से यह भी संदेश दिया है कि योगी का यह नारा संघ परिवार के भी एजेंडे का प्रमुख हिस्सा होगा।

शत्रु संपत्ति पर अवैध कब्जा कर चल रहा रेस्टोरेंट सील

शत्रु संपत्ति पर कब्जे के खिलाफ शुरू हो रहा अभियान

लखनऊ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजधानी लखनऊ में शत्रु संपत्ति पर अवैध कब्जा करके चलाए जा रहे रेस्टोरेंट को प्रशासन ने सील कर दिया। शहर के बीचोबीच हजरतगंज क्षेत्र में शत्रु संपत्ति पर अवैध कब्जा कर कबीला रेस्टोरेंट चल रहा था। रेस्टोरेंट पर सुबह शत्रु संपत्ति अभिरक्षक टीम पहुंची। टीम ने कागज मांगे। इस पर मालिक वैध कागज नहीं दिखा सका। शत्रु संपत्ति अभिरक्षक टीम ने जांच के बाद रविवार को इसे सील कर दिया। इस दौरान शांति व्यवस्था के लिए पुलिस और पीएसी के जवान मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी में शत्रु संपत्तियों पर गायों के लिए घर बनवाने की की घोषणा कर चुके हैं। देश में सबसे ज्यादा शत्रु संपत्तियां यूपी में हैं। इस योजना के तहत केंद्र सरकार जमीन मुहैया कराएगी और जरूरी सुविधाएं विकसित करने की जिम्मेदारी प्रदेश सरकार उठाएगी। उत्तर प्रदेश में गोवंश की देखभाल के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश की शत्रु संपत्तियों पर गायों के लिए घर बनवाएगी। शत्रु सम्पत्तियों पर न केवल गायों की देखभाल की व्यवस्था की जाएगी बल्कि उनके लिए चारा भी उगाया जाएगा। राज्य सरकार ने इस संबंध में तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपत्तियों का पूरा ब्यौरा मांगा गया है।

इस योजना में जमीन केंद्र सरकार मुहैया कराएगी और जरूरी सुविधाएं विकसित करने की जिम्मेदारी प्रदेश सरकार उठाएगी। देश में सबसे ज्यादा शत्रु संपत्तियां यूपी में हैं। इनकी संख्या करीब 6017 है। जिन पर अब पशुओं के लिए घर बनाने की तैयारी की गई है। जहां पशुओं की देखभाल के साथ उनके चारे तक की व्यवस्था हो सकेगी।

उत्तर प्रदेश में 7624 गो आश्रय स्थल हैं। जिनमें 12 लाख से ज्यादा गोवंश हैं। ऐसे में पशुओं की संख्या को देखते हुए उनके लिए हरे चारे की कमी है। यही नहीं गोशालाएं भी पर्याप्त मात्रा में नहीं है। जिसकी वजह से अक्सर गोवंश सड़कों पर घूमते दिखाई देते हैं। ऐसे में गायों के लिए नए-नए स्थान तलाशे जा रहे हैं। ताकि वहां हरे चारे के उत्पादन के साथ ही कृत्रिम गर्भाधान व शोध केंद्र भी बन सकें। इसी रणनीति के तहत प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार से लखनऊ और सीतापुर समेत सभी जिलों में शत्रु संपत्ति हासिल करने के लिए संपर्क किया है। यहां देसी गायों के संरक्षण और संवर्धन पर जोर दिया जाएगा।

आजादी के बाद भारत और पाकिस्तान के विभाजन के वक्त जो लोग अपनी संपत्तियां छोड़कर भारत से पाकिस्तान चले गए थे, उनकी संपत्तियों को शत्रु संपत्ति घोषित किया गया था।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने भी उठाई आवाज

जब चर्च और मस्जिदों का अधिग्रहण नहीं, तो हिंदू मंदिरों का क्यों?

सुल्तानपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुल्तानपुर के विजेथुआ धाम पर एक कार्यक्रम में जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि जब सरकार चर्च और मस्जिदों का अधिग्रहण नहीं करती तो हिंदू मंदिरों का अधिग्रहण क्यों करती है? सरकार को हिंदू मंदिरों का भी अधिग्रहण नहीं करना चाहिए। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में विजेथुआ धाम पर हनुमान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के दूसरे दिन जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने हनुमान कथा सुनाई। कथा से पूर्व यहां सत्य पथ फाउंडेशन के संरक्षक विवेक तिवारी के आवास पर जगद्गुरु ने मीडिया से बात की। उन्होंने ज्ञानवापी पर लोवर कोर्ट से रिट खारिज होने पर बड़ा बयान दिया। कहा कि हम हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। मंदिर पर सरकार के अधिग्रहण पर एक बार फिर सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। कहा कि पहली बात तो सबसे प्रमाणित हिंदू धर्माचार्य मैं ही हूं। मेरी प्रतिक्रिया यह है कि यदि चर्चों का अधिग्रहण नहीं हो रहा है, मस्जिदों का अधिग्रहण नहीं हो रहा है, तो हिंदू मंदिरों का भी अधिग्रहण नहीं होना चाहिए।

रामभद्राचार्य ने कहा, हम इसके लिए सरकार से अनुरोध करेगें और इसको हटवाएगें। वहीं वृंदावन पर कहा कि यह तो उसी समय पता चल जाएगा, जब कोर्ट मुझे बुलाएगी। मैं अपना पक्ष रखूंगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि मेरी प्रतिभा उच्च न्यायालय की दशा-दिशा बदलेगी।

सुरक्षा बलों ने श्रीनगर हवाई अड्डा पर नेकां विधायक वीरी को हिरासत में लिया

श्रीनगर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुरक्षा बलों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के नेता एवं विधायक बशीर अहमद वीरी को रविवार को उनके सामान में जिंदा कारतूस पाए जाने पर श्रीनगर हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। हाल ही में बिजबेहरा निर्वाचन क्षेत्र से नेकां के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीतने वाले श्री वीरी जम्मू जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें नियमित सुरक्षा चौकी पर रोका गया, जहां उनके सामान में दो जिंदा कारतूस पाए गए। इसके बाद उन्हें तुरंत हिरासत में लिया गया और पूछताछ की गई। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों ने कहा कि श्री वीरी द्वारा अपनी पिस्तौल का लाइसेंस दिखाए जाने के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। इस संबंध में जब श्री वीरी से संपर्क किया, तो उन्होंने फोन पर कोई जवाब नहीं दिया। सूत्रों ने कहा कि नेकां नेता ने अपने सामान में कारतूस कैसे रखे, इसके सटीक तथ्य जानने के लिए जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि अधिक विवरण साझा किए जाएंगे।

दीपोत्सव-2024

रामनगरी में दिखेगा अध्यात्म परंपरा व संस्कृति का संगम

लखनऊ, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दीपोत्सव-2024 अत्यंत खास होगा, क्योंकि सीएम योगी के नेतृत्व में होने वाला दीपोत्सव पहली बार रामलला की मौजूदगी में होगा। इस बार 25 लाख दीप प्रज्ज्वलित कर नया रिकॉर्ड बनाया जाएगा। योगी सरकार के मार्गदर्शन में इस दीपोत्सव में रामनगरी में अध्यात्म, परंपरा व संस्कृति का संगम दिखेगा। 30 अक्टूबर को रामकथा पार्क स्थित मुख्य मंच पर छह देशों के साथ ही उत्तराखंड की रामलीला का भी मंचन होगा। हनुमान चालीसा नृत्य नाटिका से आध्यात्मिक बयार भी मुख्य मंच पर ही बहेगी।

30 अक्टूबर को दीपोत्सव के मुख्य मंच रामकथा पार्क में छह देशों की रामलीला होगी। इसमें म्यामार, नेपाल, थाईलैंड, मलेशिया, कंबोडिया व इंडोनेशिया के कलाकार रामलीला का मंचन करेंगे। वहीं उत्तराखंड के कलाकारों की तरफ से रामलीला की प्रस्तुति भी मुख्य मंच पर ही होगी। सहारनपुर की रंजना नेव नृत्यमयी रामायण के जरिए आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करेंगी। आगरा की प्रीति सिंह (प्रीति के परिंदे) हनुमान चालीसा नृत्य नाटिका से संकटमोचन के चरणों में हाजिरी लगाएंगी। दिल्ली की मैत्रेय पहाड़ी व उनकी टीम श्रीरामचरितमानस नारी शक्ति पर प्रस्तुति देंगी। लखनऊ की अपर्णा यादव का भजन गायन भी मुख्य मंच पर ही होगा। दीपोत्सव के मुख्य मंच पर यह सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम सात बजे से

होंगे। 30 अक्टूबर को दीपोत्सव पर अन्य राज्यों के कलाकारों की भी प्रस्तुति होगी। इसमें मध्य प्रदेश की निधि चौरसिया टीम बधावा, असम की सनहल देवी बीहू, महाराष्ट्र की श्रद्धा लावनी, तेलंगाना के भांगड़ा, नागपुर की शिवमुद्रा बहुद्देशीय संस्था की तरफ से ढोलताशा नृत्य होगा। गुजरात के नितिन दवे व टीम डांडिया-गरबा, हिमाचल प्रदेश के देवदत्त व टीम शिरमौर नाटी नृत्य, छत्तीसगढ़ के मिलाप

रामकथा पार्क में होगी छह देशों और उत्तराखंड की रामलीला का मंचन

श्रीधर विश्वकर्मा गुसादी, झारखंड के सृष्टिधर महतो व टीम छाऊ, बिहार की महिमा झिझिया, राजस्थान की ममता देवी कालवेलिया/घूमर लोक नृत्य, जम्मू के मो. यसीन व टीम रउफ लोकनृत्य पर प्रस्तुति देंगे। हरियाणा के संदीप यादव व टीम घूमर, पंजबा के हरदीप सिंह व टीम दास बनजारे पंथी, सिक्किम के शरद चंद्र सिंह सिघी छम नृत्य, चंडीगढ़ के गुरपेंदर सिंह लुडी नृत्य, गोवा के महेश समयी लैंप नृत्य व ओडिशा के चित्रसेन व टीम गोटीपुआ नृत्य पर प्रस्तुति देंगे। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से ही प्रारंभ हो जाएंगे।

संस्कृति विभाग के निर्देशन में 28 से 30 अक्टूबर तक रामलीला दलों के कलाकारों द्वारा शोभायात्रा की प्रस्तुति होगी। इसमें अयोध्या की श्री मारुति नंदन हनुमन आदर्श रामलीला मंडल, श्रीबालाजी सांस्कृतिक विकास सेवा संस्थान, जय हनुमान मानस उत्थान आदर्श रामलीला मंडल, श्रीअवध आदर्श रामलीला समिति, श्रीजनक दुलारी संस्थान समेत 11 दल रहेंगे। लोककलाकार दल भी विजयवीर विक्रम बहादुर, माता प्रसाद वर्मा की तरफ से फरुआही, अयोध्या के पुष्पेंद्र कुमार (बहुरूपिया), सुमिष्ठा मित्रा व टीम बधावा, रमा प्रजापति व टीम अवधी, झांसी के निशांत भदौरिया राई, गोरखपुर की सुगम सिंह शेखावत वनटांगिया नृत्य, मथुरा के माधव आचार्य मयूर नृत्य पर प्रस्तुति देंगे।

योगी सरकार द्वारा रामनगरी अयोध्या में सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए 10 बड़े मंच बनाए गए हैं। इनमें गुप्तार घाट, बड़ी देवकाली, रामाघाट, बिड़ला धर्मशाला, भरतकुंड, तुलसी उद्यान, भजन संध्या स्थल, नाका हनुमानगढ़ी साहबगंज, बस अड्डा बाईपास, रामकथा पार्क में लोककलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। यह कार्यक्रम शाम पांच से रात्रि 9 बजे तक होंगे। इसमें रामघाट पर अग्निहोत्री बंधु सरीखे कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे। वहीं इसमें यूपी के सभी जनपदों के कलाकार भी रामनगरी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

पुलिस हिरासत में युवक की मौत : अब तक 11 पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई

बलरामपुर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में पुलिस हिरासत में युवक की मौत मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने कोतवाली थाने में पदस्थ एक प्रधान आरक्षक और सात आरक्षकों को लाइन अटैच कर दिया है। इस मामले में टीआई और एक आरक्षक को पहले ही निलंबित किया गया है। इस तरह अब इस मामले में कुल 11 पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई है।

दरअसल, 24 अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलाए गए स्वास्थ्य विभाग के प्यून गुरूचरण मंडल (30) ने लॉकअप के बाथरूम में फांसी लगा ली। इसके बाद जिला मुख्यालय में जमकर बवाल हुआ था। लोगों ने थाने का घेराव कर जमकर हंगामा करते हुए थाने और पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने नेशनल हाइवे पर चक्का-जाम कर दिया था।

हिमाचल में भीषण सड़क हादसा पांच युवकों की मौत

मंडी, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला की चौहारघाटी के वरधाण में एक मारुति कार गहरी ढांक में लुढ़क गई जिससे कार में सवार पांच युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह भयानक हादसा शनिवार देर रात को होने का समाचार मिला है। कार में सवार युवक धम च्याण गांव के रहने वाले थे। वे बरोट में शादी समारोह में गए थे। देर रात को वापिस घर लौटते समय यह हादसा हो गया। जिसकी सूचना रविवार प्रातः उस समय मिली,जब एक भेड़पालक ने सड़क से करीब 700 मीटर नीचे खेतों में लुढ़की कार देखी। इसकी सूचना आस-पास के ग्रामीणों को दी।

तदोपरांत पंचायत प्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी टिक्कन पुलिस चौकी को दी।पुलिस ने मौके पर पहुंच कर क्षत विक्षत शवों को सड़क मार्ग तक पहुंचाने के लिए स्थानीय लोगों की मदद से

रेस्क्यू शुरू किया है। मृतकों की पहचान राजेश, गंगू, कर्ण, सागर और अजय के रूप में हुई है। मृतकों की उम्र सोलह से 30 वर्ष के बीच की बताई जा रही है। इस दुखद हादसे से चौहार घाटी में शोक की लहर छा गई है। बहरहाल पुलिस शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर भेजा है। पंचनामे के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किए जाएंगे। एसपी मंडी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को निकालने के लिए ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया है। हादसा किन कारणों से हुआ इसकी छानबीन की जाएगी।

इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने सड़क दुर्घटना के प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। जिला प्रशासन द्वारा मृतकों के परिजनों को फौरी राहत के रूप में 25-25 हजार रुपये प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की है।

शहाबुद्दीन की पत्नी और पुत्र राजद में शामिल

पटना, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार के सीवान के पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी और पुत्र आज मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में शामिल हो गए।

राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव की मौजूदगी में रविवार को यहां पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर मिलन समारोह का आयोजन किया गया। पूर्व सांसद की पत्नी हिना शहाब और पुत्र ओसामा को पहले पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई गई।

इसके बाद प्रतिपक्ष के नेता यादव ने दोनों के राजद में शामिल होने के बाद ऐलान किया कि इससे हमारा दल काफी मजबूत होगा। आज जो राजनीतिक रूप से स्थिति है उसमें हम लोगों को एक साथ रहना है। उन्होंने कहा कि ओसामा के साथ-साथ हिना शहाब हम लोगों के साथ आई हैं। इससे सीवान के साथ-साथ बिहार में पार्टी को बहुत फायदा होगा। पार्टी बहुत मजबूत होगी।

सीएम ने तेलंगाना के विकास में यादवों के योगदान को दी मान्यता, समर्थन का किया वादा

अब प्रत्येक वर्ष राज्य द्वारा आधिकारिक रूप से आयोजित किया जाएगा सदर सम्मेलन

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को हैदराबाद के विकास में यादव समुदाय की अमूल्य भूमिका पर प्रकाश डाला, दिवाली के दौरान यादव समुदाय द्वारा मनाए जाने वाले वार्षिक सदर उत्सव में उनके योगदान को स्वीकार किया।

एनटीआर स्टेडियम में मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए रेड्डी ने तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं पर गर्व व्यक्त किया और घोषणा की कि सदर सम्मेलन अब प्रत्येक वर्ष राज्य द्वारा आधिकारिक रूप से आयोजित किया जाएगा।

रेड्डी ने कहा, सदर यादव समुदाय का उत्सव है और हैदराबाद में इस उत्सव की मेजबानी करना हमारे राज्य के लिए गर्व की बात है। इस मंच से, मैं अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दे रहा हूं कि सदर सम्मेलन एक आधिकारिक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में मनाया जाए, उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य राज्य के हर गांव में उत्सव की भावना को बढ़ाना है।

रेड्डी ने हैदराबाद के मूसी जलग्रहण क्षेत्र में पशुधन पालन और चारा खेती में यादव समुदाय की ऐतिहासिक भूमिका को स्वीकार करते हुए उनका समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया।उन्होंने मूसी नदी क्षेत्र को बहाल करने के लिए काम करने का भी संकल्प लिया, ताकि स्थानीय निवासियों के लिए बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने पुष्टि की कि कांग्रेस पार्टी हैदराबाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, उन्होंने सामुदायिक पहल और राजनीतिक प्रतिनिधित्व दोनों में यादव भाइयों के लिए निरंतर समर्थन का वचन दिया। रेड्डी ने इन प्रयासों के हिस्से के रूप में हाल ही में अनिल कुमार यादव की राज्यसभा में नियुक्ति पर प्रकाश डाला, और समुदाय को अधिक राजनीतिक अवसर प्रदान करने के लिए कांग्रेस की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। एकता और लचीलेपन का आह्वान करते हुए, रेड्डी ने महाभारत में भगवान कृष्ण द्वारा धर्म के समर्थन से प्रेरणा लेते हुए यादव समुदाय को धार्मिकता के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने आग्रह किया कि यादव भाइयों, धार्मिकता के पक्ष में खड़े हो जाओ और साथ मिलकर अन्याय को हराओ। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, पूर्व सांसद अंजन कुमार यादव, सांसद अनिल कुमार यादव, गायक राहुल सिप्लीगंज और अन्य नेता मौजूद थे।

शिल्पकारों की संख्या में गिरावट आ रही है, उन्हें आगे बढ़ने के लिए समर्थन की आवश्यकता है: केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री तथा तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने देश में पारंपरिक शिल्पकारों की संख्या में गिरावट पर चिंता व्यक्त की है, तथा शिल्प क्षेत्र को पुनर्जीवित करने तथा इससे जुड़ी आजीविका की रक्षा के लिए तत्काल समर्थन की आवश्यकता पर बल दिया है। रेड्डी ने कहा, पूरे भारत में शिल्पकार गायब हो रहे हैं, जिसका असर उन समुदायों पर भी पड़ रहा है जो रोजगार के लिए उनके काम पर निर्भर हैं। इन कारीगरों को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें बनाए रखना महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने ऐतिहासिक रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को सहारा दिया है। इस समस्या से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हस्तशिल्प को बढ़ावा देने तथा शिल्पकारों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से विश्वकर्मा योजना शुरू की है।

रविवार को मुशीराबाद निर्वाचन क्षेत्र के कवडीगुडा डिवीजन के लोअर टैंकबंड में सामुदायिक भवन की आधारशिला रखने के बाद मीडिया से बात करते हुए रेड्डी ने बताया कि किस प्रकार यह पहल देश भर में लाखों लोगों को कौशल प्रशिक्षण, उपकरण तथा वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

इन प्रयासों के अलावा, रेड्डी ने बताया कि राजाका संगम के सहयोग से सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र में नए डोबीघाट बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, एक विधायक के रूप में, मैंने धोबी घाटों पर बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए काम किया और अब मैं एक सांसद के रूप में उस प्रतिबद्धता को जारी रख रहा हूं। राजाका संगम ने टैंकबंड के पास डोबीघाट, सामुदायिक हॉल और अन्य सुविधाओं के निर्माण में रेड्डी की सहायता का अनुरोध किया। हमने संसद निधि से 26 लाख रुपये आवंटित करते हुए धोबी घाट निर्माण के लिए भूमि पूजन किया है और मैंने ठेकेदारों को परियोजना में तेजी लाने का निर्देश दिया है। रेड्डी ने आश्वासन दिया कि मोदी सरकार कारीगरों के साथ खड़ी रहेगी।

उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में, हम हजारों और लोगों को कौशल प्रशिक्षण, उपकरण और वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे ताकि वे अपने शिल्प को बनाए रख सकें और विकसित कर सकें।

चिरियाल में हनुमान जी के मंदिर में नवग्रह व गणेश जी की प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कीसरा मंडल चिरियाल में नवनिर्मित हनुमान मंदिर, गणेश प्रतिमा, नवग्रह प्रतिमा का भव्य प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मल्काजीगिरी के सांसद ईटला राजेन्द्र, नगाराम के चेयरमैन चंद्रा रेड्डी, तिरमल रेड्डी, बी श्रीनिवास, बालराज यादव, श्रीनिवास रेड्डी, नागपुसमसेट, मधु यादव, अशोक यादव, नारायण रेड्डी, राम रेड्डी, इस अवसर राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा महा प्रसादी का कार्यक्रम रखा गया। राजस्थानी मित्र मंडल जोगाराम कुमावत, जितु जाट, दिलीप सीरवी, कैलाश प्रजापत, राकेश प्रजापत, रमेश प्रजापत, लक्ष्मण सीरवी, रुपाराम सीरवी, मांगीलाल सीरवी, दुर्गाराम सीरवी, किशोर कुमावत, पंकज कुमावत, मदनलाल सीरवी, ओमप्रकाश सीरवी, नरेश माली, जगदीश सीरवी, जगदीश सोनी, वेनाराम सीरवी, विनोद माली, राजूराम सीरवी, दिनेश सीरवी, राकेश देवासी, राकेश सीरवी, धन्नाराम सुथार, बलराम जाट, श्री आईजी गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार व समस्त राजस्थानी मित्र मंडल उपस्थित रहे।

टीपीएफ हैदराबाद ने किया वॉल्काथन व फेमिना कनेक्ट का आयोजन

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, हैदराबाद द्वारा वॉल्काथन व फेमिना कनेक्ट का आयोजन रविवार को जी.एस. मालकोटे पार्क नारायणगुड़ा में हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। टीपीएफ हैदराबाद अध्यक्ष विरेंद्र घोषल ने पधारे हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया व सभी को टीपीएफ द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने व एक दूसरे से जुड़े रहकर टीपीएफ को आगे बढ़ाने में योगदान देने का आह्वान किया। राष्ट्रीय फेमिना संयोजक रक्षिता ने टीम टीपीएफ हैदराबाद को इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी व आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते रहने का सुझाव दिया। वॉकथॉन के साथ-साथ अनेक गतिविधियां जैसे योगा, प्रेक्षाध्यान, नेटवर्किंग आदि भी की गई। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक पूजा पटावरी ने कई प्रकार के आसन, प्राणायाम, ध्यान करवाया तथा योग के फायदे भी बताए। साथ ही सभी को प्रतिदिन योग करने के लिए कहा और प्रेक्षाध्यान ऐप डाउनलोड कर उसका उपयोग करने का सुझाव दिया।कार्यक्रम में टीपीएफ राष्ट्रीय फेमिना संयोजक रक्षिता बोहरा की विशेष उपस्थिति रही। टीपीएफ के अध्यक्ष विरेंद्र घोषल, निवर्तमान अध्यक्ष पंकज संचेती, उपाध्यक्ष राजेंद्र पारख और अणुव्रत सुराणा, कोषाध्यक्ष अर्हम बेंगानी, सहमंत्री अनुष बम्बोली, वर्षा बैद, शिखा सुराणा आदि की उपस्थति रही। कार्यक्रम का संयोजन टीपीएफ फेमिना हैदराबाद की संयोजक व सहमंत्री वर्षा बैद ने किया। धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष अणुव्रत सुराणा ने किया। कार्यक्रम में आकांक्षा सुराना, श्वेता घोषल, पूजा बोहरा, शिल्पा कठोतिया, राजश्री दुगड़, डॉ श्वेता मेहता, नेहा कुंडलियां, डॉ ज्योति बेगानी, दीक्षा बेगानी आदि सदस्यों ने भाग लिया।

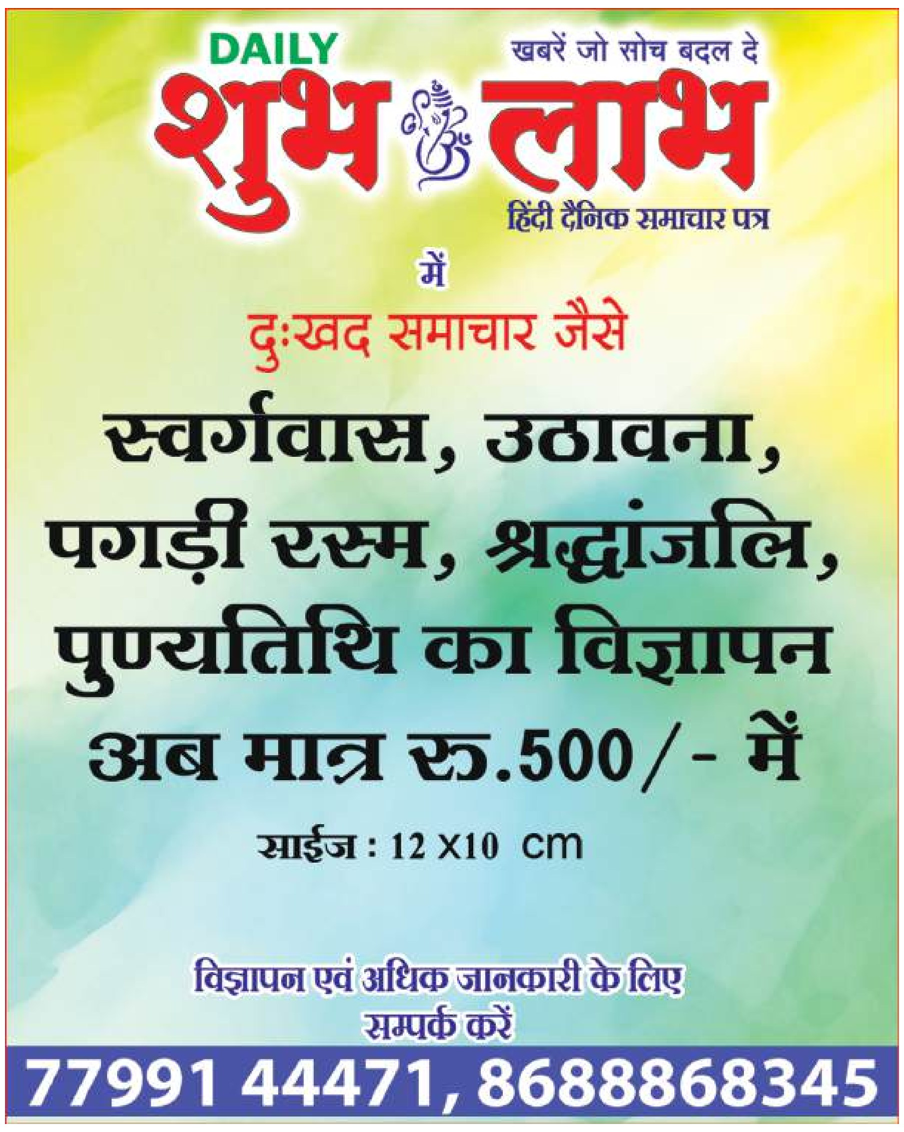

पुलिस ने जनवाड़ा फार्महाउस पर छापा मारा, जिसमें 21 पुरुष और 14 महिलाएं गिरफ्तार

ड्रग और जुआ खेलने के आरोप दर्ज

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबराबाद एसओटी और आबकारी अधिकारियों ने शनिवार आधी रात को जनवाड़ा में राज पकाला के स्वामित्व वाले एक फार्महाउस पर छापा मारा।

तेज़ आवाज़ की शिकायत मिलने के बाद यह छापा मारा गया। तलाशी के दौरान, 21 पुरुषों और 14 महिलाओं का जमावड़ा पाया गया, जिसमें अधिकारियों ने सात बोतल विदेशी शराब, दस बोतल भारतीय शराब और कई जुआ खेलने से संबंधित सामान जब्त किए। सभी पुरुष उपस्थित लोगों का ड्रग टेस्ट किया गया और विजय मदुरी को कोकीन के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया। उन्हें आगे के रक्त परीक्षण के लिए अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने राज पकाला और विजय मदुरी के खिलाफ मोकिला पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 25, 27 और 29 और तेलंगाना गेमिंग अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत मामला दर्ज किया।

इसके अलावा, राज पकाला, जो बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) के करीबी रिश्तेदार भी हैं, के पास सभा के लिए आबकारी लाइसेंस नहीं था, इसलिए आबकारी टास्कफोर्स ने उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34ए, धारा 34(1) के साथ धारा 9 के तहत मामला दर्ज किया। रविवार को पुलिस के एक बयान में कहा गया कि जांच जारी है और अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि अवैध सभाओं और गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.